FRIDAY

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का मर्यादित जीवन 6

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में मामूली तेजी 9

चुनौती का सामना करना पड़ेगा भारतीय स्कीट निशानेबाजों को 10

दिनमान | तापमान

सूर्योदय 5.34 | सूर्यास्त 5.50 | अधिकतम 36° | न्यूनतम 24°

वर्ष 18, अंक 280 पृष्ठ 12
कोलकाता, शुक्रवार, 27 मार्च 2026
चैत्र, शुक्लपक्ष, नवमी, वि.सं. 2083

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

श्री रामनवमी की शुभकामनाएं!

युवा शक्ति के पाठकों, विज्ञापन दाताओं, वितरकों एवं शुभचिंतकों को श्री रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं!

सम्पादक

नवम् सिदिधमात्री

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि.
सेव्यमाना यदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायनी..

नवरात्र के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है. नवदुर्गाओं में मां सिद्धिदात्री अंतिम हैं. अन्य आठ देवियों की पूजा उपासना शास्त्रीय विधि-विधान के अनुसार करते हुए भक्त दुर्गा पूजा के नौवें दिन इनकी उपासना करते हैं. मां सिद्धिदात्री भक्तों को हर प्रकार की सिद्धि प्रदान करती हैं. देवीपुराण के अनुसार भगवान शिव ने इनकी कृपा से ही इन सिद्धियों को प्राप्त किया था. इनकी अनुकम्पा से ही भगवान शिव का आधा शरीर देवी का हुआ था. इसी कारण वे लोक में अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए.

संक्षिप्त खबरें

लोग नागरिकता का प्रमाण देने के लिए मजबूर किये जा रहे : अभिषेक

धूपगुड़ीः तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा सरकार पर एसआईआर की आड़ में देश के नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया. जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में तृणमूल उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के समर्थन में प्रचार करते हुए उन्होंने भाजपा पर धर्म के आधार पर राजनीति करने और लोगों का ध्यान आजीविका और आवास जैसे मूलभूत मुद्दों से भटकाने का भी आरोप लगाया.उन्होंने कहा- केंद्र में भाजपा सरकार देश के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ साजिश रच रही है. एसआईआर के नाम पर सौ साल से यहां रह रहे लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देने के लिए मजबूर किया जा रहा है.

बासंती में भाजपा-तृणमूल संघर्ष, 20 घायल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बासंती (एससी) विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हो गई. इसमें 20 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए. पुलिस ने बताया कि इस संबंध में 8 लोग हिरासत में लिए गए हैं. यहां 29 अप्रैल को दूसरे फेज में मतदान होना है.

कुकी उग्रवादियों ने सेना पर की फायरिंग

नई दिल्लीः मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में भारतीय सेना और उग्रवादियों के बीच बुधवार देर रात मुठभेड़ हो गई. पुलिस के अनुसार, इस मुठभेड़ के बाद सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और राज्य पुलिस द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

एसआईआर : बंगाल में फिर कम हुए वोटर्स

लिस्ट से 13 लाख नाम और हटे

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार हलचल बनी हुई है. राजनीतिक दल अपने-अपने चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं. इस बीच चुनाव आयोग के एक शीर्ष अधिकारी ने कोलकाता में कल बुधवार को बताया कि अब तक जांच की गई 32 लाख नामों में से करीब 40 फीसदी नाम पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं. इस तरह से जांच प्रक्रिया के तहत करीब 13 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए हैं.

अधिकारी ने बताया कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पहले ही करीब 63 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे, इस तरह से अब तक नाम हटाए गए वोटर्स की कुल संख्या बढ़कर करीब 76 लाख हो गई है. चुनाव आयोग ने सोमवार को 'जांच के दायरे में' आने वाले वोटर्स की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी.लेकिन आयोग ने इस लिस्ट से हटाए गए नामों की संख्या या निपटाए गए मामलों की सटीक संख्या पर चुप्पी साधे रखी, जिसकी वजह से उसे कई हलकों से आलोचना का सामना भी करना पड़ा.चुनाव आयोग की ओर से जारी की गई लिस्ट के तहत अब तक 32 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है, जबकि करीब 28 लाख मामले अभी भी राज्य में कार्यरत 705 न्यायिक अधिकारियों की ओर से निपटाए जाने बाकी हैं.

पश्चिम एशिया संकट पर आज पीएम करेंगे ऑनलाइन बैठक

मुख्यमंत्रियों के साथ राज्यों की तैयारियों की होगी समीक्षा

चुनावी राज्यों के सीएम नहीं हो पायेंगे शामिल ▸ **भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' शुरू किया** ▸ **होर्मुज में सुरक्षा के लिए 5 से अधिक युद्धपोत तैनात**

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे. इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी.

बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है. जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे. उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे.

यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है. इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है. ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है. हालांकि, भारत को इससे अलग रखा गया है. इसके बावजूद यह चिंता बनी हुई है कि आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं.

भारतीय नौसेना की मिशन मोड तैनाती

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' शुरू किया है. होर्मुज जलडमरूमध्य में भारत-बाउंड तेल, एलपीजी और एलएनजी टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पांच से अधिक युद्धपोत तैनात किए गए हैं. यह मिशन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा व्यापार का 20% इसी मार्ग से होता है.नौसेना जहाजों को केवल एस्कॉर्ट ही नहीं कर रही, बल्कि जहाजों को एक-एक कदम गाइड भी कर रही है. होर्मुज पार करने के बाद डिस्ट्रॉयर और स्टेल्थ फ्रिगेट्स आगे की यात्रा में अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं. बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं.

प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे.

भारत के लिए ईरान ने खोला होर्मुज

तेहरान/मुंबईःपश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के लिए बड़ी घोषणा करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का एलान किया है. ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के अनुसार, ईरान ने अपने मित्र देशों के जहाजों को होर्मुज से निर्बाध आने-जाने की अनुमति दी है.ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अब साथी देशों के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति देगा. इन देशों में भारत भी शामिल है, साथ में चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान का नाम भी लिया गया है. इसका मतलब है कि भारत के जहाजों को इस रास्ते से सुरक्षित गुजरने दिया जाएगा. हालांकि, एक शर्त रखी गई है कि जहाजों को पहले ईरान के अधिकारियों से समन्वय करना होगा.यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब इस रास्ते को लेकर पूरी दुनिया में चिंता बढ़ गई थी, क्योंकि यही रास्ता दुनिया के सबसे बड़े तेल सप्लाई रूट्स में से एक है. अगर यह बंद हो जाता, तो भारत जैसे देशों के लिए तेल की कीमतें और सप्लाई दोनों पर असर पड़ता. ईरान के इस फैसले से भारत को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि भारत का काफी तेल इसी रास्ते से आता है.

तेज आंधी-बारिश में फंसा ममता का हेलिकॉप्टर

डेढ़ घंटे तक हवा में चक्कर लगाता रहा

चुनाव प्रचार से लौट रहीं थीं सीएम ■ कई बार लैंडिंग की नाकाम कोशिश की

शाम 5.19 बजे सुरक्षित उतरा हेलिकॉप्टर ■ मौसम विभाग ने जारी की थी चेतावनी

कोलकाताः कोलकाता में गुरुवार को तेज आंधी और बारिश के कारण मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर लंबे समय तक हवा में फंसा रहा और आखिरकार करीब डेढ़ घंटे बाद सुरक्षित लैंडिंग कर सका. खराब मौसम के चलते हेलिकॉप्टर ने कई बार उतरने की कोशिश की, लेकिन हर बार उसे वापस मुड़ना पड़ा. जानकारी के मुताबिक, ममता बनर्जी चुनावी प्रचार खत्म कर अंडाल से कोलकाता लौट रही थीं. उनका निजी विमान दोपहर 3 बजकर 39 मिनट पर रवाना हुआ था और करीब 4 बजे उतरना तय था. लेकिन, कोलकाता एयरपोर्ट के आसपास अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई, जिससे लैंडिंग संभव नहीं हो पाई. एएयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, खराब दृश्यता और तेज हवाओं के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी जा रही थी. इस दौरान हेलिकॉप्टर करीब डेढ़ घंटे तक आसमान में चक्कर लगाता रहा और उसने कई बार लैंडिंग की कोशिश भी की. सूत्रों के अनुसार, एक समय हेलिकॉप्टर को बेहाला की ओर मोड़ा गया, जहां उसने लैंडिंग का प्रयास किया. लेकिन मौसम खराब होने के कारण वहां भी सफलता नहीं मिली. बाद में हालात थोड़ा सामान्य होने पर विमान को फिर से कोलकाता एयरपोर्ट की ओर लाया गया. आखिरकार, शाम 5 बजकर 19 मिनट के आसपास हेलिकॉप्टर सुरक्षित उतर सका. इस दौरान एयरपोर्ट पर भी कुछ समय के लिए उड़ान सेवाएं प्रभावित रहीं और कई विमानों की आवाजाही बाधित हुई.

बताया जा रहा है कि तेज हवाओं के कारण एयरपोर्ट परिसर में तैयार किया गया मंच भी क्षतिग्रस्त हो गया. मुख्यमंत्री के उतरने के बाद उनके मीडिया से बातचीत करने का कार्यक्रम था. लेकिन उन्होंने बिना कोई टिप्पणी किए केवल हाथ हिलाकर अभिवादन किया और वहां से रवाना हो गईं. मौसम विभाग ने पहले ही शहर और आसपास के इलाकों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की थी, जिसका असर गुरुवार शाम को साफ तौर पर देखने को मिला.

पेट्रोल 5.3 रुपये महंगा

नयी दिल्लीः ईरान-अमेरिका युद्ध का सीधा असर अब भारतीय आम आदमी की जेब पर पड़ने लगा है. पेट्रोल-डीजल बेचने वाली देश की सबसे बड़ी प्राइवेट कंपनी नायरा एनर्जी ने कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है. इसके साथ ही पेट्रोल की कीमतों में 5.30 प्रति लीटर और डीजल में 3 प्रति लीटर का उछाल आया है. आपको बता दें कि ईरान युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज के लगभग बंद हो जाने और अमेरिका व ईरान द्वारा एनर्जी से जुड़ी जगहों पर हमले करने से ग्लोबल सप्लाई में रुकावट आ गई है.पेट्रोल-डीजल की कमी की चिंताओं के बीच भारत के कई राज्यों में लोग अपने वाहनों में ईंधन भरवाने के लिए पेट्रोल पंपों पर उमड़ रहे हैं. वहीं, एलपीजी संकट के कारण भी फिलिंग स्टेशनों और डिपो के बाहर लंबी कतारें लग गई हैं.

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ

कोलकाताः लंदन की हाई कोर्ट ने नीरव मोदी की याचिका को खारिज कर दिया है. बताया जा रहा है कि नीरव मोदी ने भारत में अपने प्रत्यर्पण के मामले को फिर से खोलने की मांग की थी. भारत में उस पर 13,000 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले से जुड़े होने के आरोप हैं. नीरव मोदी, जो एक भगोड़ा हीरा कारोबारी है, उसने अपने प्रत्यर्पण को चुनौती देने के लिए हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस, किंग्स बेंच डिवीजन का दरवाजा खटखटाया था.

इस मामले पर क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस के वकील ने जोरदार बहस की, जिसमें उन्हें सीबीआईउइख की एक समर्पित टीम का भी पूरा सहयोग मिला. इस टीम में वे जांच अधिकारी भी शामिल थे जो सुनवाई के लिए खास तौर पर लंदन गए थे. मोदी की याचिका हथियार डीलर संजय भंडारी के मामले में आए फैसले पर आधारित थी. हालांकि, ऐजेंसी के तालमेल भरे प्रयासों ने इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर लिया. कोर्ट ने फैसला सुनाया कि मोदी की याचिका और उससे जुड़े हालात इतने असाधारण नहीं थे कि मामले को फिर से खोला जाए.सीबीआई 2018 से ही मोदी के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, क्योंकि वह एक सरकारी बैंक से जुड़े बड़े वित्तीय घोटाले में शामिल था. णघ की अदालतों ने 2019 में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, और तब से उसने पिछली सभी अपीलों को खारिज कर दिया है.नीरव मोदी पर अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ मिलकर पीएनबी के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है. अकेले मोदी पर ही 6,498.20 करोड़ के गबन से जुड़े आरोप

बंगाल में भाजपा सरकार उप्र की शैली वाले मुठभेड़ को अपनाएगी, पुलिस का चरित्र बदला जाएगा: दिलीप घोष

कोलकाता/खड़गपुरः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने गुरुवार को दावा किया कि अगर उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो पुलिस में पूरी तरह से बदलाव किया जाएगा और वह अपराधियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश की शैली में भुठभेड़ करना शुरू कर देगी. खड़गपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में पुलिस अभी सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इशारे पर काम करती है और अपराधियों तथा माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहती है.घोष ने कहा, चार मई के बाद सब कुछ बदल जाएगा. जिस पुलिस को आप आज माफिया के साथ बैठकर चाय पीते हुए और भ्रष्ट नेताओं के चमचे के तौर पर काम करते हुए देखते हैं, उसका चरित्र बदल जाएगा. वही पुलिस उत्तर प्रदेश की शैली में मुठभेड़ करेगी और अपराधियों को सलाखों के पीछे डालेगी. उनके इन बयानों ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया. तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर खुले तौर पर गैर-न्यायिक तरीके से हिंसा का समर्थन करने का आरोप लगाया.

बेबाक और आक्रामक राजनीतिक शैली रखने वाले घोष ने आलोचनाओं से बेपरवाह रहते हुए तृणमूल पर अपना हमला और तेज कर दिया, और दावा किया कि उन्होंने खड़गपुर में लंबे समय तक गुंडों और माफिया से लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे. उन्होंने कहा, मैंने खड़गपुर में गुंडों और माफिया के खिलाफ कई लड़ाइयां लड़ी हैं, और मैं फिर लड़ूंगा. लेकिन शायद इस बार इसकी जरूरत न पड़े. एक बार जब भाजपा सत्ता में आ जाएगी, तो अपराध में शामिल हर व्यक्ति पकड़ा जाएगा और जेल भेजा जाएगा. घोष ने 2016 से 2019 तक विधानसभा में खड़गपुर सदर का प्रतिनिधित्व किया था और उनको भाजपा ने इस सीट पर फिर से मैदान में उतारा है. यह सीट कभी पश्चिम बंगाल में पार्टी के शुरुआती राजनीतिक गढ़ों में से एक थी, जब पार्टी ने अपने पारंपरिक क्षेत्रों से बाहर विस्तार करना शुरू किया था. घोष ने कहा, हमारे खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिनमें आरोप लगाया गया कि हमने लोगों को हथियारों के बल पर धमकाया. लेकिन अगर कोई डरता है, तो घोष जाहिर तौर पर उसे डराएगा. आपको डरने की क्या जरूरत है? अगर आपमें हिम्मत है, तो आमने-सामने आइए. अगर वे पुलिस की मदद से लूटपाट कर सकते हैं, चोरी कर सकते हैं और मतदाताओं को डरा-धमका सकते हैं, तो हम उन्हें चुनौती क्यों नहीं दे सकते? उन्होंने कहा, मैंने हमेशा अपने विरोधियों को चौंकाते हुए राजनीति की है. खड़गपुर के लोगों ने इसी वजह से मुझे वोट दिया था, और वे फिर से मुझे ही वोट देंगे.इससे पहले दिन में, अपने समर्थकों के साथ चाय पर चर्चा के दौरान घोष ने राज्य प्रशासन पर चुनाव प्रचार के दौरान सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में भेदभाव करने का आरोप लगाया. उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतें मिलने के बावजूद पुलिस मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कटआउट हटाने में आनाकानी कर रही थी, और भाजपा ने इस मुद्दे पर निर्वाचन आयोग से संपर्क किया है.

आंध्र प्रदेश बस हादसे में 14 मरे

पीएम ने जताया शोक

रायवरमः आंध्रप्रदेश में बस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गयी. यह दर्दनाक हादसा मार्कपुरम जिले के रायवरम के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ. हरीकृष्ण ट्रेवल्स की यात्री बस हैदराबाद से पामुरु (प्रकाशम जिला) की ओर जा रही थी, तभी एक पत्थर की खदान के पास उसकी टिपर ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गए. बस में उस समय 35 यात्री सवार थे.शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

घायलों को मार्कपुरम के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है. मृतकों और घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद करीब दस यात्री बस से कूदने में सफल रहे.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुर्घटना को अत्यंत दुखद बताया है. पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को पचास हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी.

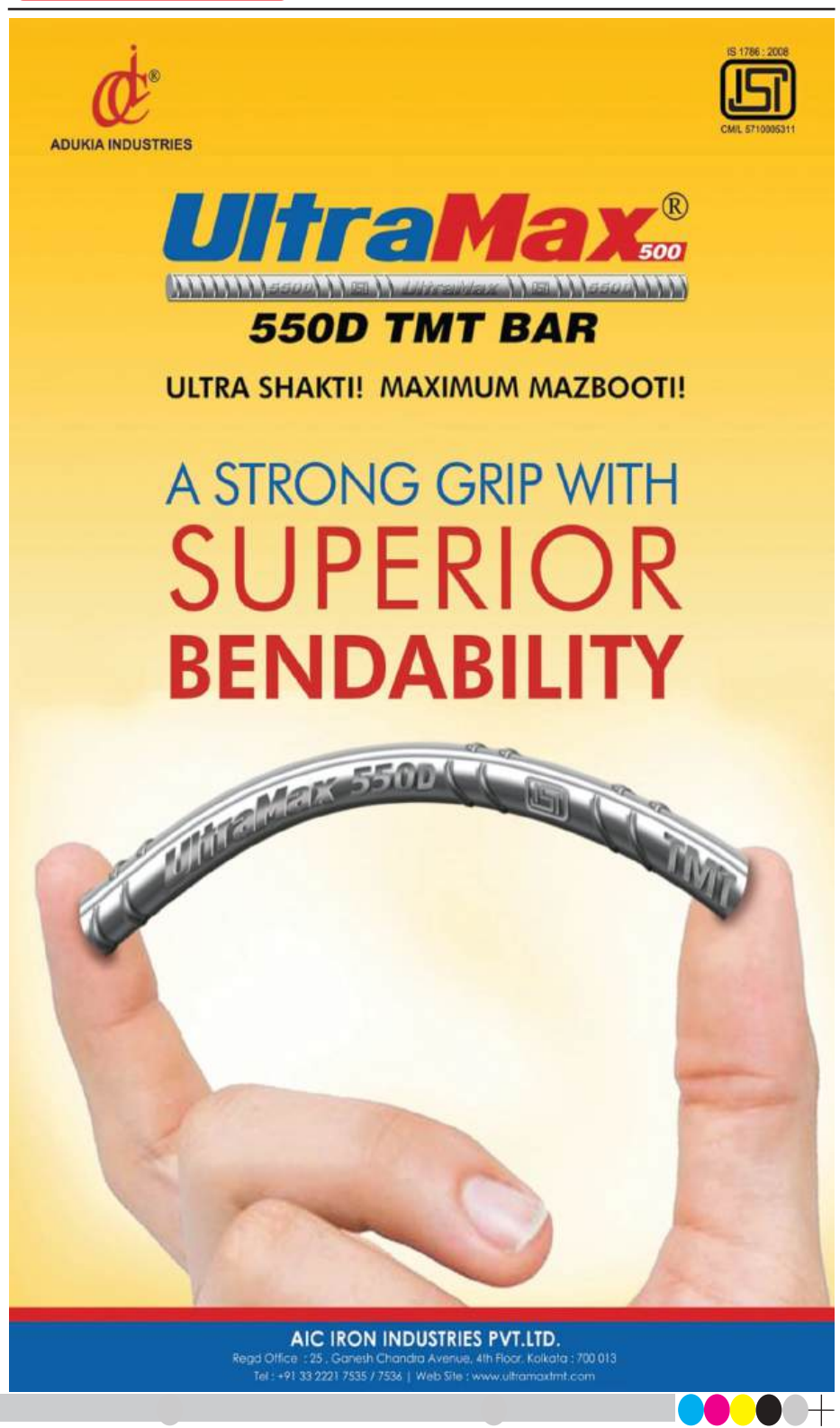

हुगली में चुनाव प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक

नामांकन और 'सुविधा' ऐप पर दी गई जानकारी

हुगली : आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर हुगली के जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 25 मार्च को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में नामांकन प्रक्रिया, चुनाव एजेंट और पोलिंग एजेंट की पात्रता तथा 'सुविधा' ऐप के उपयोग को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई।हुगली जिला सूचना और संस्कृति विभाग की ओर से गुरुवार को एक विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि बैठक के दौरान नामांकन की पूरी प्रक्रिया, समय-सारिणी और नामांकन पत्र जमा करते समय अपनाए जाने वाले नियमों एवं प्रोटोकॉल की विस्तार से व्याख्या की गई। साथ ही, नामांकन से संबंधित सभी आवश्यक प्रपत्रों (फॉर्म) की हार्ड कॉपी भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई, ताकि वे पहले से तैयारी कर सकें और नामांकन में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पोलिंग एजेंट और चुनाव एजेंट की नियुक्ति से जुड़े नियमों और प्रक्रियाओं को भी विस्तार से समझाया। इसके साथ ही, भारत निर्वाचन आयोग के संबंधित दिशा-निर्देश भी प्रतिनिधियों को सौंपे गए।बैठक में राजनीतिक दलों को 'सुविधा' परमिशन ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से चुनाव प्रचार के लिए आवश्यक अनुमतियां ऑनलाइन प्राप्त की जा सकती हैं। इसके अलावा, मतदाता सूची से जुड़े वाद-निपटान (एडजुडिकेशन) मामलों के आधार पर जारी पूरक सूची (सप्लीमेंट्री लिस्ट) को कैसे देखा और डाउनलोड किया जा सकता है, इसकी भी जानकारी दी गई।

इस संबंध में यह भी बताया गया कि उपमंडल, प्रखंड कार्यालयों और जिला निर्वाचन कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां राजनीतिक पार्टी अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं।

बैठक के अंत में सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को अपने सुझाव और विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया।

उपस्थित सभी सदस्यों ने बैठक में दी गई जानकारी और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

कल्याणी: रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा

कल्याणी, नदिया: रामनवमी के पावन अवसर पर आज नदिया जिले के कल्याणी शहर में एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे राणाघाट के सांसद जगन्नाथ सरकार, जिन्होंने खुद इस शोभायात्रा में हिस्सा लेकर भक्तों का उत्साहवर्धन किया। 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ कल्याणी की सड़कें केसरिया झंडों से पट गईं। शोभायात्रा में भारी संख्या में राम भक्तों और स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।सांसद जगन्नाथ सरकार ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान राम की पूजा-अर्चना की और जुलूस के साथ पैदल चलकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। शोभायात्रा के दौरान ढाक-ढोल की थाप और शंखों की ध्वनि ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बच्चों और युवाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में झांकियां भी प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि शांतिपूर्ण तरीके से उत्सव संपन्न हो सके।

चुनाव 26 : केएसडीसी ने छह सीटों पर उम्मीदवार उतारे

दक्षिण दिनाजपुर : विधानसभा चुनाव- 2026 से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया मोड़ आया है। क्षेत्रीय संगठन कामतापुर राज्य मांग परिषद (केएसडीसी) ने जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।गंगारामपुर में गुरुवार को आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में संगठन के जिलाध्यक्ष रुबेल सरकार ने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। पार्टी ने कुशमंडी, कुमारगंज, बालुरघाट, तपन, गंगारामपुर और हरिरामपुर सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे है।उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही केएसडीसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला।संगठन का आरोप है कि केंद्र सरकार के साथ हुए कई समझौते अब तक लागू नहीं किए गए है। इस मुद्दे पर केएसडीसी ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो आगामी चुनाव में उत्तर बंगाल में भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाएगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम से उत्तर बंगाल में चुनावी मुकाबला और दिलचस्प हो सकता है, जहां पहले से ही प्रमुख दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

हल्दिया स्टेशन से भारी मात्रा में गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

पूर्व मेदिनीपुर: खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार हल्दिया रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए प्लेटफॉर्म चेकिंग पार्टी ने दो लोगों को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम शेख फैजुल हक और मो. रजाक खान बताए गए हैं।रेलवे पुलिस के अनुसार, दोनों के पास मौजूद दो बैग की तलाशी लेने पर कुल 20 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिनका कुल वजन 20 किलोग्राम 800 ग्राम है। तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया आईआरपी खड़गपुर की उपस्थिति में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार की गई। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा।इस मामले में आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20(बी)(सी) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।रेलवे पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है।

चंदननगर में भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ कार्यकर्ताओं का विरोध

हुगली : पश्चिम बंगाल में भाजपा के उम्मीदवारों को लेकर असंतोष थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब हुगली जिले के चंदननगर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के घोषित उम्मीदवार दीपांजन गुहा के खिलाफ कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं और जोरदार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

बुधवार रात के बाद गुरुवार को भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी का झंडा लेकर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और दीपांजन गुहा दूर हटो के नारे लगाए। मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी की तीसरी सूची में चंदननगर सीट से दीपांजन गुहा को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद से ही संगठन के एक वर्ग में नाराजगी है।प्रदर्शनकारियों ने बागबाजार में जीटी रोड पर विरोध जताया। दीपांजन गुहा चुचुड़ा के निवासी हैं

और 2021 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के टिकट पर चंदननगर से चुनाव लड़ा था, जहां उन्हें तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार इंद्रनील सेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। दोबारा उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी के कुछ कार्यकर्ता और समर्थक असंतुष्ट हैं।उल्लेखनीय है कि राज्य में विभिन्न स्थानों पर भाजपा उम्मीदवारों को लेकर विरोध देखने को मिल रहा है। कोलकाता के बेलेघाटा सीट पर भी उम्मीदवार बदलने की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और हंगामे की स्थिति बन गई। सॉल्ट लेक स्थित पार्टी कार्यालय में भी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी को कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश देते हुए देखा गया।

स्थिति को संभालने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश की।

हालांकि इसके बावजूद कई जगहों पर उम्मीदवारों को लेकर असंतोष बना हुआ है और नाम वापस लेने की मांग उठ रही है।चंदननगर में बढ़ते विरोध ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। चुनाव से पहले जहां पार्टी को प्रचार अभियान तेज करना था, वहीं फिलहाल उसे आंतरिक असंतोष और विवादों से जूझना पड़ रहा है।

काटवा में नाव से गिरा 11वीं का छात्र, तलाश जारी

पूर्व बर्दवान : पश्चिम बंगाल के काटवा में गुरुवार को ट्यूशन से घर लौट रहे 11वीं कक्षा का एक छात्र की नदी में डूब गया। घटना काटवा-बल्लभपाड़ा फेरीघाट पर हुई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने मल्लाह और घाट प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। छात्र की पहचान नदिया जिले के बल्लभपाड़ा निवासी आकाश साहा के रूप में हुई है।सूत्रों के अनुसार, वह गुरुवार सुबह ट्यूशन पढ़कर रोज की तरह नाव से घर लौट रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि नदी में गिरने के बाद उसे बचाने की कोई तत्काल कोशिश नहीं की गई। बताया गया कि नाव पर लाइफ जैकेट मौजूद थे, लेकिन जब छात्र डूब रहा था तब उसे बचाने के लिए एक भी लाइफ जैकेट नहीं फेंका गया।घटना के एक चश्मदीद जॉनी मोल्ला ने बताया कि छात्र बैग लेकर नाव में बैठा था और अचानक पानी में गिर गया। उन्होंने कहा कि हम पास के घाट पर थे और उम्मीद कर रहे थे कि नाव पर मौजूद लोग या मल्लाह उसे बचा लेंगे। जब कोई प्रयास नहीं हुआ, तो हम दो लोग नदी में कूदे, लेकिन जब तक हम उसके करीब पहुंचे, वह पानी में डूब चुका था।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि घाट पर इस तरह की घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद कोई सुधार नहीं किया गया। गुस्साए लोगों ने फेरीघाट को बंद कर कुछ समय तक विरोध प्रदर्शन किया।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद आपदा प्रबंधन विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और छात्र की तलाश शुरू की गई। पता लगाया जा रहा है कि बचाव में देरी क्यों हुई तथा घाट प्रबंधन की कोई लापरवाही थी या नहीं।

न्यूज कॉर्नर

चुनावी हिंसा से दहला बाली: टीएमसी और बीजेपी समर्थकों में झड़प

हावड़ा :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान हावड़ा के बाली विधानसभा क्षेत्र में जबरदस्त तनाव व्याप्त हो गया। गुरुवार दोपहर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार के दौरान हुई झड़प में एक टीएमसी कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी। टीएमसी का आरोप है कि हाल ही में बीजेपी छोड़कर तृणमूल में शामिल हुए रणबीर दलुई के घर के सामने से जब बीजेपी प्रत्याशी संजय सिंह का प्रचार जुलूस गुजर रहा था, तब वहां तनाव पैदा हो गया। आरोप है कि बीजेपी समर्थकों ने रणबीर की मां के साथ अभद्र व्यवहार किया। जब रणबीर ने इसका विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के विरोध में बाली से टीएमसी उम्मीदवार कैलाश मिश्रा अपने समर्थकों के साथ बाली थाने पहुंचे और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे जीटी रोड (ऋछ ठेरव) को पूरी तरह जाम कर देंगे।दूसरी ओर, बीजेपी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। बीजेपी नेता पौलमी आदक ने दावा किया कि जब वे अपने प्रत्याशी के साथ शांतिपूर्ण प्रचार कर रहे थे, तब टीएमसी समर्थकों ने उनके घर पर पथराव किया, जिससे खिड़कियों के कांच टूट गए। बीजेपी प्रत्याशी संजय सिंह ने इसे तृणमूल की हताशा करार दिया है।

आईएनटीटीयूसी कार्यकर्ता पर हमले का आरोप

कल्याणी, नदिया : नदिया जिले के कल्याणी स्थित इंडियन ऑयल बॉटलिंग प्लांट में बुधवार को ट्रेड यूनियन विवाद के चलते हिंसा की खबर सामने आई है। आरोप है कि भारतीय मजदूर संघ (के समर्थकों ने आईएनटीटीयूसी) के एक सक्रिय कार्यकर्ता की बेरहमी से पिटाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल व्यक्ति की पहचान शाहजहाँ मंडल के रूप में हुई है। वह इंडियन ऑयल बॉटलिंग प्लांट में गाड़ी चालक के पद पर कार्यरत हैं और आईएनटीटीयूसी के सदस्य हैं। बुधवार को प्लांट परिसर में ही उन पर हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद शाहजहाँ मंडल को लहूलुहान अवस्था में कल्याणी के जेएनएम अस्पताल ले जाया गया, जहाँ फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। उनकी स्थिति पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है।बाइट शाहजहाँ मंडल (पीड़ित): मिंटू दे (कल्याणी शहर खछढढणउ नेता): पुलिस ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है कि इस हमले के पीछे आपसी रंजिश थी या कोई संगठनात्मक विवाद।

सबूज साथी' की साइकिल पर सवार होकर टीएमसी प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

कांथी :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में उम्मीदवारों द्वारा जनता को रिझाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, उत्तर कांथी विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की मनोनीत उम्मीदवार प्रतिभा रानी मैती ने एक बेहद अनोखा और चर्चा का विषय बनने वाला प्रचार अभियान चलाया। प्रतिभा रानी मैती ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'सबूज साथी' के तहत मिलने वाली साइकिल पर सवार होकर अपना चुनाव प्रचार किया। उन्होंने चिलचिलाती धूप की परवाह किए बिना लगभग 2 किलोमीटर तक साइकिल चलाई और ग्रामीणों के बीच जाकर उनसे वोट की अपील की। इस दौरान उनके साथ भारी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद थे। साइकिल चलाते हुए प्रचार करने के पीछे उनका मुख्य उद्देश्य मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा शुरू की गई जनहितकारी योजनाओं को उजागर करना था। उन्होंने मतदाताओं को याद दिलाया कि कैसे 'सबूज साथी' जैसी योजनाओं ने छात्रों और आम लोगों के जीवन को सुगम बनाया है।प्रतिभा रानी मैती के इस सादगी भरे अंदाज को देख स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। रास्ते में रुक-रुक कर उन्होंने महिलाओं और बुजुर्गों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा:मैं इस क्षेत्र की बेटी हूँ और मुख्यमंत्री के विकास कार्यों के संदेश को घर-घर पहुँचाना मेरा लक्ष्य है। 'सबूज साथी' की साइकिल केवल एक वाहन नहीं, बल्कि बंगाल के विकास की पहचान है।विपक्ष ने जहाँ इसे चुनावी हथकंडा बताया है,

आसनसोल: कार सर्विसिंग सेंटर में भीषण आग

आसनसोल, पश्चिम बर्धमान : आसनसोल के एक प्रमुख कार सर्विसिंग सेंटर में आज अचानक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. आग इतनी भयावह थी कि इसकी चपेट में आने से पास स्थित एक आवासीय मकान को भी भारी नुकसान पहुँचा है. सर्विसिंग सेंटर के कर्मचारियों का प्राथमिक अनुमान है कि आग की शुरुआत सेंटर के पीछे उगी झाड़ियों और जंगलों से हुई. सूखी घास होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे सर्विसिंग सेंटर को अपनी चपेट में ले लिया.घटना की सूचना तुरंत चौरंगी फाड़ी की पुलिस और दमकल विभाग को दी गई. हालांकि, स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि दमकल की गाड़ियाँ मौके पर देरी से पहुँचीं, जिसके कारण आग और अधिक फैल गई और नुकसान बढ़ गया.

यासिन पठान ने वोट बहिष्कार की चेतावनी दी

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के पाथरा क्षेत्र में कई प्राचीन हिंदू मंदिरों के संरक्षण और पुनर्जीवन में अहम भूमिका निभाने वाले तथा साम्प्रदायिक सद्भाव के लिए राष्ट्रपति से कबीर पुरस्कार प्राप्त कर चुके यासिन पठान ने अपने परिवार के साथ आगामी चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है।यह मामला खड़गपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पाथरा गांव से जुड़ा है। गांव के निवासी यासिन पठान का कहना है कि उनके बेटे और दो बेटियों के नाम मतदाता सूची में 'अंडर एडजुडिकेशन' यानी 'विचाराधीन' श्रेणी में दर्ज कर दिए गए हैं, जबकि उन्होंने पहले ही सभी आवश्यक दस्तावेज संबंधित अधिकारियों के पास जमा कर दिए थे।उन्होंने बताया कि वह वर्ष 1978 से लगातार मतदान करते आ रहे हैं और वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उनका तथा उनकी पत्नी का नाम भी दर्ज है। उनके बेटे तस्वीर पठान बादशाह (40) तथा बेटियां तानिया परवीन (37) और तमन्ना परवीन (34) भी पहले कई बार मतदान कर चुकी हैं। इसके बावजूद नवीनतम पूरक मतदाता सूची में उनके नाम 'विचाराधीन' सूची में होने से परिवार में असंतोष है।

यासिन पठान ने कहा कि यदि उनके बच्चों के मताधिकार को बहाल नहीं किया गया तो वह और उनके परिवार के सभी सदस्य इस बार मतदान नहीं करेंगे।

उनके इस बयान के बाद स्थानीय राजनीति भी गरमा गई है। दिनेन राय, जो खड़गपुर ग्रामीण से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार हैं, ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया आम लोगों को परेशान कर रही है।वहीं शंकर गुच्छैत, जिन्हें बुधवार शाम ही भारतीय जनता पार्टी ने मेदिनीपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है, ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनाव आयोग निश्चित रूप से मामले की जांच कर उचित कदम उठाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि आयोग निष्पक्ष तरीके से निर्णय करेगा और जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में विचाराधीन हैं, उनके मामले भी नियमों के अनुसार सुलझाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे चुनाव आयोग पर विश्वास रखें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बनाए रखें।खड़गपुर ग्रामीण क्षेत्र का पाथरा गांव ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। कांगसबती नदी के किनारे बसे इस क्षेत्र में मध्यकालीन काल के लगभग 30 से अधिक प्राचीन मंदिरों के अवशेष पाए जाते हैं, जिनमें से कई मंदिर 17वीं-18वीं शताब्दी के बताए जाते हैं।

इन्हीं ऐतिहासिक मंदिरों के कारण पाथरा को 'मंदिरमय पाथरा' के नाम से भी जाना जाता है।इन जर्जर हो चुके मंदिरों के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए वर्षों पहले यासिन पठान ने पहल की और स्थानीय लोगों को साथ लेकर मंदिरों की सुरक्षा और मरम्मत का अभियान शुरू किया।

उनके प्रयासों से कई मंदिरों का पुनर्निर्माण और संरक्षण संभव हो सका। सांप्रदायिक सौहार्द और विरासत संरक्षण के इस कार्य के लिए उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित कबीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

तृणमूल कार्यकर्ता पर फायरिंग में दो गिरफ्तार

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के गंगारामपुर में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता पर गोलीबारी की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया था। इस मामले में मुख्य आरोपित अभी भी फरार है, जबकि पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार, गंगारामपुर शहर तृणमूल के एससी/ओबीसी सेल के अध्यक्ष बाबू चौधरी इस मामले के मुख्य आरोपित है, जो अभी तक पकड़ से बाहर है। हालांकि, घटना में संलिप्तता के आरोप में मनोज प्रसाद जायसवाल और विश्वजीत कुंडू को गिरफ्तार कर लिया गया है।गुरुवार को एक पत्रकार सम्मेलन में गंगारामपुर महकमा पुलिस अधिकारी शुभतोष सरकार ने बताया कि बाबू चौधरी और घायल तृणमूल कार्यकर्ता शिवा चौधरी के बीच व्यावसायिक दुश्मनी थी। इसी रंजिश के चलते मंगलवार देर रात गंगारामपुर थाना क्षेत्र के पास शिवा चौधरी को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। घटना के बाद घायल शिवा चौधरी के परिवार की ओर से थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। उसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस मुख्य आरोपित की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

चुनाव 26 : हुगली की उत्तरपाड़ा सीट के सियासी संतुलन में परिवर्तन, मुकाबला करीबी रहने के आसार

हुगली : हुगली जिले की उत्तरपाड़ा विधानसभा सीट, जहां 2026 का चुनाव महज एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि बदलते जनादेश और रणनीतिक पुनर्संतुलन की परीक्षा बनता जा रहा है। इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शीर्षण्य बंदोपाध्याय, माकपा ने मीनाक्षी मुखोपाध्याय और भाजपा ने दीपांजन चक्रवर्ती को मैदान में उतारकर मुकाबले को पूरी तरह त्रिकोणीय बना दिया है। इस सीट का चुनावी इतिहास उतार-चढ़ाव और राजनीतिक ध्रुवीकरण की स्पष्ट कहानी पेश करता है।

2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को लगभग 45 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, जबकि कांग्रेस-वाम गठबंधन को करीब 39 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा उस समय लगभग 13 प्रतिशत वोट पर सिमटी रही। इस चुनाव में टीएमसी ने करीब 9 प्रतिशत वोट अंतर से जीत दर्ज की थी, जो यह दर्शाता है कि मुकाबला करीबी और सीधा था। उस दौर में उत्तरपाड़ा की राजनीति मुख्यतः टीएमसी बनाम वाम-कांग्रेस के बीच केंद्रित थी, जबकि भाजपा तीसरे स्थान पर सीमित प्रभाव के साथ मौजूद थी।

2021 के चुनाव में राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए। टीएमसी ने अपना वोट शेयर बढ़ाकर लगभग 47 प्रतिशत कर लिया, जबकि भाजपा ने जबरदस्त उछाल लेते हुए लगभग 29 प्रतिशत वोट हासिल किए। इसके विपरीत माकपा का वोट शेयर घटकर करीब 16 प्रतिशत रह गया। इस बार टीएमसी ने भाजपा को लगभग 17 प्रतिशत वोट अंतर से हराया, जो 2016 की तुलना में कहीं अधिक निर्णायक जीत थी। यह

बदलाव इस बात का संकेत था कि भाजपा ने वाम के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाकर खुद को मुख्य चुनौतीकर्ता के रूप में स्थापित कर लिया।

अब 2026 में यही प्रतिशत नई राजनीतिक कहानी लिखने की जमीन तैयार कर रहे हैं। टीएमसी लगभग 47 प्रतिशत के स्थिर वोट आधार के साथ बढ़त बनाए रखने की कोशिश में है। भाजपा का लक्ष्य अपने 29 प्रतिशत वोट शेयर को बढ़ाकर 40 प्रतिशत के करीब ले जाना है, ताकि मुकाबला सीधा और टक्कर का बनाया जा सके। वहीं माकपा, जो 2016 में करीब 39 प्रतिशत पर थी और 2021 में 16 प्रतिशत पर सिमट गई, अब मीनाक्षी मुखोपाध्याय के जरिए अपने वोट शेयर को फिर से 20-25 प्रतिशत तक ले जाने की रणनीति पर काम कर रही है।

उम्मीदवारों की प्रोफाइल इस प्रतिशत के खेल को और दिलचस्प बनाती है। टीएमसी के शीर्षण्य बंद्योपाध्याय, श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद कल्याण बनर्जी के पुत्र हैं और पेशे से अधिवक्ता हैं। उन्हें संगठन का अनुभवी और जमीनी नेता माना जाता है, जिनकी पकड़ बूथ स्तर तक मजबूत है। माकपा की मीनाक्षी मुखोपाध्याय एक आक्रामक, युवा और आंदोलनकारी चेहरा हैं, जो खासकर युवाओं और पारंपरिक वाम समर्थकों को फिर से सक्रिय करने की क्षमता रखती हैं। भाजपा के दीपांजन चक्रवर्ती पूर्व एनएसजी कमांडो रहे हैं और शहरी व मध्यम वर्गीय मतदाताओं के बीच पैठ बनाने में जुटे हैं; उनके सामने चुनौती पार्टी के बढ़ते समर्थन को ठोस वोट प्रतिशत में बदलने की है।करीब 2.5 लाख मतदाताओं वाली इस सीट पर 2021 में लगभग 77 प्रतिशत मतदान हुआ था,

जो इसे राजनीतिक रूप से अत्यंत सक्रिय क्षेत्र बनाता है। शहरी और अर्ध-शहरी चरित्र, मध्यम वर्ग की निर्णायक भूमिका और युवाओं की बढ़ती भागीदारी यहां के चुनावी समीकरण को और जटिल बनाती है। ऐसे में 2-3 प्रतिशत वोट का स्विंग भी हजारों वोटों का अंतर पैदा कर सकता है और परिणाम पूरी तरह बदल सकता है।कुल मिलाकर, उत्तरपाड़ा 2026 में एक ऐसी सीट बनकर उभर रही है जहां आंकड़ों का प्रतिशत, उम्मीदवारों की पकड़ और वोटों का ध्रुवीकरण-तीनों मिलकर नतीजा तय करेंगे। यह मुकाबला न सिर्फ स्थानीय राजनीति का आईना होगा, बल्कि यह भी संकेत देगा कि पश्चिम बंगाल की सियासत किस दिशा में आगे बढ़ रही है।

चुनावी राज्य बंगाल में राम नवमी का त्योहार भाजपा-तृणमूल के शक्ति प्रदर्शन में हुआ तब्दील

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को राम नवमी के अवसर पर एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हिंदुत्व के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती हुई दिखी, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल (टीएमसी) कांग्रेस भी विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा को धार्मिक विमर्श पर एकाधिकार स्थापित करने से रोकने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही. राज्य की राजधानी कोलकाता और कई जिलों में राम नवमी के अवसर पर भगवा ध्वज लहरा रहे थे, भीड़ भरी सड़कों पर 'जय श्री राम' के नारे गूंज रहे थे और सैकड़ों की संख्या में झांकियां निकाली गईं. कोलकाता शहर में 60 से अधिक छोटी-बड़ी रैलियां निकाली गईं, जबकि हावड़ा, हुगली, बीरभूम और उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों में भी इसी तरह की झांकी निकाली गईं. सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे, हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था और संवेदनशील क्षेत्रों में केंद्रीय बलों को मुस्तैद रखा गया था. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर में राम नवमी की झांकी में शामिल हुए, जो दक्षिण कोलकाता का वह निर्वाचन क्षेत्र है जहां वह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं. भाजपा नेता शुभेंदु ने रैली में भाग लेते हुए कहा, राम नवमी हमारी सभ्यता और संस्कृति का उत्सव है. बंगाल भर के लोग बड़ी संख्या में श्रद्धा प्रदर्शित करने के लिए सड़कों पर एकत्र हो रहे हैं. कई भाजपा नेताओं और उम्मीदवारों ने भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में झांकी में भाग लिया, जिससे यह धार्मिक उत्सव संगठनात्मक शक्ति के प्रदर्शन में तब्दील हो गया. भाजपा के लिए, राम नवमी पिछले एक दशक में बंगाल में राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गई है. पार्टी नेताओं ने कहा कि भाजपा और संघ परिवार में उसके वैचारिक सहयोगियों ने दो दिनों के उत्सव के दौरान लगभग दो करोड़ लोगों से संपर्क साधने के उद्देश्य से राज्य भर में कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जो इसकी व्यापक पहुंच को रेखांकित करता है. हालांकि, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी इस उत्सव के जरिये अपना जनाधार बढ़ाने में कोई कसर छोड़ती नजर नहीं आ रही है. पिछले कुछ वर्षों में, कई तृणमूल नेताओं ने राम नवमी कार्यक्रमों में भाग लेना या स्वयं स्थानीय झांकी का आयोजन करना शुरू कर दिया है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक भाजपा के हिंदुत्ववादी दृष्टिकोण का मुकाबला करने के लिए पार्टी (तृणमूल) के प्रयास के हिस्से के रूप में देखते हैं. तृणमूल के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष कई स्थानीय नेताओं के साथ उत्तरी कोलकाता में राम नवमी रैली में शामिल हुए. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में कहा था, राम किसी राजनीतिक दल के नहीं हैं. वह सबके हैं. बनर्जी की इस टिप्पणी को हिंदू विमर्श पर भाजपा को एकाधिकार स्थापित करने से रोकने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है. वामपंथी और कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर बंगाल में उत्तर भारतीय हिंदुत्व की राजनीति थोपने का आरोप लगाया है. उन्होंने तृणमूल की इस बात के लिए आलोचना की है कि वह भाजपा के विमर्श का राजनीतिक रूप से मुकाबला करने के बजाय नरम हिंदुत्व का सहारा ले रही है. माकपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, राजनीति में धर्म का यह आक्रामक उपयोग बंगाल की समन्वयवादी परंपरा में नयी चीज है. बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में, 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी.

रामनवमी शोभायात्रा में हथियार प्रदर्शित करने पर न्यू टाउन में हंगामा

कोलकाता : रामनवमी के अवसर पर गुरुवार सुबह न्यू टाउन इलाके में राम मंदिर से निकलने वाली शोभायात्रा के दौरान उस समय तनाव व्याप्त हो गया, जब पुलिस और आयोजकों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई. विवाद की मुख्य वजह शोभायात्रा में ले जाए जा रहे शस्त्र को लेकर पुलिस की आपत्ति थी. आयोजकों का कहना है कि वे अपनी परंपरा के अनुसार मंदिर में शस्त्र की पूजा करते हैं. चूंकि शस्त्र को पूजन स्थल तक ले जाना था, इसलिए उसे एक गाड़ी में रखा गया था. हालांकि, ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों ने जुलूस में हथियार ले जाने पर आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई. शोभायात्रा में शामिल राजारहाट न्यू टाउन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पीयूष कानोरिया ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की. उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछले 15 वर्षों से यहाँ शांतिपूर्वक शोभायात्रा निकाली जा रही है और हमने कभी भी जुलूस में हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया है. आज भी कोई हथियार नहीं लहराया गया. परंपरा के अनुसार मंदिर के अंदर शस्त्र पूजा होती है, इसलिए एक व्यक्ति पूजन सामग्री के साथ उसे ले जा रहा था. लेकिन एक पुलिस अधिकारी ने अचानक आक्रामक रुख अपनाया और हंगामा शुरू कर दिया. काफी देर तक चले तर्क-वितर्क और पुलिस अधिकारियों को स्थिति समझाने के बाद, मामला शांत हुआ. इसके बाद शोभायात्रा अपने निर्धारित मार्ग से आगे बढ़ी और बिना किसी अन्य बाधा के दमदम राम मंदिर तक पहुँचकर संपन्न हुई. पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा कारणों और अदालत के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार के हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोक है, इसलिए उन्होंने प्रारंभिक जांच की थी.

न्यूज़ कॉर्नर

नन्हे हाथों ने बांटी ठंडक, रामनवमी पर बच्चों की पहल ने जीता लोगों का दिल

कोलकाताः रामनवमी के अवसर पर पोर्ट इलाके में बच्चों की एक अनोखी और दिल छू लेने वाली पहल सामने आयी. भू-कैलाश मंदिर के पास कार्ल मार्क्स सारणी में कक्षा एक से आठ तक के बच्चों ने अपनी पॉकेट मनी से शरबत तैयार कर राहगीरों और शोभायात्रा में शामिल लोगों को पिलाया. भीषण गर्मी के बीच यह पहल लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हुई. तेजस, वीर, समृद्ध, नीम्मो, सुशील, मिठी समेत अन्य बच्चों ने बताया कि हर साल वे घरों में मिठाई बांटकर त्योहार मनाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने समाज के साथ खुशियां साझा करने का निर्णय लिया. बिना किसी बड़े सहयोग के किये गये इस प्रयास ने सभी को प्रभावित किया. स्थानीय लोगों ने बच्चों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में सेवा और संवेदनशीलता का यह भाव बेहद प्रेरणादायक है. रामनवमी के इस अवसर पर इन नौनिहालों ने यह संदेश दिया कि सच्ची भक्ति दूसरों की मदद करने में ही है.

पानिहाटी की लड़ाई न्याय की जंग है : अमित मालवीय

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर 24 परगना जिले के पानिहाटी विधानसभा सीट से आर्ची कर दुष्कर्म हत्याकांड की पीड़ित युवा डॉक्टर की मां, रत्ना देबनाथ को उम्मीदवार बनाया है. पार्टी ने इस चुनाव को न्याय की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत किया है. भाजपा के सह प्रभारी और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह केवल उम्मीदवार उतारने का मामला नहीं है, बल्कि न्याय की लड़ाई है. उन्होंने राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इस भयावह अपराध को संभालने में ममता बनर्जी सरकार से कई गंभीर चूक हुईं. मालवीय ने कहा कि इन कथित चूकों में सच्चाई को दबाने का प्रयास, सबूत मिटाना, पोस्टमार्टम में गड़बड़ी, जल्दबाजी में अंतिम संस्कार, फॉरेंसिक जांच के लिए नमूनों का सुरक्षित न रखना और अपराध स्थल से छेड़छाड़ जैसे आरोप शामिल हैं. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे रत्ना देबनाथ का समर्थन करें और इस न्याय की लड़ाई में उनके साथ खड़े होकर बदलाव के लिए मतदान करें.

चिप्स फैक्ट्री में लगी आग, दमकल ने समय रहते काबू पाया

कोलकाताः दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ थाना अंतर्गत चंडीपुर इलाके में गुरुवार सुबह एक चिप्स फैक्ट्री में अचानक आग लग गई. इस घटना से इलाके में हलचल मच गई. मौके पर पहुंची दमकल टीम ने तुरंत आग पर काबू पाया और बड़े हादसे को टालने में सफलता हासिल की. घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह फैक्ट्री में काम पर आए श्रमिकों ने फैक्ट्री के भीतर धुआं और आग की लपटें देखीं. तुरंत भांगड़ थाने को सूचना दी गई. पुलिस के तुरंत मौके पर पहुंचने के बाद दमकल की एक गाड़ी भी आग बुझाने के लिए भेजी गई. दमकलकर्मियों की तत्परता से आग पर जल्द नियंत्रण पाया गया. प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि आग की शुरुआत शॉर्ट सर्किट से हुई है. हालांकि, सटीक कारण जानने के लिए भांगड़ थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

फरवरी से अब तक पश्चिम बंगाल में पांच किसानों ने आत्महत्या की : भाजपा

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख शमिक भट्टाचार्य ने गुरुवार को दावा किया कि फरवरी से अब तक राज्य में कम से कम पांच किसानों ने आत्महत्या की है. भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार आलू उत्पादकों को उनकी फसल के लिए मूल्य संकट से जूझने के लिए छोड़ रही है. भाजपा नेता ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में किसानों की मौत की खबरें आ रही हैं. भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख ने आरोप लगाया कि किसान अपनी फसल न बेच पाने और कर्जदाताओं को कर्ज न चुका पाने के डर से आत्महत्या कर रहे हैं क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने अन्य राज्यों को आलू भेजना बंद कर दिया है. भट्टाचार्य ने दावा किया कि फरवरी से अब तक राज्य के विभिन्न जिलों में कम से कम पांच किसानों ने आत्महत्या की है और उन्होंने इन मौतों के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार की 'लापरवाही' को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने आत्महत्या करने वाले पांच किसानों का नाम लेते हुए कहा, राज्य सरकार आलू किसानों को कोई वित्तीय सहायता नहीं दे रही है. शमिक भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि राम नवमी के जुलूसों में जान-बूझकर बाधा डाली जा रही है. इससे सामाजिक विभाजन बढ़ रहा है. शमिक भट्टाचार्य ने चुनाव आयोग से अपील की है कि वे राज्य के हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करें. मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए जारी एसआईआर की प्रक्रिया की पारदर्शिता पर शमिक भट्टाचार्य ने सवाल उठाये. उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची से संदिग्ध नाम हटाने के लिए जमा किये जाने वाले 'फॉर्म-7' लेने से प्रशासन को रोका जा रहा है. कई जमा किये गये फॉर्मों का सही तरीके से निपटान नहीं किया गया है. उन्होंने कहा कि जिन वैध मतदाताओं के नाम गलती से सूची से हट गये हैं, वे फॉर्म-6 के माध्यम से फिर से आवेदन जरूर करें. प्रेस वार्ता के अंत में शमिक भट्टाचार्य ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि बंगाल की जनता वर्तमान स्थिति और सरकार की विफलताओं से भली-भांति अवगत है. उन्होंने विश्वास जताया कि इस असंतोष का सीधा असर आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों में साफ तौर पर दिखाई देगा.

पोर्ट इलाके में स्टेशनरी लदी कंटेनर में भीषण आग

घटना स्थल पर पहुंची दमकल के 10 इंजन

कोलकाताः रामनवमी के दिन गार्डेनरीच संलग्न इलाके में भीषण अगलगी की घटना से हड़कंप मच गया. लाल बाजार पुलिस मुख्यालय के अनुसार अगलगी की उक्त घटना वेस्टपोर्ट थाना इलाके के 43, हाई रोड में दोपहर बाद लगभग 3.35 बजे घटी. पुलिस के अनुसार अचानक ही स्टेशनरी लदी एक कंटेनर में आग लग गई. गार्डेनरीच के एस्बेस्टस मोड़ के पास, एफसीआई गोदाम से सटे एक वाहन पार्किंग स्थल में स्टेशनरी लदे एक कंटेनर में आग भीषण देखते ही देखते भीषण हो गई और लोगों में दहशत फैल गई कि आग कहीं पूरे इलाके को अपनी चपेट में नहीं ले ले. स्थानीय लोगों ने बताया कि जहां आग लगी वहीं तेल लदी कई गाड़ियां खड़ी थी और यहीं लोगों के आतंक का कारण बना. लाल बाजार पुलिस मुख्यालय सूत्रों के अनुसार उक्त खबर के लिखे जाने तक दमकल की 10 गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई थी. बहरहाल स्थानीय लोगों ने बताया कि, आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया. सूचना मिलते ही सबसे पहले दमकल की 10 गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं. दमकल कर्मी इस समय आग बुझाने में जुटे हुए हैं. कोलकाता वेस्ट पोर्ट पुलिस थाने के पुलिस अधिकारी, कोलकाता नगर निगम के वार्ड नंबर 80 के कई नेता भी घटनास्थल पर पहुंचे.

पाटुली में बहुमंजिली इमारत की छत पर फायरिंग, एक युवक की मौत

कोलकाताः कोलकाता के पाटुली इलाके में बुधवार रात बहुमंजिली इमारत की छत पर हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ. घटना शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र में हुई, जहां स्थानीय लोग और पुलिस ने इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है. मृतक की पहचान राहुल डे (36) के रूप में हुई है. घायल युवक का नाम जीत मुखोपाध्याय बताया गया है. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक और घायल युवक पूर्व परिचित थे, लेकिन लंबे समय से उनके बीच संपर्क नहीं था. बुधवार रात जीत के फ्लैट में पार्टी चल रही थी, जिसमें राहुल भी मौजूद था. पार्टी के दौरान कुछ लोग छत पर शराब पी रहे थे और विवाद के बाद फायरिंग हुई. पड़ोसियों ने आधी रात के आसपास तीन राउंड की गोलीबारी सुनी. गोली चलने के बाद वहां मौजूद लोग मौके से फरार हो गए. राहुल के भाई और मां मौके पर पहुंचे और उन्हें रक्तरंजित स्थिति में पाया. गंभीर रूप से घायल जीत को भी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया. जित का इलाज चल रहा है. पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद पाटुली थाने और लालबाजार हॉमिसाइड विभाग की टीम को घटनास्थल पर भेजकर जांच शुरू कर दी. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जीत के खिलाफ पुलिस के पास पहले से कई शिकायतें दर्ज हैं और वह विभिन्न असामाजिक गतिविधियों में शामिल रहा है. कुछ स्थानीय निवासी दावा करते हैं कि वह 101 नंबर वार्ड के तृणमूल कांग्रेस के काउंसिलर के करीबी थे. विवाद के कारण पुलिस के रिकॉर्ड में कई बार उन्हें गिरफ्तार भी किया गया. प्रारंभिक जांच में पुलिस का अनुमान है कि फायरिंग दो समूहों के बीच सिंडिकेट और धन के वितरण को लेकर हुए विवाद के चलते हुई. इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके नाम दीप राय, विधान बंद्योपाध्याय, राजा बनिक और जयंत घोष शामिल हैं.

बंगाल जीतने को एवीएम हैक करने की कोशिश कर रही है भाजपा व चुनाव आयोग : सायोनी घोष

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के लिए चुनाव आयोग ईवीएम हैक करने की कोशिश कर रही है. गुरुवार को जादवपुर स्थित तृणमूल भवन में सभा को सम्बोधित करते हुए तृणमूल सांसद सायोनी घोष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए यह बातें कही. इस दौरान उनके साथ प्रदेश के शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु भी थे. भाजपा पर आरोप लगाते उन्होंने कहा कि जब हमें धमकाकर या एजेंसियों का इस्तेमाल करके नहीं रोका जा सका तो अब वे ईवीएम हैक करने की कोशिश कर रहीहै. साथ ही, उन्होंने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के तबादले का भी विरोध किया. सायोनी घोष ने कहा कि चुनाव आयोग असल में भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है. राज्य के करीब 73 रिटर्निंग ऑफिसर, जिनमें राज्य पुलिस के डीजी, एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) और कई उच्च अधिकारी शामिल हैं, रातों-रात ट्रांसफर कर दिए गए हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के चुनाव अधिकारियों को जानबूझकर भाजपा के कहने पर हटाया जा रहा है.

टीएमसी विधायक स्वर्णकमल साहा की बीजेपी नेता प्रियंका टिबरेवाल पर 'अश्लील' टिप्पणी से बवाल

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के रण में जुबानी जंग का स्तर बहुत गिर गया है. कोलकाता के एंटाली विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस के विधायक और प्रत्याशी स्वर्णकमल साहा विवादित बयान देकर चौतरफा घिर गये हैं. उन्होंने भाजपा की महिला उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल के खिलाफ कथित तौर पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की है. इस घटना के बाद भाजपा ने टीएमसी पर 'महिला विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावों और भाजपा के आरोपों के अनुसार, स्वर्णकमल साहा ने प्रियंका टिबरेवाल के उपनाम का मजाक उड़ाते हुए उनकी तुलना 'ट्यूबवेल' से कर दी. उन्होंने कथित तौर पर कहा कि पहले यह पानी देता था, लेकिन अब यह सूख गया है और इसे दबाने से भी कुछ नहीं निकलता. भाजपा ने इस बयान को 'सेक्सिस्ट' और 'भद्दा' करार दिया है. पार्टी का कहना है कि एक महिला उम्मीदवार के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल टीएमसी की मानसिकता को दर्शाता है. इस विवादित टिप्पणी के बाद भाजपा ने टीएमसी को मिजोजिनिस्ट (महिला द्वेषी) बताते हुए घेरा है. भाजपा का दावा है कि बंगाल की महिलाएं भाजपा के समर्थन में एकजुट हो रही हैं, जिससे टीएमसी नेता बौखला गये हैं. भाजपा ने इस बयान के बाद बंगाल की चीफ मिनिस्टर ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा. कहा कि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दुष्कर्म जैसी घटनाओं के लिए महिलाओं को ही जिम्मेदार ठहराने के आरोप लग चुके हैं. रिपोर्ट लिखे जाने तक टीएमसी या स्वर्णकमल साहा की ओर से इस बयान पर कोई माफी या स्पष्टीकरण नहीं आया है. एंटाली में हुई इस घटना ने महिला सुरक्षा और सम्मान को चुनाव का मुख्य मुद्दा बना दिया है. भाजपा इस 'अश्लील' टिप्पणी के मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करा सकती है. पार्टी का कहना है कि सत्तारूढ़ दल टीएमसी ने चुनाव प्रचार के दौरान शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दी.

वोटर सूची में गड़बड़ी होने पर निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं : मोहम्मद सलीम

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीपीआई (एम) के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने गुरुवार को आरोप लगाया कि अगर वोटर सूची सही नहीं है तो निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराना संभव नहीं है. उन्होंने यह बात अलीमुद्दीन स्ट्रीट, कोलकाता स्थित अपने पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में कही. इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाए. सलीम ने कहा कि नागरिकों के वोट का अधिकार सुरक्षित रखने के लिए वोटर सूची का सटीक होना अत्यंत आवश्यक है. उनका आरोप है कि चुनाव आयोग इस दिशा में पर्याप्त और जिम्मेदार कदम नहीं उठा रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए इस मुद्दे पर व्यापक विरोध और जागरूकता होनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था के रूप में चुनाव से पहले वोटर अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने का दायित्व निभाए, यह तो सामान्य अपेक्षा है. लेकिन वास्तव में कई असंगतियां देखी जा रही हैं. इसके साथ ही सलीम ने आरएसएस और भाजपा पर लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत तानाशाही मानसिकता अपनाने और विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप भी लगाया.

मोदी सरकार वास्तविकता से कटी हुई है, एलपीजी की कमी को स्वीकार नहीं कर रही: सागरिका घोष

कोलकाताः राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता सागरिका घोष ने गुरुवार को सरकार पर एलपीजी की कमी को स्वीकार न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार वास्तविकता से कटी हुई है और नागरिकों की चिंताओं को दूर करने का प्रयास नहीं कर रही है. घोष ने आरोप लगाया कि सरकार संकट का दोष और बोझ आम जनता पर डालने की कोशिश कर रही है. तृणमूल सांसद ने कहा, नरेन्द्र मोदी सरकार वास्तविकता से पूरी तरह से कटी हुई है. देश भर में, छोटे भोजनालय, रेस्तरां, लघु उद्योग, अनौपचारिक क्षेत्र तथा श्रमिक, गृहिणी, वरिष्ठ नागरिक और छात्र, सभी एलपीजी गैस की इस गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा, लेकिन मोदी सरकार इस वास्तविकता को स्वीकार करने को बिल्कुल तैयार नहीं है. वह कह रही है, घबराइए मत. जैसे कि इस आपात स्थिति में घबराने के लिए नागरिक ही जिम्मेदार हों. उन्होंने कहा कि लोगों का घबराना जाहिर है. घोष ने कहा कि सरकार ने आवश्यक सामग्री का भंडारण क्यों नहीं किया. तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सवाल किया, बेशक, एलपीजी नहीं मिल सकने और इसकी कमी की आशंका होने पर नागरिक घबरा जाएंगे. सरकार ने एलपीजी का भंडारण क्यों नहीं किया है? एलपीजी संकट से निपटने के लिए कोई उचित कार्य योजना क्यों नहीं है? उन्होंने पूछा, अगर लोग घर पर खाना नहीं बना पा रहे हैं, अगर रेस्तरां और छोटे भोजनालय भोजन नहीं दे पा रहे हैं, तो इसका क्या मतलब है? घोष ने कहा कि यह सिर्फ कमी की बात नहीं है, बल्कि ''नरेन्द्र मोदी सरकार की चौतरफा विफलता है जो अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है. तृणमूल ने बुधवार को मोदी सरकार द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा के लिए बुलाई गई बैठक में भाग नहीं लिया. पार्टी ने इसे लेकर यह सवाल किया कि जब संसद का सत्र जारी है तो सदन में चर्चा क्यों नहीं हो रही है और बैठक सम्मेलन कक्ष में क्यों की जा रही है. पश्चिम एशिया की स्थिति पर राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य के बाद, उच्च सदन में विपक्ष को प्रश्न पूछने की अनुमति न दिये जाने पर घोष ने आपत्ति जताई थी.

कालबैशाखी की चेतावनी, 60 किमी रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं

कोलकाताः भीषण गर्मी के बीच राज्य में मौसम ने राहत के संकेत दिए हैं. मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में कालबैशाखी (आंधी-तूफान) के साथ तेज बारिश की संभावना है. इसके साथ ही तेज हवाएं और वज्रपात भी हो सकता है. गुरुवार को भी राज्य के कुछ इलाकों में छिटपुट बारिश और गरज-चमक के आसार जताए गए हैं. मौसम विभाग के मुताबिक, इस वर्ष फरवरी से ही तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे लोगों को सुबह के समय भी उमस और गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि, बीच-बीच में हो रही हल्की बारिश से कुछ राहत मिल रही है. पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिण बंगाल के पांच जिलों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, साथ ही वज्रपात और ओलावृष्टि की भी संभावना है. शनिवार को भी पुरुलिया, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पश्चिम बर्धमान के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है. वहीं, कोलकाता समेत अन्य जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. उत्तर बंगाल के जिलों में भी बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है. मौसम विभाग ने बताया कि रविवार दोपहर के बाद धीरे-धीरे मौसम में बदलाव आएगा और स्थिति सामान्य होने लगेगी. फिलहाल लोगों को वज्रपात और तेज हवाओं के मद्देनजर सतर्क रहने की सलाह दी गई है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

पर्व-त्योहारों को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस, डीआईजी ने की सुरक्षा समीक्षा

जमशेदपुर : आगामी पर्व और जुलूसों को लेकर शहर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एसटीएफ के डीआईजी इंद्रजीत गुरुवार को जमशेदपुर पहुंचे। उन्होंने जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून-व्यवस्था की स्थिति की गहन समीक्षा की। बैठक में सीनियर एसएसपी, सिटी एसपी और ग्रामीण एसपी सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। डीआईजी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, गश्त बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ झंडा जुलूस के निर्धारित मार्ग का निरीक्षण किया और संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया। डीआईजी ने निर्देश दिया कि सभी रूटों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए तथा सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी रखी जाए। साथ ही क्विक रिस्पांस टीम को भी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहने को कहा गया। पुलिस प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे आपसी भाईचारा बनाए रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें, ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

गवरजा गीतमाला – आनन्द पर्व मनाओ, गौरी पूजन का शुभ दिन आया है में श्रद्धालु भाव विभोर

कोलकाता : श्री श्री बलदेवजी गवरजा सेवा ट्रस्ट के कस्तूरी जयंती महोत्सव में बलदेवजी मन्दिर प्रांगण में खुशी लिये गौरी पूजन का शुभ दिन आया है एवम् कस्तूरी महकी इणबार, के नाचो गाओ सारे इणबार तथा सारी मंडली देवे बधाई, आनन्द पर्व मनाओ एवम् गवरजा गीतों से सभी भाव विभोर हो गये । गणगौर के भक्ति भजनों से गवरजामय, भक्तिमय वातावरण में इस वर्ष श्री श्री बलदेवजी गवरजा सेवा ट्रस्ट का कस्तूरी जयंती महोत्सव मनाया जा रहा है । संस्था के ट्रस्टी श्याम नारायण डागा, मूलचंद राठी, गोपाल दास डागा, अशोक डागा, लक्ष्मण राठी, अध्यक्ष रमेश दमानी, संयोजक प्रमोद डागा, माणिक लाल दमानी, श्रीलाल मोहता, बसन्त डागा, इन्द्र कुमार बागड़ी, जयकिशन राठी, विजय सादानी, विकास दुजारी, बल्लभ डागा, राजीव डागा, महेश दमानी, राहुल मोहता, मनमोहन बागड़ी, जगदीश बागड़ी, सम्मिलित सभा के प्रतिनिधि उमेश बागड़ी, चन्द्रू दमानी, श्रीबल्लभ दुजारी एवम् कार्यकर्ता कस्तूरी जयंती महोत्सव की सफलता के लिए सक्रिय हैं । प्रमोद डागा ने सभी गवरजा मंडलियों के पदाधिकारियों एवम् कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा आयोजन का उद्देश्य सामाजिक एकता और युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परम्परा के प्रति जागरूक करना है । रामनारायण डागा, बसन्त मोहता, हरि चांडक, बल्लभ पचीसिया, आनन्द डागा, योगेश सोनी, गिरिराज झवर मुकेश बागड़ी, गौरव झवर, सुशील मूंधड़ा, नीरज सिंघी, गोपी मूंधड़ा, हर्षित सादानी, सुनील मूंधड़ा, वन्दना सादानी, विभा डागा, सविता चांडक, गरिमा कोठारी एवम् कार्यकर्ता गवरजा गीतमाला एवम् धार्मिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे ।

एसपी ने राधानगर थाना का किया निरीक्षण, पुलिस पदाधिकारियों को दिए निर्देश

उधवा : राधानगर थाना परिसर में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने रामनवमी पर्व को लेकर पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में आगामी त्योहार के मद्देनजर विधि-व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।साथ ही क्षेत्र में फ्लैग मार्च भी किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरतने पर भी जोर दिया गया। एसपी ने कहा कि सीमा से सटे इलाकों में सघन वाहन जांच, गश्ती और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अवांछित घटना पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शांति समिति के सदस्यों और आम नागरिकों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे किसी भी अफवाह या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखने को कहा गया।आमजनों से अपील करते हुए कहा कि रामनवमी का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं तथा किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। बैठक में मौजूद पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।वहीं पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी और गश्ती अभियान जारी रहेगा।मौके पर एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित अन्य मौजूद थे।

रामनवमी के झंडे को लेकर विवाद, पुलिस-जनता आमने-सामने

जलपाईगुड़ी : जिले के राजगंज के बेलाकोबा इलाके में रामनवमी के झंडे लगाने को लेकर पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच टकराव की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में तनाव फैल गया।स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बेलाकोबा के बटतला मोड़ पर रामनवमी के मौके पर गुरुवार दोपहर झंडा लगाने का काम शुरू किया गया था। इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने इसे रोकने की कोशिश की, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। देखते ही देखते लोगों का गुस्सा बढ़ गया और उन्होंने पुलिसकर्मी को घेरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति कुछ समय के लिए काफी तनावपूर्ण हो गई। सूचना पाकर बेलाकोबा चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। प्रदर्शन का सामना कर रहे पुलिसकर्मी को सुरक्षित वहां से निकाल लिया गया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन घटना को लेकर इलाके में चर्चा और हलचल बनी हुई है।

जिला प्रशासन अलर्ट, अश्लील गानों, सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर

पाकुड़: रामनवमी पर्व के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजन को लेकर जिला प्रशासन अपने कमर कस ली है। पर्व के मद्देनजर विधि- व्यवस्था के सफल संधारण हेतु जिला स्तरीय पदाधिकारियों, सभी थाना प्रभारियों, बीडीओ - सीओ, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग रविन्द्र भवन में उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी द्वारा की गई। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपनी ड्यूटी स्थल पर समय से पूर्व पहुंचना सुनिश्चित करें। सभी स्थलों पर सीसीटीवी, संचार व्यवस्था एवं आवश्यक उपकरण पूरी तरह कार्यरत रहें। संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी एवं ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी। सभी अखाड़ों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी तथा सोशल मीडिया पर सतत निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जुलूस का निर्धारित मार्ग ही मान्य होगा।प्रत्येक जुलूस में मेडिकल किट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा बीडीओ -- सीओ एवं थाना प्रभारी अपने-अपने सूचना तंत्र को सक्रिय रखें। उपायुक्त ने आमजनों से अपील किया कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि कोई संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति नजर आए, तो तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा थाना को सूचित करें।उन्होंने कहा कि आपत्तिजनक एवं अश्लील गानों के प्रसारण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि द्विवेदी ने कहा कि रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जनआस्था का प्रतीक है, जो हमें अनुशासन एवं संयम का संदेश देता है।
सभी पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें । उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि वे किसी भी सूचना को सत्यापन के बिना प्रसारित न करें।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रामनवमी के दौरान सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है।मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ एवं महेशपुर, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी, प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी उपस्थित थे।

शिसामारा नदी का बढ़ता जलस्तर, टूटे बांध और वादों से नाराज़ लोगों का वोट बहिष्कार

अलीपुरद्वार : शालकुमारहाट इलाके में लगातार हो रही बारिश के चलते शिसामारा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे नदी किनारे रहने वाले लोगों में डर का माहौल बन गया है। नाराज़ लोगों ने जिस वजह से वोट बहिष्कार का मन बना लिया है।स्थानीय लोगों को पिछले साल पांच अक्टूबर की भयावह बाढ़ की याद सता रही है, जब नदी का बांध टूट गया था और डोलोमाइट मिला गंदा पानी घरों और सुपारी के बागानों को डुबो गया था।हैरानी की बात यह है कि करीब छह महीने बीतने के बावजूद अब तक नया बांध तैयार नहीं हुआ है। जैसे गांवों में लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। चुनावी माहौल के बीच भी अब तक किसी भी राजनीतिक दल का उम्मीदवार इलाके का दौरा करने नहीं पहुंचा है।

साहिबगंज व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना से कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न

साहिबगंज : गुरुवार को साहिबगंज व्यवहार न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना से कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11:30 बजे के बाद यह मामला सामने आया, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था तत्काल सख्त कर दी गई।धमकी की सूचना मिलते ही न्यायालय परिसर में मौजूद सभी न्यायिक पदाधिकारी एवं अधिवक्ता एहतियातन कोर्ट भवन से बाहर निकल आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई।सूचना मिलते ही उपयुक्त हेमंत सती, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह स्वयं न्यायालय परिसर पहुंचे और कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय से मुलाकात कर स्थिति की जानकारी ली। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी न्यायिक पदाधिकारियों को तत्काल भवन से बाहर रहने का निर्देश दिया गया।इसके उपरांत पुलिस द्वारा न्यायालय परिसर की सघन जांच-पड़ताल प्रारंभ कर दी गई। प्रशासन ने आम जनता से अपील की हे कि वे अफवाहों पर ध्यान न दे ओर शांति बनाए रखे।फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही हे,लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके में सतर्कता बरती जा रही हे,यह घटना एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हे,वहीं प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने संभावित खतरे को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हे।पुलिस उपाधीक्षक विजय कुशवाहा समेत जिले के विभिन्न थानों के प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर तलाशी अभियान चलाया गया।
पुलिस प्रशासन द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है।
धमकी किस माध्यम से दी गई तथा इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

संवेदनशील गांवों में पुलिस और केंद्रीय बलों की गश्त

झाड़ग्राम : आगामी चुनावों के मद्देनज़र पश्चिम मेदिनीपुर के जामबनी क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त रूप से रूट मार्च किया। सुबह लगभग छह बजे शुरू हुए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बल भेदाकुई, जामबनी, पलाशबनी और बड़शोल जैसे संवेदनशील गांवों में पहुंचे और इलाके की विभिन्न सड़कों पर गश्त की।रूट मार्च में थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और केंद्रीय बल के जवान मौजूद रहे। सुरक्षा बलों ने गांव-गांव घूमकर स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही ग्रामीणों से शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार के डर या बाहरी दबाव के बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई।पुलिस प्रशासन के अनुसार, आगामी चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत नियमित गश्त, रूट मार्च और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त निगरानी की व्यवस्था की गई है।

राजमहल स्थित न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित

साहिबगंज :गुरुवार को राजमहल स्थित अनुमंडलीय न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. इस घटना के सामने आते ही राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी,और राजमहल थाना प्रभारी हसनैन हुसैन एवं पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी,राजमहल थाना प्रभारी हसनैन हुसैन और सुरक्षा एजेंसियां तत्काल सक्रिय हो गईं और बिना किसी देरी के राजमहल पूरे कोर्ट परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया.अधिकारियों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया. इन टीमों ने राजमहल न्यायालय परिसर के हर कोने की बारीकी से जांच की. संदिग्ध वस्तुओं की पहचान के लिए आधुनिक उपकरणों और तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल किया गया. हालांकि शुरुआती जांच में किसी भी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है, जिससे राजमहल प्रशासन और आम लोगों को कुछ राहत जरूर मिली है. बावजूद इसके, सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की लापरवाही बरतने के पक्ष में नहीं हैं और पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी बनाए रखी गई है.एहतियात के तौर पर राजमहल कोर्ट परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है. मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर अंदरूनी हिस्सों तक हर जगह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है. परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन जांच की जा रही है और बिना वैध पहचान पत्र के किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है. इसके अलावा, आसपास के इलाकों में भी गश्त बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके.पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी किस माध्यम से दी गई, इसकी जांच तेजी से की जा रही है. तकनीकी टीमों को भी इस काम में लगाया गया है, जो कॉल, मैसेज या अन्य माध्यमों के जरिए धमकी देने वाले की पहचान करने में जुटी हैं. राजमहल अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी तक पहुंचने की उम्मीद है.राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें. फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके में सतर्कता बरती जा रही है. यह घटना एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है, वहीं प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने संभावित खतरे को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.फोटो न

रामनवमी की तैयारी पूरी, केसरिया रंग में रंगा पाकुड़

पाकुड़: रामनवमी को लेकर पूरे जिले में तैयारियां चरम पर पहुंच गई हैं। शहर के हनुमान मंदिरों से लेकर बाजार और मुख्य सड़कों तक केसरिया झंडों की छटा बिखर गई है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उत्साहपूर्ण हो उठा है। 27 मार्च को शहर के विभिन्न हिस्सों से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान महावीरी झंडों के साथ गाजे-बाजे की धुन पर युवाओं द्वारा पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया जाएगा, जो आकर्षण का केंद्र रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह सेवा शिविर भी लगाए जा रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर झांकियों की तैयारी भी जोर-शोर से चल रही है। विभिन्न अखाड़ा समितियों द्वारा निकाले जाने वाले जुलूस में पारंपरिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ आकर्षक झांकियां लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगी। इस बार जुलूस में महिलाओं की भागीदारी भी खास रहेगी, जो भवानी स्वरूप में पूरे उत्साह के साथ शामिल होंगी। प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी समितियों ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। इधर, शहर के बजरंगबली मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है और कई स्थानों पर भजन-कीर्तन व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। पूरे जिले में रामनवमी को लेकर आस्था, उत्साह और उमंग का माहौल साफ तौर पर देखने को मिल रहा है।

पाकुड़ के 6 खिलाड़ी चयनित

पाकुड़: राज्य स्तरीय खेल प्रतिभा चयन ट्रायल 2025-26 के आधार पर पाकुड़ जिले के छह प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन झारखंड राज्य खेल प्रमोशन सोसाइटी, खेलगांव, रांची स्थित आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के लिए किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में देव कुमार यादव (कुश्ती), विजय पहाड़िया (कुश्ती), बामना पहाड़िया (कुश्ती), मिथुन पहाड़िया (कुश्ती), शशि पहाड़िया (कुश्ती), याशना श्री (बैडमिंटन - बालिका) शामिल है। ये सभी चयनित खिलाड़ी अंडर-14 आयु वर्ग के प्रशिक्षु हैं, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर यह उपलब्धि हासिल की है।

विद्यालय में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

पाकुड़: स्थानीय विद्यालय डीएवी पब्लिक स्कूल, गोकुलपुर पाकुड़ के प्रांगण में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम प्रदर्शन का आयोजन किया गया एवं शैक्षणिक सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा परिणाम पत्र का वितरण किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने विद्यालय परिवार के साथ संयुक्त रूप से वैदिक मंत्रोच्चार एवं गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले टॉपर्स विद्यार्थियों को उनके अभिभावकों के संग विद्यालय में परीक्षा परिणाम पत्र प्रदान किया गया। प्राचार्य डॉ चक्रवर्ती ने कहा कि अभिभावकों से बच्चों के प्रति सकारात्मक सोच रखने, उनके भावों का आदान प्रदान करने और उन्हें एक जिम्मेदार अभिभावक होने का एहसास दिलाने की अपील की। अभिभावकों ने भी विद्यालय प्रबंधन परिवार को कई प्रकार के व्यक्तिगत सुझाव दिए।इस संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों की शैक्षणिक प्रगति साझा करना तथा विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय करना था। कक्षा एल के जी से नवम एवं ग्यारहवीं तक के बच्चों का वार्षिक परिणाम प्रदर्शित किया गया एवं अभिभावकों से विचार विमर्श कर सुझाई आमंत्रित किया गया।

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम की दिशा में बड़ा कदम

पाकुड़:सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए पाकुड़ जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 11 हजार बच्चियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है. इसको लेकर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्री मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई.बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रखंड से सीआरपी को नोडल पदाधिकारी तथा प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक को नोडल बनाया जाए, ताकि टीकाकरण अभियान का सफल संचालन सुनिश्चित किया जा सके. 1 अप्रैल से अभियान की शुरुआत, 3 माह तक चलेगा कैंप मोड मेंबैठक में जानकारी दी गई कि एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीका सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में प्रभावी है. प्रथम चरण में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष से कम आयु की बच्चियों को प्राथमिकता दी जाएगी. यह अभियान 01 अप्रैल से प्रारंभ होकर प्रारंभिक तीन माह तक कैंप मोड में संचालित किया जाएगा.**सुरक्षित और प्रभावी है एचपीवी टीका:-उपायुक्त**एचपीवी टीका सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करने का एक सुरक्षित एवं प्रभावी माध्यम है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत बच्चियों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने तैयारियों की समीक्षा करते हुए प्रशिक्षण, कोल्ड चेन, माइक्रो प्लानिंग, मॉनिटरिंग, लॉजिस्टिक्स, इंजेक्शन सेफ्टी एवं जागरूकता अभियान जैसे सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.**जागरूकता और समन्वय पर विशेष जोर:**उपायुक्त ने स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया. साथ ही एचपीवी टीकाकरण को लेकर फैली भ्रांतियों एवं आशंकाओं को दूर करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने को कहा.

सदर अस्पताल व सभी सीएचसी में 30 मार्च से निःशुल्क लगाया जाएगा एचपीवी टीका

धनबाद : ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए एचपीवी टीकाकरण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को तैयार करता है। यह एक 'कैंसर-निवारक' वैक्सीन है, जो वायरस के संक्रमण को होने से पहले ही रोकता है।
उपरोक्त बातें सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता में मीडिया को बताई। उन्होंने कहा कि 30 मार्च 2026 से जिले के सदर अस्पताल एवं सभी आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अभियान की शुरुआत होगी, जो 29 जून 2026 तक चलेगा। इसमें जिले की 14 वर्ष से अधिक एवं 15 वर्ष से कम आयु की 31000 बच्चियों को टीका देने का लक्ष्य है।
उन्होंने इस आयु वर्ग की बच्चियों के अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण टीका है, जो ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव करता है। यह वायरस सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) सहित अन्य जननांग कैंसर और मस्सों का मुख्य कारण है। यह लड़कियों के लिए अत्यधिक अनुशंसित है और यौन रूप से सक्रिय होने से पहले लगवाना सबसे प्रभावी है। यह टीका शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को एचपीवी संक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार करता है। यह एक 'कैंसर-निवारक' वैक्सीन है, जो वायरस के संक्रमण को होने से पहले रोकता है।
पत्रकार वार्ता में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के एसएमओ डॉ दीपक कुमार ने बताया कि यह टीका बहुत सुरक्षित है और इसके साइड इफेक्ट्स बहुत कम या न के बराबर हैं। यह टीका एचपीवी संक्रमण होने के बाद काम नहीं करता है, इसलिए इसे यौन रूप से सक्रिय होने से पहले लगवाना ही हितकारी है। टीका लगवाने के लिए यू-वीन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना है। तत्पश्चात टीका लेने के लिए सदर अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आना है। उन्होंने बताया कि यह वैक्सीन काफी महंगा है। बाहर लगाने से इसके 2 डोज लेने पड़ते हैं। जबकि सरकार ने इसे निःशुल्क उपलब्ध कराया है। 14 वर्ष से अधिक तथा 15 वर्ष से कम आयु की बच्चियों को टीका एक डोज लगाया जाएगा।
बताया कि अध्ययन दर्शाते हैं कि एचपीवी टीका अत्यधिक प्रभावी और इम्यूनोजेनिक होते हैं। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में इनकी प्रभावशीलता 93-100% होती है। वैक्सीन प्रजनन क्षमता तथा मासिक धर्म चक्र पर भी कोई असर नहीं डालती है। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, डॉ रोहित गौतम, डॉ दीपक कुमार, डीपीएम श्रीमती प्रतिमा कुमारी मौजूद थे।

न्यूज कॉर्नर

मगध सम्राट, चक्रवर्ती महाराजाधीराज अशोक की जयंती मनाई गई

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : मगध सम्राट, चक्रवर्ती महाराजाधीराज अशोक की जयंती काँग्रेस पार्टी के नेताओं- कार्यकर्ताओं ने शहर के स्थानीय चौक स्थित इंदिरा गांधी प्रतिमा स्थल प्रांगण में गुरुवार को मनाई गई।सर्वप्रथम सम्राट अशोक के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।जयंती कार्यक्रम में शामिल बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला काँग्रेस अध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, प्रद्युम्न दुबे विपिन बिहारी सिन्हा, टिंकू गिरी, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, विनोद बनारसी, अमरजीत कुमार, अशोक राम, राहुल चंद्रवंशी, रूपेश चौधरी, आदि ने कहा कि महान अशोक के नाम से प्रसिद्ध लगभग 268 ईशा पूर्व से अपनी मृत्यु तक मगध के सम्राट और मौर्य वंश के तीसरे शासक थे।उनका साम्राज्य भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में फैला हुआ था, जो पश्चिम में वर्तमान अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में बांग्लादेश तक था, जिसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी। सम्राट अशोक बौद्ध धर्म के संरक्षक के रूप में, उन्हें प्राचीन एशिया में बौद्ध धर्म के प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय इन्हीं को दिया जाता है।भारत देश का प्रतीक चिन्ह अशोक स्तंभ के ऊपर चार शेर है जिसका मुख चारों दिशाओं की ओर है, इन शेरों को चतुर्मुख कहा जाता है, ये शेर शक्ति, साहस, आत्मविश्वास और गौरव को दर्शाते हैं, इस स्तंभ के नीचे घोड़ा और बैल और बीच में धर्म चक्र है, अशोक स्तंभ के आधार से अशोक चक्र को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के केंद्र में रखा गया है।नेताओं ने कहा साहस का सम्मान अशोक चक्र इस वर्ष 2026 में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति ने भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभाशु शुक्ला को प्रदान किया गया है।

कमिश्नर ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी में रामनवमी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। त्योहार के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मूड में है। इसी क्रम में सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर सैयद वकार रजा ने गुरुवार को शहर के विभिन्न संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने एनटीएस मोड़, हाशमी चौक, इस्कॉन मोड़ और अन्य महत्वपूर्ण जगहों का दौरा कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया।पुलिस कमिश्नर ने कहा कि त्योहार के दौरान आम लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए हर स्तर पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

नदिया में चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

शांतिपुर, नदिया : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की आहट के बीच नदिया जिले में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक बड़ा झटका लगा है। शांतिपुर ब्लॉक के आरबांदी 2 ग्राम पंचायत इलाके में लगभग 200 परिवारों ने बीजेपी का साथ छोड़कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थाम लिया है। रानाघाट उत्तर-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार तापस घोष के समर्थन में आरबांदी बाजार इलाके में एक कार्यकर्ता सभा का आयोजन किया गया था। इसी सभा के दौरान भूतपाड़ा, पाबनापाड़ा, दुर्लभपाड़ा और बाथनगाछी कुश्तिया जैसे इलाकों से आए सैकड़ों बीजेपी कार्यकर्ताओं और आदिवासी समुदाय के लोगों ने औपचारिक रूप से तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।बीजेपी छोड़कर टीएमसी में शामिल हुए कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए काम करने के बावजूद उनके क्षेत्र में विकास का कोई काम नहीं हुआ। उन्हें केवल आश्वासन दिए गए, लेकिन धरातल पर स्थिति जस की तस रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जनहितकारी योजनाओं और विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने पाला बदलने का निर्णय लिया है।पार्टी का झंडा थमाते हुए तापस घोष ने कहा:बीजेपी ने इन इलाकों के लोगों को केवल झूठे सपने दिखाए हैं। कुप्रबंधन और विकास की कमी के कारण आज लोग तृणमूल के साथ जुड़ रहे हैं। इस बड़े दलबदल से हमारी स्थिति और मजबूत हुई है और हम इस सीट पर बीजेपी को 50 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराएंगे।नये शामिल हुए सदस्यों ने संकल्प लिया है कि वे आगामी चुनावों में इस विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल कर मुख्यमंत्री को उपहार स्वरूप भेंट करेंगे।

चुनाव 26 : चाय श्रमिकों के बीच पहुंचीं तृणमूल उम्मीदवार, पुराने दिनों को किया याद

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी महकमा के खोरीबाड़ी के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र पानीटंकी में तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार रीना टोप्पो एक्का ने चुनावी अभियान की शुरुआत मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ की है।गुरुवार को पानीटंकी स्थित शिव मंदिर में पूजा करने के बाद उन्होंने एक दुर्घटना में घायल युवक से मुलाकात की और उसका हालचाल जाना। हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।रीना टोप्पो एक्का ने सीमा इलाके के सतीशचंद्र चाय बागान में पहुंचकर चाय श्रमिकों से जनसंपर्क किया। खास बात यह रही कि एक समय खुद चाय श्रमिक रह चुकीं उम्मीदवार को इस दौरान चाय की पत्तियां तोड़ते हुए भी देखा गया।चाय बागान के श्रमिकों से समर्थन मांगते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के विकास कार्यों को देखते हुए इस बार जनता उनका साथ देगी। उन्होंने अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें प्रचार के दौरान अच्छा जनसमर्थन मिल रहा है।

लायन सफारी का इंतज़ार जारी, बंगाल सफारी में अधूरी उम्मीदों के साथ लौट रहे पर्यटक

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के बंगाल सफारी में लायन सफारी को लेकर पर्यटकों में भारी उत्साह है, लेकिन प्रशासनिक अड़चनों के कारण यह अब तक शुरू नहीं हो पाया है।पर्यटक बाघ, भालू और गैंडे जैसे वन्यजीवों को देखने के लिए सालभर बंगाल सफारी पहुंचते हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से सबसे बड़ा आकर्षण प्रस्तावित लायन सफारी बना हुआ है। इसके बावजूद सफारी शुरू न होने से पर्यटकों को निराश होकर लौटना पड़ रहा है।मिलीजानकारी के मुताबिक, लायन सफारी के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और एनक्लोजर पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन सेंट्रल जू अथॉरिटी की अंतिम मंजूरी अभी तक नहीं मिली है। नियमों के तहत नए जानवर लाने या सफारी शुरू करने से पहले इस केंद्रीय संस्था की अनुमति अनिवार्य होती है।बंगाल सफारी के निदेशक विजय कुमार ने बताया कि सफारी की आकर्षण बढ़ाने के लिए नए जानवर लाने का प्रस्ताव भेजा गया है, लेकिन फिलहाल मंजूरी का इंतजार है। इस समय पहाड़ और डुआर्स क्षेत्र में पर्यटकों की अच्छी-खासी भीड़ है। कई लोग लायन सफारी की उम्मीद में यहां आ रहे है, लेकिन उन्हें केवल एनक्लोजर से ही शेर देखना पड़ रहा है।वहीं, पर्यटकों ने कहा कि हम कई महीनों से लायन सफारी के बारे में सुन रहे थे। लगा था कि शुरू हो चुका होगा, लेकिन यहां आकर पता चला कि अभी चालू नहीं हुआ है, जिससे निराशा है।

बाइक की टक्कर से महिला की हुई मौत

आरोपी के घर पर 300 लोग पहुंचे:2 गांव के बीच चले लाठी-डंडे

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के बेलागंज के बेल्हाड़ी नहर के पास गुरुवार को सुबह सड़क हादसा हुआ।इसमें महिला की मौत हो गई। इस मामले में देर शाम जमकर बवाल हुआ।मृतिका पक्ष के गांव के लोग करीब 300 की संख्या में आरोपी के गांव पर पहुंच गए।दोनों गांव के बीच जमकर लाठी डंडे चले।रोड़ेबाजी भी हुई।मृतका के शव को आरोपी के घर के सामने रखकर जमकर बवाल काटा।दोनों गांव के बीच जमकर लाठी डंडे चले।रोड़ेबाजी भी हुई।बवाल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला को शांत कराया। लोकल प्रशासन की ओर से तत्काल राहत के तहत 20 हजार रुपये का चेक व 3 हजार रुपए मृतिका के परिजन को सौंपा गया।इसके बाद मृतिका पक्ष के लोग डेड बॉडी का अंतिम संस्कार के लिए ले गए हैं। फिलहाल गांव में तनाव की स्थिति बनी है।एहतियातन पुलिस गांव में कैम्प कर रही है।पुलिस ने लोगों को शांत कराया।आज सुबह सड़क पार कर रही दो महिलाओं को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी।हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं।इलाज के दौरान एक

महिला की मौत हो गई।दूसरी महिला मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिंदगी और मौत से अब भी जूझ रही है।घटना के बाद ग्रामीणों ने बाइक सवार युवकों की पहचान शंकरपुर गांव के रहने वाले के रूप में की।पहचान होते ही मृत महिला के परिजन आरोपित के घर पहुंचे।यहीं से मामला और बिगड़ गया।परिजनों का आरोप है कि आरोपित पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की।घटना के बाद बेल्हाड़ी रविदास टोला और शंकरपुर गांव के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया। माहौल अचानक गरमा गया।आक्रोशित ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर अपने गांव ले जाने के बजाय सीधे आरोपी के गांव शंकरपुर पहुंच गए।डेड बॉडी को आरोपी के घर के सामने रख कर बवाल करने लगे। आरोपित के घर के सामने शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया गया।देखते ही देखते माहौल गरमा गया।दोनो ओर से लाठियां चलने लगी।एक दूसरे पर रोड़ीबाजी भी होने लगी।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इस बात को लेकर घंटों तक गांव की सड़क पर हंगामा चलता रहा। किसी भी हाल में किसी भी पक्ष के लोग पीछे हटने को तैयार नहीं थे।सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया। मौके पर विधि-व्यवस्था डीएसपी रविप्रकाश सिंह, बीडीओ डॉ. राघवेंद्र कुमार शर्मा, चाकंद थानाध्यक्ष शिवम् कुमार समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।

अतिरिक्त सुरक्षा बल भी लगाया गया।कार्रवाई के भरोसे के बाद लोग शांत हुए। डीएसपी ने बताया कि पीड़ित पक्ष के लोग दुर्घटना से सम्बंधित आवेदन देते हैं तो केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि फिलहाल बाइक सवार आरोपी फरार है अब मामला शांत है। फिर भी शंकरपुर गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।प्रशासन के अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।फिलहाल पूरे इलाके में माहौल संवेदनशील बना हुआ है। दोनों गांवों के बीच तनाव है।प्रशासन की कोशिश है कि हालात जल्द सामान्य हों।

चुनाव प्रचार में शरदेंदु चक्रवर्ती ने झोंकी ताकत

सिलीगुड़ी : आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सिलीगुड़ी में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। माकपा के उम्मीदवार शरदेंदु चक्रवर्ती ने गुरुवार सुबह अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहर के विभिन्न इलाकों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। शरदेंदु चक्रवर्ती ने अपने दिन की शुरुआत सिलीगुड़ी कॉलेज मैदान और बाघाजतीन पार्क में प्रातःभ्रमण (चौपठपस थरश्रङ्ग) करने आए लोगों से बातचीत कर की। उम्मीदवार घोषित होने के बाद से ही वह लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने आम जनता से उनकी समस्याओं और शिकायतों को सुना और उन्हें सुलझाने का भरोसा दिलाया। प्रचार के दौरान मीडिया से बात करते हुए शरदेंदु चक्रवर्ती ने केंद्र की भाजपा सरकार और राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा।विश्वास का संकट: जनता का भरोसा अब टीएमसी और बीजेपी दोनों से उठता जा रहा है।

एनीमिया ग्रसित गर्भवतियों को मिलेगा फेरिक कार्बोसीमाल्टोज इंजेक्शन थेरेपी

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिला में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया यानि खून की कमी की गंभीर स्थिति को दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक नई कवायद शुरू की गयी है।इस कवायद में फेरिक कार्बोसीमाल्टोज इंजेक्शन (एफसीएम) थेरेपी शामिल है।एफसीएम थेरेपी उन गर्भवती महिलाओं के लिए एक सुरक्षा कवच बनेगा जो खून की कमी की वजह से प्रसव के दौरान जोखिम में रहती हैं।

वृहस्पतिवार को जिला सहित राज्य के सभी जिलों में फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज़ थेरेपी अभियान का राज्यस्तरीय शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे द्वारा वीडियो क्रॉफेंसिंग के माध्यम से किया गया।जिला के प्रभावती अस्पताल में वीडियो क्रॉफेंसिंग के माध्यम से शुभारंभ इस अभियान को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान अस्पताल में गर्भवती महिलाओं को एफसीएम थेरेपी भी दी गयी।इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ राजराम प्रसाद तथा डीपीएम सहित अन्य वरीय स्वास्थ्य पदाधिकारी मौजूद रहे।सिविल सर्जन डॉ राजराम प्रसाद ने बताया कि एनीमिया ग्रसित सभी गर्भवती महिलाओं को यह थेरेपी देने के सभी जरूरी इंतज़ाम किये जाने का निर्देश दिया गया है. कहा कि जिला स्वास्थ्य संस्थान जैसे जिला अस्पताल व प्रथम रेफरल इकाई का चयन कर बीस बेड की व्यवस्था की गयी है।बताया कि अभियान की शुरुआत के साथ अस्पताल में 20 एनीमिया ग्रसित गर्भवतियों को एफसीएफ थेरेपी दी गयी।साथ ही आवश्यक दवाई भी मुहैया करायी गयी।इस अभियान की मदद से गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की गंभीर स्थिति से उबार कर सुरक्षित प्रसव कराने में बड़ी मदद मिलेगी। डीपीएम नीलेश कुमार ने बताया कि एफसीएम थेरेपी मेडिकल नजरिए से महत्वपूर्ण थेरेपी है।यह एक सुरक्षित थेरेपी है जिसकी मदद से गर्भवती के शरीर में खून की कमी को पूरा किया जाता है।आयरन की गोलियों के सेवन के बाद भी खून में कमी होने की स्थिति में इस थेरेपी को चिकित्सीय देखरेख में दिया जाता है।

गर्भावस्था के 34 सप्ताह से अधिक हो जाने पर इस थेरेपी का चिकित्सीय परामर्श के साथ दिया जाना है।नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 की रिपोर्ट के मुताबिक जिला में 15 से 49 वर्ष आयुवर्ग की 64 फीसदी गर्भवती महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। हालांकि नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-4 में यह 68 प्रतिशत था।इसमें चार प्रतिशत सुधार देखा गया है लेकिन इसमें और अधिक सुधार लाने की आवश्यकता है।

राज्य में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी ज्यादा है।नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे पांच के आंकड़ों के अनुसार बिहार में लगभग 63 फीसदी गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं।जबकि ग्रामीण इलाकों में यह आंकड़ा 63.0 प्रतिशत है जो राष्ट्रीय औसत 52 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है।

आपसी भाईचारे का मिसाल बना ईद मिलन समारोह

आसनसोल :शहर के रेलपार इलाके में इंटरनेशनल इक्विटेबल ह्यूमन राइट्स सोशल काउंसिल की ओर से ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। संस्था की सिटी उपाध्यक्ष (विमेन विंग) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों, गणमान्य नागरिकों और युवाओं ने भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश देना था।समारोह में सभी समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया गया, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों के लोग शामिल हुए।कलाकारों ने गीत पेश कर समां बांध दिया।इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन संजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे की सीख देता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन समाज में मेल-जोल बढ़ाने और दिलों को जोड़ने में सहायक होते हैं। उन्होंने सभी नगरवासियों को ईद की बधाई देते हुए क्षेत्र में शांति, तरक्की और खुशहाली की कामना की।चेयरमैन संजय सिन्हा ने 15 महिलाओं और 10 कलाकारों को सम्मानित किया।समारोह में संजय सिन्हा के अलावा संस्था के अक्षय गुप्ता,अंजन दे,अरशद करीम आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।। इन सभी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उपस्थित लोगों को ईद की हार्दिक बधाई दी। सभी ने एक स्वर में आपसी एकता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत बनाने पर बल दिया।कार्यक्रम में मिठाइयों और विभिन्न व्यंजनों का इंतजाम किया गया था, जिसका उपस्थित लोगों ने आनंद लिया। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर पुरानी यादें ताजा कीं। अंत में, सभी ने मिलकर देश में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआ की। यह ईद मिलन समारोह आसनसोल क्षेत्र में सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का एक उदाहरण बना।

बीजेपी का अनूठा प्रचार: 'ढाक' की थाप पर जनसंपर्क करने निकले अभिषेक सिंघानिया

मालदा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मालदा जिले के रतुआ विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। यहाँ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अभिषेक सिंघानिया एक बेहद अनूठे और पारंपरिक अंदाज में मतदाताओं के बीच पहुँच रहे हैं। बुधवार को अभिषेक सिंघानिया ने काहाला अंचल के विभिन्न क्षेत्रों में अपना चुनावी दौरा किया। उनके प्रचार की सबसे खास बात यह रही कि वे अपने साथ 'ढाक' (पारंपरिक ढोल) लेकर निकले थे। ढाक की गूँज के साथ उन्होंने प्रत्येक बूथ पर जाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनके साथ सीधा संवाद किया। प्रचार अभियान की शुरुआत उन्होंने गबुआ हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की। मंदिर में माथा टेकने के बाद उन्होंने काहाला अंचल के लगभग चार बूथों पर जाकर सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से उनकी समस्याओं और शिकायतों को सुना और जीतने पर उनके समाधान का भरोसा दिलाया।

अष्टमी गंगा स्नान पर उमड़े हजारों श्रद्धालु

जलपाईगुड़ी : जिले के राजगंज के आमबाड़ी स्थित करतोया नदी में पारंपरिक अष्टमी गंगा स्नान का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ घाट और आसपास के क्षेत्रों में उमड़ पड़ी।सिलीगुड़ी, जलपाईगुड़ी समेत विभिन्न इलाकों से आए भक्तों ने पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

सीयूएसबी के 50 से अधिक छात्रों ने गेट 2026 परीक्षा में मिली सफलता

युवा शक्ति न्यूज

टेकारी(गया): दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के विभिन्न विभागों के 50 से अधिक छात्रों ने फरवरी 2026 में आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित गेट (गेट - ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग) 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त की है.सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार राणा के साथ विभिन्न विभागों के अध्यक्षों एवं संकाय सदस्यों ने सफल छात्रों को बधाई दी है.कुलपति प्रो. के. एन. सिंह ने छात्रों को दिए गए कुशल मार्गदर्शन और मेंटरशिप के लिए शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की.सीयूएसबी के जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने गुरुवार को बताया कि बायोटेक्नोलॉजी विभाग के रिकॉर्ड 15 छात्रों ने गेट 2026 परीक्षा ,में सफलता हासिल की है.विभाग से अमीषा भूषण, सुशांत कुमार, फौजिया अरशद, रम्शा इमाम, शिवानी सिंह, ईशा गर्ग, निधि कुमारी, स्नेहा चंद्रा, बर्नाली पाल, अरित्रा सोंगिरी और बिस्वा रंजन साहू ने बायोटेक्नोलॉजी या लाइफ साइंस श्रेणी में गेट 2026 उत्तीर्ण किया.वहीं बायोटेक्नोलॉजी विभाग से अभितेज कुमार झा, विवेक मिश्रा, अनामिका और रचना त्रिपाठी ने भी परीक्षा में कामयाबी हासिल की है.अमीषा भूषण, निधि कुमारी, अभितेज कुमार झा और अनामिका ने बायोटेक्नोलॉजी तथा लाइफ साइंस दोनों विषयों में गेट 2026 उत्तीर्ण किया है.रक्षा मलिक ने एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बायोमेडिकल रिसर्च एलिजिबिलिटी टेस्ट (डीएचआर - बीआरईटी) 2025 में सफलता प्राप्त की है.

इसके अतिरिक्त आशा राज ने झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से फूड सेफ्टी ऑफिसर पद के लिए योग्यता प्राप्त की है.

बायोटेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार, डीन प्रो. रिजवानुल हक, प्रो. दुर्ग विजय सिंह, डॉ. नीतीश कुमार, डॉ. कृष्ण प्रकाश, डॉ. जावेद अहसन तथा डॉ. प्रतिष्ठा सोनकर ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी.

समाजशास्त्रीय अध्ययन विभाग के शोधार्थी शिवम कुमार ने समाजशास्त्र विषय में गेट 2026 उच्च परसेंटाइल (रैंक 213) के साथ उत्तीर्ण किया है.विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार शर्मा एवं अन्य संकाय सदस्यों ने शिवम को बधाई दी.इसके साथ ही एमएससी स्टेटिस्टिक्स छात्र आदित्य कुमार तथा लाइफ साइंस विभाग के चार छात्रों संगम कुमारी, प्रज्ञा मोहंती, नबरुण कुमार सरकार और स्वाति ने भी इस प्रतिष्ठित राष्ट्र स्तरीय योग्यता परीक्षा में सफलता प्राप्त की है.

अवैध कोयला भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गयी

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले केबाराचट्टी थाना क्षेत्र में अवैध कोयला भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गयी है।24 मार्च दिन मंगलवार की रात्रि में डीएम के निर्देशानुसार खनन विभाग, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बाराचट्टी थाना क्षेत्र के ग्राम चेटिया एवं भलूआ में अवैध कोयला भंडारण स्थलों पर छापेमारी/जांच की गई।जांच के दौरान विभिन्न स्थानों पर भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित कोयला पाया गया।संबंधित व्यक्तियों द्वारा कोई वैध कागजात/परिवहन चालान प्रस्तुत नहीं किया गया।जब्त कोयला लगभग 13,500 घनफीट है।इसके साथ ही वाहन एवं मशीनरी की जब्ती भी की गई।जिसमें 05 हाइवा/लोडर मशीनें जब्त, 07 ट्रक/ट्रेलर बरामदअन्य वाहन (ट्रैक्टर आदि) की जप्ती की गयी है।वाहन चालक कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गए।स्थलों पर लगे बैनरों/सूचनाओं के आधार पर सभी संलिप्त अवैध भंडारणकर्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज की गई।25 मार्च दिन बुधवार को देर रात्रि तक चले विशेष अभियान के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए लगभग 1.5 करोड़(एक करोड़ पचास लाख) की दंड अभिरोपित की गई है।प्रकरण में इन धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की गयी।जिसमें एमएमडिआर एक्ट 1957 की धारा 4(1), 4(1-), 21 बिहार खनिज नियमावली, 2024 का नियम 56, भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराएं हैं।जिला प्रशासन अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध शून्य सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर कार्य कर रहा है।भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

सीयूएसबी के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा विज्ञान में महिलाएं विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

टेकारी(गया) : सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार (सीयूएसबी) के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा विज्ञान में महिलाएँ' विषय पर एक राउंड टेबल चर्चा का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।इस पैनल चर्चा में तीन प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं में डॉ. दास अंबिका भारती, एसोसिएट प्रोफेसर (मनोवैज्ञानिक विज्ञान), डॉ. अमृता श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर (जीव विज्ञान) और डॉ. मौनी रॉय, असिस्टेंट प्रोफेसर (रसायन विज्ञान) ने सक्रिय भागीदारी की।वक्ताओं ने विज्ञान में महिलाओं की यात्रा, ऐतिहासिक पहचान और उसके विकास के प्रमुख पहलुओं पर विस्तृत और सारगर्भित प्रस्तुति दी।डॉ. अंबिका भारती ने कहा कि यद्यपि वर्तमान में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं, लेकिन अतीत में महिलाओं के प्रयासों को अक्सर उचित पहचान नहीं मिलती थी।उन्होंने बाहरी मान्यता के बजाय आत्म-क्षमता और आंतरिक सशक्तिकरण पर जोर दिया।डॉ. अमृता श्रीवास्तव ने अपना प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनका शोध पत्र सफल प्रकाशन से पहले 15 बार अस्वीकृत हुआ था और उन्होंने जहाँ चाह, वहाँ राह की भावना पर बल दिया।साथ ही, उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि यदि वे स्वयं को अटका हुआ महसूस करें, तो अपने पाठ्यक्रम के भीतर विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान कर व्यक्तिगत रुचि का मार्ग विकसित करें।डॉ. मौनी रॉय ने बताया कि अतीत की चुनौतियों के बावजूद रानी लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी जैसी हस्तियों ने प्रणालीगत बदलाव लाए।उन्होंने कमला नामक एक शोधकर्ता की कहानी भी साझा की, जिन्होंने उस समय इस क्षेत्र में प्रवेश किया जब महिलाओं की भागीदारी बहुत सीमित थी। पैनल में जीवन की 'तीन भूमिकाओं' क्रमशः व्यावसायिक, सामाजिक और पारिवारिक पर भी चर्चा हुई।निष्कर्ष के रूप में यह संदेश दिया गया कि पूर्ण संतुलन अक्सर एक मिथक है; सफलता प्राथमिकताओं और सहयोगी वातावरण के माध्यम से प्राप्त होती है।सीयूएसबी के जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने गुरुवार को बताया कि इससे पूर्व आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. वेंकटेश सिंह ने कहा कि महिलाएं अपने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदानों के माध्यम से भविष्य की पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती हैं।संगोष्ठी का समापन आईआईसी की संयुक्त सचिव शिवांगी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इसके साथ - साथ आईआईसी द्वारा सस्टेनओवेट 2026 नामक पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें तन्वी सिंह, शंकर साहा, प्रिया प्रसाद और सुशांत शेखर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद तन्वी सिंह को 'सस्टेनओवेट 2026' का विजेता घोषित किया गया, जबकि सुशांत शेखर ने अपने उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण के लिए दूसरा स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें प्रो. वेंकटेश सिंह, डॉ. स्वाति गुप्ता (फैकल्टी कोऑर्डिनेटर, इनोवेशन कमेटी), डॉ. संजय कुमार, डॉ. सोमा गिरी और डॉ. प्रतिष्ठा सोनकर शामिल थे।कार्यक्रम का सुचारु संचालन आईआईसी की छात्र समन्वय टीम प्रियांशु, अभिषेक, शिवांगी, स्वाति और दिव्यांश द्वारा सुनिश्चित किया गया।कार्यक्रम का समन्वयन शालिनी वर्मा ने किया, जिसमें सह-समन्वयक श्याम कुमार और गौरव गोस्वामी का सक्रिय सहयोग रहा।

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शुक्रवार | 27 मार्च, 2026

वैकल्पिक ऊर्जा है कहां?

ईरान युद्ध के कारण परिस्थितियां ऐसी बनी हैं कि पहली बार जीवाश्म (फॉसिल, कोयला-तेल आदि) ईंधन पर बहस छिड़ी है. यह जलवायु-परिवर्तन के कारण नहीं है, बल्कि तेल-गैस को बाधित करना और उनकी उपलब्धता सीमित होने के महेनजर यह बहस छिड़ी है. दुनिया आनन-फानन में वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों पर केंद्रित हो नहीं सकती, क्योंकि वे बेहद सीमित हैं और कई देशों में उपलब्ध ही नहीं हैं. भारत ऐसा देश है, जहां सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा का लगातार उत्पादन किया जा रहा है, लिहाजा लोग उनका प्रयोग भी कर रहे हैं. तेल-गैस संकट के इस दौर में सरकार ने मार्च में ही पीएनजी (रसोई में पाइपलाइन गैस) के 3.5 लाख से अधिक कनेक्शन दिलाए हैं. अब देश में इस गैस के मात्र 1.65 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं. देश की आबादी 147 करोड़ से अधिक है. उसमें 33 करोड़ एलपीजी (रसोई गैस) के उपभोक्ता हैं. दरअसल पीएनजी का तो बुनियादी ढांचा ही बेहद सीमित है. पाइपलाइन की सुविधा कुछ बड़े शहरों की गिनी-चुनी कॉलोनियों में ही मौजूद है. तो देश का आम उपभोक्ता वैकल्पिक ऊर्जा की कल्पना भी कैसे कर सकता है, प्रयोग करना तो दूर की कौड़ी है? ईरान युद्ध के कारण तेल-गैस का संकट इतना व्यापक हो गया है कि लोग और व्यावसायिक ठिकाने लकड़ी और कोयले का चूल्हा जलाने पर विचार कर रहे हैं अथवा शुरू कर दिया है. धुआं और प्रदूषण काल की ओर वापसी! जीवाश्म ईंधनों पर भारत की निर्भरता जलवायु-पर्यावरण का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि सुरक्षा-संकट का सरोकार भी है. इस ऊर्जा-संकट से खाद्य-संकट भी जुड़ा है, यह चेतावनी विशेषज्ञ लगातार दे रहे हैं. भारत का आयात-बिल अपने आप में संकटपूर्ण बोझ है. उसमें मध्य-पूर्व देशों की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है. ईरान युद्ध शुरू होने से पहले भारत का तेल-गैस आयात का बिल उस स्तर तक पहुंच चुका था, जहां एक साल में ही 180 अरब डॉलर तक उछल सकता था. कतर ने 2024-25 में भारत को 1.10 करोड़ टन एलएनजी की आपूर्ति की थी. यह करीब 41 फीसदी थी. तेल-गैस आयात करने के महेनजर हमारी अर्थव्यवस्था उन क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर आश्रित हो गई, जहां हमारी या आपूर्ति करने वाले देशों की भूमिका या दखल सीमित है. प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई. उसमें प्रधानमंत्री ने शिपिंग मार्ग के खुले और सुरक्षित होने का मुद्दा भी उठाया था. जिस तरह होर्मुज समुद्री मार्ग में ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछा रखी हैं और मार्ग अवरुद्ध है, उसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार्य नहीं माना. राष्ट्रपति ट्रंप ने भी सहमति जताई. भारत के अभी तक 6 जहाज होर्मुज को पार कर चुके हैं, लेकिन अब भी 20 जहाज समुद्र में ही फंसे हैं. मौजूदा संकट के कारण भारतीय जीडीपी की विकास दर 4 फीसदी तक गिर सकती है, यह आकलन 'मूडीज' का है, जबकि गोल्डमैन सैश का आकलन है कि भारत की विकास दर 7 फीसदी से घट कर 5.9 फीसदी तक आ सकती है. महंगाई भी बढ़ सकती है. हम रूस, अमरीका, अफ्रीका, ओमान और लाल सागर के रास्ते हररोज कच्चा तेल आयात कर रहे हैं. युद्ध के बाद भी 18 लाख बैरल तेल हररोज आ रहा है, जबकि युद्ध से पहले 30-35 लाख बैरल तेल आता था. यह सुखद है कि भारत में पेट्रोल-डीजल पर कोई राशनिंग नहीं है, लेकिन गैस को लेकर है, क्योंकि गैस का अधिकतम भंडारण मात्र पौने दो दिन का ही कर सकते हैं. ओडिशा और कर्नाटक में तेल के भंडारण बनाने की बात करीब 5 साल पहले उठी थी, लेकिन आज भी 'शून्य' स्थिति है. हमें खाद भी मोरक्को जैसे देश से मंगवानी पड़ रही है. यदि अब भी युद्ध लंबा खिंचा, तो हमारा चालू खाता घाटा 2.2 फीसदी तक हो सकता है. बहरहाल स्थितियां अच्छी नहीं हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने भी संसद में अपने वक्तव्य में कहा है कि युद्ध के बाद भी, युद्ध के असर, लंबे वक्त तक हो सकते हैं, इसकी प्रबल आशंका है.

पाक की मध्यस्थता महज़ अवसरवाद

- के. एस. तोमर

पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ है-एक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है. लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है. दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है. इसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रम-ईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्ते-ने एक ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है. दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है. उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है. पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही. ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है. ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है. दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं. ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं. पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है. हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है. लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है. इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है. ईरान से जुड़ा कोई भी बड़ा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है. दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी. लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए. इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं. मुख्य विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है. इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है. सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है. जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है. डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है. तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है. इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं. यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है. अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है. पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े. लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं. भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है. पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है. लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है. इसलिए भारत को सतर्कता, कूटनीतिक साधनों और संतुलन के साथ देख रहा है. चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है. पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है. चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं. इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है. दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है. दशकों तक उसने गैर-राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं. यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है. विकल्प केवल प्रतिक्रिया नहीं पुनर्संतुलन है-क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी. लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है.

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का मर्यादित जीवन

–अशोक प्रवृद्ध

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि आदर्श जीवन का वह दर्पण है जिसमें मर्यादा शब्द को जीवंत रूप दिया गया है. श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने मानवीय सीमाओं अर्थात मर्यादाओं में रहकर वह सर्वोच्च आचरण प्रस्तुत किया, जो आज भी मानवता का पथ-प्रदर्शक है. श्रीराम के जीवन का सबसे बड़ा आधार सत्य है. वाल्मीकि रामायण में उन्हें सत्यवादी और दृढव्रतः कहा गया है. जब राजा दशरथ ने उन्हें वनवास का आदेश दिया, तो उन्होंने बिना किसी शोक या क्रोध के उसे स्वीकार किया. अयोध्या कांड में श्रीराम स्वयं स्वीकारते हैं- ***रामो द्विर्नाभिभाषते.*** अर्थात- राम दो बार नहीं बोलते. राम की बात अटल होती है. उन्होंने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट का मोह क्षण भर में त्याग दिया. वाल्मीकि ने राम को धर्म का साक्षात विग्रह माना है- ***रामो विग्रहवान् धर्मः.*** उनके लिए धर्म का अर्थ किसी संकीर्ण पूजा पद्धति से नहीं, बल्कि कर्तव्य से था. एक पुत्र, भाई, पति और राजा के रूप में उन्होंने सदैव निजी सुख के ऊपर कर्तव्य को स्थान दिया. अयोध्या कांड में जब भरत उन्हें वापस लेने वन में जाते हैं, तब श्रीराम उन्हें कच्चित् सर्ग के माध्यम से राजधर्म का उपदेश देते हैं, जो एक शासक के लिए नीतिशास्त्र का सर्वोत्तम ग्रंथ है. माता कैकेयी, जिनके कारण उन्हें वनवास हुआ, उनके प्रति भी राम के मन में कभी कटुता नहीं रही. वन से लौटकर उन्होंने सबसे पहले कैकेयी के चरण स्पर्श किए. लक्ष्मण और भरत के प्रति उनका प्रेम निःस्वार्थ था. लक्ष्मण के मूर्छित होने पर विलाप करते हुए वे कहते हैं कि देश-देश में स्त्रियां मिल सकती हैं, सगे संबंधी मिल सकते हैं, पर सहोदर भाई मिलना कठिन है. सुग्रीव और विभीषण के साथ उनकी मित्रता में ऊँच-नीच या स्वार्थ का स्थान नहीं था. एक सामान्य मनुष्य के समान राम रोते हैं, दुखी होते हैं और क्रोध भी करते हैं, लेकिन कभी अपनी गरिमा नहीं लांघते. समुद्र से रास्ता मांगते समय जब वह प्रार्थना से नहीं मानता, तब राम क्रोधित होते हैं, लेकिन वह क्रोध भी केवल लक्ष्य प्राप्ति के लिए था, विनाश के लिए नहीं. अरण्य कांड में सीता के अपहरण के बाद उनका विलाप उनके गहरे मानवीय प्रेम को दर्शाता है, किन्तु वे विलाप में भी कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होते. श्रीराम की मर्यादा की पराकाष्ठा रावण के साथ उनके व्यवहार में दिखती है. युद्धभूमि में जब रावण निहत्था हो जाता है, तो राम उसे मारते नहीं, बल्कि कहते हैं- थक गए हो, आज घर जाओ, कल शस्त्र लेकर आना.

युद्ध कांड में रावण की मृत्यु के बाद राम विभीषण से कहते हैं- ***मरणान्तानि वैराणि.*** अर्थात- मृत्यु के साथ ही वैर समाप्त हो जाता है. श्रीराम ने रावण का विधिवत अंतिम संस्कार करवाया. वाल्मीकि रामायण के केवट संवाद और भरत मिलाप श्रीराम के सबसे भावुक और मर्यादित प्रसंगों में शामिल हैं. केवट संवाद तो मर्यादा और प्रेम का संगम ही है. वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड में अंकित केवट संवाद के अनुसार जब श्रीराम वनवास के लिए निकले तो गंगा तट पर उनकी भेंट केवट से हुई. केवट ने प्रभु के चरणों को धोने की जिद की, क्योंकि उसने सुना था कि उनके चरणों की धूल से पत्थर की अहिल्या नारी बन गई थी. उसे डर था कि कहीं उसकी काठ की नाव भी स्त्री न बन जाए. श्रीराम ने उसकी इस भोली और प्रेमभरी शर्त को सस्मित अर्थात मुस्कुराते हुए स्वीकार किया. यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि वे एक राजा के पुत्र होकर भी एक साधारण केवट के सामने झुकते हैं ताकि वह अपना काम अर्थात पैर धोना कर सके. वे ऊँच-नीच के भेदभाव को पूरी तरह मिटा देते हैं. मर्यादा की पराकाष्ठा यह है कि जब केवट उन्हें पार उतार देता है, तब श्रीराम उसे उत्तराई अर्थात किराया देना चाहते हैं. वे खाली हाथ थे, तो सीता जी ने अपनी रत्नजड़ित मुद्रिका अर्थात अंगूठी दी. केवट ने उसे लेने से मना कर दिया, यह कहते हुए कि हम दोनों एक ही व्यवसाय के हैं, मैं नाव से पार उतारता हूं, आप भवसागर से. श्रीराम ने उसके इस निस्वार्थ प्रेम को सम्मान दिया और उसे गले लगा लिया. भरत मिलाप प्रसंग में त्याग और कर्तव्य की पराकाष्ठा दिखाई देती है. चित्रकूट में

जब भरत अपनी सेना और माताओं के साथ श्रीराम को वापस अयोध्या ले जाने आते हैं, तो वह दृश्य भ्रातृ प्रेम का विश्वकोश बन जाता है. भरत को लगता था कि उनके कारण श्रीराम को कष्ट हुआ है. वे नंगे पैर चलकर श्रीराम के पास पहुंचे. वाल्मीकि लिखते हैं कि जैसे ही श्रीराम ने धूल से धूसरित भरत को देखा, वे दौड़कर उनसे लिपट गए. यहां श्रीराम अपनी राजसी गरिमा भूलकर केवल एक बड़े भाई बन गए. भरत ने श्रीराम से प्रार्थना की कि वे अयोध्या लौटें और राज्य संभालें. राम के सामने दो मर्यादाएं थीं- एक तरफ छोटे भाई का प्रेम और दूसरी तरफ पिता का वचन. श्रीराम ने भरत को समझाते हुए कहा कि पिता की आज्ञा का पालन करना ही सबसे बड़ा धर्म है. उन्होंने भरत से कहा- ***यद् यथा पित्रा कथितं, तत् तथा कर्तव्यम्.*** अर्थात- पिता ने जैसा कहा, वैसा ही करना चाहिए. अंत में, भरत ने राम की खड़ाऊँ अर्थात पादुका माँगी. राम ने अपनी पादुकाएं दे दीं, जिन्हें भरत ने अपने सिर पर रखा. यहां श्रीराम की मर्यादा यह है कि उन्होंने राज्य का मोह नहीं किया, और भरत की मर्यादा यह कि उन्होंने सिंहासन पर न बैठकर, राम की पादुकाओं को प्रतिनिधि मानकर 14 वर्ष तक तपस्वी का जीवन जीया. ये दोनों प्रसंग सिखाते हैं कि शक्ति और सत्ता होने के बावजूद सामान्य जन के प्रति प्रेम और सम्मान रखना चाहिए. अपनों के लिए और सत्य के लिए बड़े से बड़े पद का त्याग कर देना चाहिए. शबरी प्रसंग और हनुमान मिलन की घटनाएं श्रीराम के जीवन में प्रेम और मैत्री की पराकाष्ठा को दर्शाती हैं. वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में वर्णित शबरी का प्रसंग सिद्ध करता है कि श्रीराम के लिए जाति, कुल या सामाजिक स्थिति का कोई महत्व नहीं था. उनके लिए केवल भाव प्रधान था. शबरी एक वृद्ध तपस्विनी थीं, जो मतंग ऋषि के आश्रम में रहती थीं. उन्होंने वर्षों तक केवल इस विश्वास पर प्रतीक्षा की कि उनके गुरु के वचनों के अनुसार राम यहां अवश्य आयेंगे. जब श्रीराम और लक्ष्मण वहां पहुंचे, तो शबरी ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार कंद-मूल और फल अर्पित किए. वाल्मीकी लिखते हैं कि राम ने उन फलों को बड़े चाव से ग्रहण किया. यह राम की मर्यादा थी कि उन्होंने एक वनवासी वृद्धा के प्रेमपूर्ण निमंत्रण को राजसी भोग से ऊपर रखा. राम ने शबरी को साध्वी कहकर संबोधित किया और उनसे उनके तप के बारे में पूछा. यह दर्शाता है कि राम स्त्री शक्ति और उनकी तपस्या का कितना सम्मान करते थे. किष्किंधा कांड में अंकित श्रीराम- हनुमान मिलन प्रसंग विवेक और परख का अद्भुत उदाहरण है. हनुमान श्रीराम की वास्तविकता जानने के लिए एक भिक्षुक ब्राह्मण का रूप धरकर आए थे. उन्होंने बड़े ही चतुर और विद्वतापूर्ण तरीके से श्रीराम से उनका परिचय पूछा. हनुमान के बोलने के ढंग से श्रीराम अत्यंत प्रभावित हुए. उन्होंने लक्ष्मण से कहा- ***नूनं व्याकरणं कृत्स्नमनेन बहुधा श्रुतम्.*** अर्थात- निश्चित ही इन्होंने संपूर्ण व्याकरण का अनेक बार अध्ययन किया है. श्रीराम ने हनुमान की वाणी में शुद्धता और विनय को तुरंत पहचान लिया. जब हनुमान ने अपना असली रूप प्रकट किया और राम के चरणों में गिरे, तो श्रीराम ने उन्हें उठाकर गले लगा लिया. यह एक स्वामी और सेवक का मिलन नहीं, बल्कि दो महान आत्माओं का मिलन था. इसी मिलन ने आगे चलकर सुग्रीव के साथ मित्रता और रावण के विरुद्ध विजय की नींव रखी. इस प्रकार शबरी प्रसंग सिखाता है कि ईश्वर केवल प्रेम के भूखे हैं, वे आडंबर के नहीं. हनुमान मिलन सिखाता है कि योग्य व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी और उसके आचरण से होती है. श्रीराम के जीवन का चर्मोत्कर्ष लंका विजय और उसके उपरान्त राम-राज्य की स्थापना में निहित है. वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड और उत्तर कांड में अंकित इन प्रसंगों का वर्णन एक आदर्श शासक की मर्यादा को परिभाषित करता है. रावण के वध के बाद श्रीराम की मर्यादा और नीति का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि उन्होंने लंका पर अपना अधिकार नहीं जमाया. श्रीराम ने रावण को पराजित किया, लेकिन वे लंका के राजा नहीं बने. उन्होंने तुरंत लक्ष्मण को आदेश दिया कि विभीषण का राज्याभिषेक किया जाए. जब लक्ष्मण ने लंका की भव्यता और सोने की नगरी को देखकर उसकी प्रशंसा की, तब श्रीराम ने वह प्रसिद्ध श्लोक कहा था- अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते. जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी.. अथात -हे लक्ष्मण! भले ही यह लंका सोने की है, पर मुझे इसमें रुचि नहीं है. माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं. यह उनकी अपनी जन्मभूमि अयोध्या के प्रति निष्ठा और पराई संपत्ति के प्रति अनासक्ति को दर्शाता है. श्रीराम का राज्याभिषेक केवल एक व्यक्ति का सत्तासीन होना नहीं था, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था का जन्म था, जिसे आज भी राम-राज्य के रूप में याद किया जाता है. वाल्मीकि रामायण के अनुसार राम-राज्य की मुख्य विशेषताओं में भयमुक्त समाज, समानता और न्याय, प्राकृतिक संपन्नता शामिल है. कहा गया है- ***न पर्यदेवन् विधवा न च व्यालकृतं भयम्.*** अर्थात- राम के राज्य में कोई विधवा विलाप नहीं करती थी और न ही किसी को जंगली जानवरों या चोरों का डर था. समाज में ऊँच-नीच का भेद नहीं था. राजा स्वयं को जनता का सेवक मानता था. राम प्रतिदिन प्रजा की समस्याओं को सुनने के लिए उपस्थित रहते थे. कहा जाता है कि राम-राज्य में समय पर वर्षा होती थी, वृक्ष सदा फलों से लदे रहते थे और कोई भी अल्पायु में मृत्यु को प्राप्त नहीं होता था. यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति एक आदर्श समाज का चित्रण है. अग्नि परीक्षा और सीता का त्याग प्रसंग सबसे अधिक चर्चा और विवाद का विषय रहता है, किन्तु वाल्मीकि रामायण के संदर्भ में इसे लोक-मर्यादा के चश्मे से देखा जाता है. एक पति के रूप में श्रीराम को सीता की पवित्रता पर पूर्ण विश्वास था, लेकिन एक राजा के रूप में वे अपनी प्रजा के प्रति उत्तरदायी थे. जब समाज के एक वर्ग ने उंगली उठाई, तो श्रीराम ने व्यक्तिगत सुख अर्थात सीता का साथ का बलिदान देकर राजधर्म की मर्यादा को ऊपर रखा. उन्होंने स्वयं के हृदय पर पत्थर रखकर यह निर्णय लिया ताकि भविष्य में कोई यह न कह सके कि राजा ने अपने परिवार के लिए नियमों की अनदेखी की. यह उनकी कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा थी, भले ही इसमें उनका व्यक्तिगत जीवन बिखर गया. वाल्मीकि रामायण के श्रीराम कोई चमत्कार करने वाले ईश्वर के रूप में नहीं, बल्कि अपनी इच्छाशक्ति से देवत्व प्राप्त करने वाले एक श्रेष्ठ पुरुष के रूप में चित्रित हैं. उनका जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि मनुष्य अपनी मर्यादा और धैर्य न छोड़े, तो वह संसार के लिए वंदनीय बन जाता है. श्रीराम का जीवन हमें सिखाता है कि पद जितना ऊँचा होता है, मर्यादाएं उतनी ही कठिन होती हैं. उन्होंने सुख को त्यागा ताकि धर्म जीवित रहे. ***(लेखक, आध्यात्मिक चिन्तक व साहित्यकार)***

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

27 मार्च

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 27 मार्च है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह मंगल है. इस माह का अधिपति ग्रह वृहस्पति है. आपके ऊपर वृहस्पति एवं मंगल ग्रह का सम्मिलित प्रभाव आजीवन रहेगा. आपका व्यक्तित्व प्रतिमाशाली तथा दृढ़ता व साहस का प्रतीक होगा. आप किसी के दबाव में न तो रहेंगे और न ही कार्य करेंगे. आप जोखिम भरे कार्यों को करना अधिक पसन्द करेंगे. आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा. आप अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सतर्क रहेंगे. आपके साथ किस समय क्या घटित हो जाए यह निश्चित नहीं रहेगा. बाहरी आडम्बरों में आप ज्यादा रूचि लेंगे. आपको अपने जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ेगा. आप उच्च आदर्शों के लिए जियेंगे. आपके जीवन में भौतिक सुख सुविधा का अभाव रहेगा. अत्याधिक उतावलापन आपकी प्रमुख कमजोरी होगी. आप कलात्मक कृत्यों-आधुनिकता व संगीत प्रेमी होंगे. अनुकूलता हेतु इष्ट देवी-देवता की अर्चना करें. अपने दैनिक जीवन में लाल एवं नारंगी रंग का प्रयोग अधिक करें. मद्य-मांस-मछली एवं नशीली पदार्थों के सेवन से बचें. सदाचार का पालन सदैव करें. लाल रंग का पेन अपने पास रखें. दाहिने हाथ की अनामिका में ताँबे की मुद्रिका धारण करें. सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र : ॐ अं अंगारकाय नमः | मास : फरवरी, जून एवं नवम्बर
व्रत : मंगलवार | वर्ष : 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
दिन : सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार | रंग : लाल एवं नारंगी
दिनांक : 9, 18, 27 | जन्मरत्न : मूंगा
अंक : 1, 3, 6 | उपरत्न : लाल अकीक

यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 15 मार्च से 14 अप्रैल, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : आज दिन 9/36 बजे तक भाग्योन्नति, रचनात्मक कृत्यों से यश की प्राप्ति, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, शेष समय में दैनिक कार्यों के प्रति उदासीनता, आय में न्यूनता.

वृषभ : आरोग्य सुख की प्राप्ति, पराक्रम से आर्थिक व्यावसायिक पक्ष में अनुकूलता, मौजमस्ती के निमित्त व्यय, वरिष्ठजनों की सलाह लाभदायक, वाहन से सुख.

मिथुनः कार्य व्यापार में विस्तार, राजकीय पक्ष से सहयोग, स्थान परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, परोपकार की ओर प्रवृत्ति, दाम्पत्य जीवन में सुख शांति का समय.

कर्क : आज दिन 9/36 बजे तक कार्यों में बाधा, बात-बात पर क्रोध, एकाग्रता का अभाव, अशांति शेष समय में अकल्पित लाभ का सुयोग, स्वयं का निर्णय लाभप्रद.

सिंह : आज दिन 9/36 बजे तक विविध पक्षों में अनुकूलता, व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति, संतान पक्ष से चिन्ता कुछ कम, शेष समय आशा के विपरीत, पारिवारिक उलझनें.

कन्याः अधूरे या नवकार्य प्रगति की ओर पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति का प्रयास सफल, स्वाध्याय की ओर रुचि, अधीनस्थ सहयोगियों की गतिविधियों से प्रसन्नता.

तुलाः सामयिक सिद्धि का प्रयास सार्थक, कुछेक समस्याएं आपके पक्ष में सुलझने की ओर श्रेष्ठ, सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, विवादास्पद मसला हल, मनोविनोद के अवसर.

वृश्चिक : आज दिन 9/36 बजे तक स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, वैचारिक अस्थिरता, धन संचय में व्यवधान भी, शेष समय सफलता में सहायक, सोचे हुए कार्य सफल.

धनु : आज दिन 9/36 बजे तक दिनमान अनुकूल महत्वपूर्ण योजना पर कार्यारम्भ, वैमनस्यता का समापन, शेष समय में प्रतिकूलता, कार्यक्षमता में कमी की अनुभूति.

मकर : समझदारी से किया गया कार्य व लिया गया निर्णय लाभदायक, वैमनस्यता का समापन, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर, संतान पक्ष का उत्कर्ष.

कुम्भः कार्य व्यवसाय अर्थ पक्ष में प्रगति का मार्ग प्रशस्त, कठिनाइयों के निराकरण हेतु नवप्रयास सार्थक, धन संचय की ओर रुचि, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु व्यय.

मीनः आज दिन 9/36 बजे तक लाभ में कमी, धन हानि की आशंका, कर्ज के अदायगी की चिन्ता, शेष समय में शारीरिक सुख में वृद्धि, सद्विचारों के उदय से शांति.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक :
लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उचारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

दो - हुआ न होइब योगी ऐहि सम बाल कपाल असि परी रेख ।
नाम कपिल भल होइब इँह कहहिं ऋषि जन नक्षत्र देख ।।5।।

व्याख्या - ऋषि लोग नक्षत्रों का विचार कर कहने लगे कि इस बालक के समान योगी न तो कोई हुआ है और न होगा । क्योंकि बालक के कपाल पर ऐसी रेखा है । अत: इस बालक का नाम ' कपिल ' अच्छा होगा ।

ब्रम्ह चिन्तन करहि दिनु राति । भयउ बड़ कपिल ऐहि भांति ।।
मुनि आश्रम भा आनन्द धामा । सुत क्रीड़ा मुदित कर्दम बामा ।।

व्याख्या - ब्रम्ह का रात - दिन चिन्तन करते हुए कपिल बड़ा होमे लगा । मुनि कर्दन का आश्रम आनन्द का घर बन गया तथा पुत्र की क्रीड़ा देखकर कर्दम की पत्नी प्रसन्न रहने लगी ।

27 मार्च विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

सारा संसार रंगमंच है और हम सब हैं महज कलाकार

-ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने-सम्मानित करने का एक अवसर होता है. विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान(आईटीआई) द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थिएटर ऑफ नेशंस सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया. तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमों, प्रस्तुतियों, वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा. नाटक-अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं. ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं. यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं. दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं. इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं. इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखक, नाटककार और निर्देशक थे, उनके द्वारा लिखा गया. हर वर्ष, थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता है, जो 'रंगमंच और शांति की संस्कृति' यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है. रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओं, मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है. रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है. यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है. इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है. सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है. अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण कर, चिंतन के लिए बढ़ सकता है. परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है. चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करना, इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है. कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है. कार्यशालाओं, प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिन, भावनाओं को समझते हैं. सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता है, बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है. रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता. इसके अलावा, रंगमंच रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता है, जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है. सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकर, रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है. यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता है, जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है. रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है. जिसमें हमें, हमारी छवि साफ दिखती है. इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं. मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियां, संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं. इसका जरिया कुछ भी हो सकता है. चाहे ग्रीक ट्रैजेडी हो, कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करें, कैसे नई दिशा और दृष्टि देकर, सुधार ला सकें. भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है. इसे भरतमुनि के नाट्य शास्त्र द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है. यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था. यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठ, गायन और नृत्य शामिल थे. शास्त्रीय संस्कृत नाटक, पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं. भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है. पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं. कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है. भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं. इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग. रंगमंचीय अभिनय, निर्देशन, परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफर, आर्ट डायरेक्टर, स्क्रिप्ट लेखक, सेट डिजाइनर, लाइट, साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं. महान अंग्रेजी नाटककार, कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैं, जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564-1616 के दौरान लिखे थे. ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया. शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने-माने, प्रभावी व्यक्तित्व हैं. उनके लिखे शब्द सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष-महिलाएं महज कलाकार हैं. शेक्सपियर ने हैमलेट, रोमियो-जूलियट, मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे. जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्य, तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं. कोई नायक, कोई खलनायक, कोई विदूषक, तो कोई विचारक होता है. हम अपने जीवन के अलग-अलग चरणों में भिन्न-भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं. इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25-27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है. विषय रंगमंच और शांति की संस्कृति है, जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है. इस संदेश को जाने-माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा है, जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभव, चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है. सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीख, समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है. हमें थिएटर जाना चाहिए, लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए. थिएटर के मर्म, धर्म और सत्य को समझना-स्वीकारना चाहिए. जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा.

न्यूज कॉर्नर

चंद्रिमा भट्टाचार्य का मछली बाजार अभियान

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं, प्रत्याशियों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है. इसी कड़ी में गुरुवार की सुबह उत्तर दमदम विधानसभा केंद्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार और वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्रीमा भट्टाचार्य ने उत्तर दमदम नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 स्थित निमता पठानपुर मछली बाजार में सघन चुनाव प्रचार किया.सुबह-सुबह मछली बाजार पहुँचते ही चंद्रीमा देवी ने हाथ जोड़कर और मुस्कुराते हुए व्यापारियों और आम जनता से वोट की अपील की. एम.बी. रोड के दोनों किनारों पर खड़े छोटे व्यवसायियों और आम लोगों ने कहीं फूल बरसाकर तो कहीं माला पहनाकर उनका स्वागत किया. चंद्रीमा भट्टाचार्य को बुजुर्ग महिलाओं को गले लगाते और उनसे आशीर्वाद लेते देखा गया, जो उनके और जनता के बीच के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है. गुरुवार का दिन होने के कारण उन्होंने ममता बनर्जी की तुलना लक्ष्मी से करते हुए कहा, आज लक्ष्मीवार है और हमारी नेत्री ममता बनर्जी भी साक्षात लक्ष्मी हैं, जिन्होंने बंगाल की माताओं-बहनों को लक्ष्मी भंडार सौंपा है. पूरा बंगाल ही लक्ष्मियों का बंगाल है. आर्थिक बाधाओं के बावजूद बंगाल कभी पीछे नहीं रहा, चाहे वह विकास हो या जीएसडीपी के आंकड़े. माछे-भाते (मछली और चावल वाले) बंगाल की फिर से जीत होगी. केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता और साजिश के आरोपों पर कटाक्ष करते हुए कहा, जिस तरह से जांच एजेंसियों के जरिए साजिश रची जा रही है, जनता उसका जवाब देने के लिए तैयार है. उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, अब लोग यस सर नहीं कहेंगे, बल्कि सब मिलकर कहेंगे- नो सर, नो सर! इस प्रचार अभियान के दौरान चंद्रीमा भट्टाचार्य के साथ उत्तर दमदम नगर पालिका के चेयरमैन बिधान विश्वास, पार्षद सौमेन दत्त, बिंदुमाधव दास, तापस कर, गौतम करंजई सहित अन्य स्थानीय टीएमसी नेता और भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.चंद्रीमा भट्टाचार्य के इस आक्रामक और आत्मीय प्रचार ने उत्तर दमदम में चुनावी माहौल को पूरी तरह से गरमा दिया है.

प्रचार में कौस्तव बागची ने झोंकी ताकत, घोषपाड़ा से ग्रीन पार्क तक किया जनसंपर्क

बैरकपुर : बैरकपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार कौस्तव बागची ने अपने चुनाव प्रचार के सातवें दिन क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया. गुरुवार को उन्होंने बैरकपुर के घोषपाड़ा (घ) इलाके से लेकर वार्ड नंबर 24 और ग्रीन पार्क क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से आशीर्वाद लिया..सुबह से ही समर्थकों की भारी भीड़ के साथ कौस्तव बागची घोषपाड़ा की गलियों में नजर आए. उन्होंने स्थानीय निवासियों, दुकानदारों और राहगीरों से बातचीत की. प्रचार के दौरान उन्होंने मुख्य रूप से बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में बंद पड़ी मिलों और बेरोजगारी की समस्या, इलाके में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने का वादा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनहितकारी योजनाओं को घर-घर पहुँचाना.वार्ड नंबर 24 और ग्रीन पार्क इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ अपने प्रत्याशी का स्वागत किया. कौस्तव बागची ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बैरकपुर की जनता इस बार परिवर्तन के लिए तैयार है और भ्रष्टाचार के खिलाफ यह लड़ाई निर्णायक मोड़ पर है. एक प्रखर वक्ता और युवा चेहरा होने के नाते कौस्तव बागची का प्रचार अभियान युवाओं के बीच काफी चर्चा बटोर रहा है. घोषपाड़ा जैसे सघन आबादी वाले क्षेत्रों में उनकी सक्रियता ने चुनावी मुकाबले को और भी रोचक बना दिया है.

भवानीपुर में फिरहाद हकीम का धुआंधार प्रचार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कोलकाता का सियासी पारा चढ़ा हुआ है. गुरुवार सुबह राज्य के कद्दावर नेता और मंत्री फिरहाद हकीम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 82 (चेटला) में चुनावी मैदान में उतरे. गोविंद चंद्र अड्डी रोड पर घर-घर जाकर जनसंपर्क करते हुए उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखे हमले किए. प्रचार के दौरान फिरहाद हकीम ने चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, चुनाव आयोग सीधे तौर पर भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और लोगों को प्रताड़ित कर रहा है. मेरे अपने क्षेत्र में 32 हजार नाम अंडर एडज्यूडिकेशन (विचाराधीन) डाल दिए गए हैं. लेकिन जनता तृणमूल कांग्रेस के साथ है और जीत हमारी ही होगी. शुभेंदु अधिकारी द्वारा भगवा वस्त्र पहनकर रामनवमी के जुलूस में शामिल होने पर फिरहाद ने तंज कसते हुए कहा कि नाटक करके चुनाव नहीं जीते जाते. उन्होंने कहा: लोग घर की बेटी (ममता बनर्जी) का समर्थन करेंगे, किसी बाहरी लड़के का नहीं. जनता के बीच रहना पड़ता है, प्रवासी बनकर चुनाव नहीं जीता जा सकता. शुभेंदु अधिकारी के आरोपों पर उन्होंने पलटवार किया कि अगर भाजपा के पास संगठन या कार्यकर्ता नहीं हैं, तो क्या टीएमसी उन्हें कार्यकर्ता सप्लाई करेगी? उन्होंने साफ किया कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके चुनावी कार्यालय बनाना कानून के खिलाफ है और पुलिस ने वही कार्रवाई की है.भाजपा नेता दिलीप घोष द्वारा एनकाउंटर की धमकी दिए जाने पर फिरहाद हकीम ने कड़ा रुख अपनाया.

कड़क है नॉर्थ बंगाल की चुनावी चाय!

54 सीटों में छुपा सत्ता का स्वाद, स्विंग वोटर्स करेंगे असली फैसला

कोलकाताः उत्तर बंगाल में चुनावी चाय का स्वाद हमेशा बदलता रहा है. किसका स्वाद मीठा रहेगा, किसके नसीब में फीकी चाय आएगी ये कई फैक्टर्स पर निर्भर होता है. ठीक उसी तरह जैसे चाय की खेती, कटाई और उसके उत्पादन पर निर्भर करता है कि आपके कप की चाय का स्वाद कैसा होगा? जिस तरह आपकी चाय का स्वाद बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि वो किस फ्लश की चाय है, ठीक उसी तरह उत्तर बंगाल की 54 सीटें काफी हद तक डिसाइड करती हैं कि कोलकाता में किसकी चाय सुगंधित और मीठी होगी. यानी किसकी सरकार बनेगी और कितनी मजबूती से? आइए अब उत्तर बंगाल की चाय, राजनीति और चुनावी रिश्तों में घुले मिले फैक्टर्स को समझते हैं. समझते और समझाते हैं कि कैसे उत्तर बंगाल को आप स्विंग जोन कह सकते हैं, कैसे टीएमसी और बीजेपी दोनों पार्टियों के लिए सीट के लिहाज से ये एक अहम जोन है. राजनीतिक गणित समझें उससे पहले मोटे तौर पर चाय को समझ लें. उत्तर बंगाल के चाय बागानों से पत्तियों को आपके कप तक पहुंचाने का काम चार दौर में होता है. इसे फ्लश कहा जाता है, जिसका पूरा दौर फरवरी से लेकर नवंबर तक होता है. इसमें सबसे अच्छी चाय फरवरी और अप्रैल के बीच निकलती है जिसे फर्स्ट फ्लश कहते है. इसकी खासियत सुगंध होती है. अभी उत्तर बंगाल के चाय बागानों में फर्स्ट फ्लश चाय के साथ चुनावी चाय की महक भी है.

उत्तर बंगाल की अहमियतः अगर उत्तर बंगाल के राजनीतिक इतिहास को देखें तो लंबे समय से ये इलाका लेफ्ट का गढ़ रहा है. पर 2011 में पूरे राज्य के साथ यहां की राजनीतिक तस्वीर भी बदली. मां, माटी, मानुष और परिवर्तन के नारे के साथ टीएमसी ने 54 में से 28 सीटें जीत ली थीं. सीएम बनते ही ममता बनर्जी ने सिलीगुड़ी में मिनी सचिवालय बनाने का ऐलान किया, उत्तर बंगाल के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया और मंत्री पद की जिम्मेदारी गौतम देब को दी गई.

चाय बागान, डुआर्स के इलाके, पहाड़ और हरियाली से भरे इस इलाके में टीएमसी की बढ़त 2016 में भी कायम रही और 23 से ज्यादा सीटों पर काबिज हो गई लेकिन यहीं बंगाल की पॉलिटिक्स में प्रभावी तरीके से एंट्री होती है बीजेपी की. इसकी एक झलक उत्तर बंगाल में देखने को मिलती है और बीजेपी यहां जीरो से बढ़कर 7 सीटों तक पहुंच जाती है. लेफ्ट लगातार कम होते गई और कांग्रेस ने भी यहां अपनी पकड़ खो दी.

2016 में बीजेपी अपने अच्छे प्रदर्शन को और बढ़ाते हुए 2019 लोकसभा चुनाव में कमाल के दर्जे तक पहुंच गई. 8 में से 7 लोकसभा सीटों पर बीजेपी ने शानदार जीत हासिल करते हुए यहां की राजनीतिक पिक्चर ही बदल दी. और ममता बनर्जी ने इसका अनुमान समय रहते हुए लगा लिया. टीएमसी पर हमेशा सिर्फ साउथ बंगाल की पार्टी होने का जो टैग लगता था इन आंकड़ों ने इसे और मजबूत किया. इसलिए टीएमसी ने मेहनत शुरू की और 2021 में फिर 23 सीटों तक पहुंच गई. पर असली खेल तो बीजेपी ने किया. 2021 में बीजेपी भले ही सत्ता से दूर रही लेकिन उत्तर बंगाल में उसने 30 सीटें हासिल करके बता और जता दिया कि इस हिस्से में उसकी पकड़ कितनी मजबूत हो चली है. यहां लेफ्ट और कांग्रेस एकदम हाशिए पर चले गए.

उत्तर बंगाल में क्यों कामयाब हुई बीजेपी?: राज्य एक होने के बाद भी साउथ और नॉर्थ बंगाल में काफी फर्क है. ये फर्क कई पहलुओं में है. खासकर राजनीतिक और राजनीति के उद्देश्य में तो कहीं ज्यादा. यही कारण है कि यहां अलग राज्य की मांग लंबे समय से होती रही है. बंगाल की राजधानी कोलकाता से इसकी दूरी एक बड़ा कारण रहा है जिसके कारण यहां छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टियों, समुदायों की मांगों ने जोर पकड़ा, दार्जिलिंग में अलग गोरखालैंड की मांग बढ़ती चली गई. चाय बागानों और आदिवासी इलाकों के जरिए बीजेपी ने यहां अपनी पकड़ बनाई. इसी तरह कूचबिहार और दिनाजपुर जिलों के लिए बीजेपी ने स्थानीय मुद्दों के साथ राजवंशी समुदाय को पकड़ा और सीटें भी हासिल कीं.

हालांकि, इस बार उत्तर बंगाल में बीजेपी के लिए मुश्किलें भी कम नहीं है. बीजेपी के चार विधायक पहले ही टीएमसी ज्वाइन कर चुके हैं. सिलीगुड़ी और आसपास विधानसभा क्षेत्र में टीएमसी लगातार मजबूत होते चली गई है. इसका सबसे बड़ा असर निकाय चुनावों में देखने को मिला है. पहली बार सिलीगुड़ी नगर निगम पर टीएमसी का पूरी तरह से कब्जा है, यहां तक कि सिलीगुड़ी महकमा परिषद जो कभी भी टीएमसी के पास नहीं रहा, उस पर भी ममता की पार्टी को जीत मिली है. बीजेपी इस इलाके में आदिवासी वोट के भरोसे रही है. यहां से जीतने वाले आदिवासी नेता जॉन बारला को बीजेपी ने केंद्र में मंत्री बनाया था, लेकिन आज की तारीख में वो टीएमसी के साथ हैं. इससे आदिवासी वोटबैंक किस तरफ जाएगा ये कह पाना मुश्किल है. हालांकि, बीजेपी अभी भी कूचबिहार,अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग की विधानसभा सीटों पर मजबूत है. इसका कारण यहां मिक्स वोटर हैं.

उत्तर बंगाल की 54 सीटें पश्चिम बंगाल की सत्ता की चाबी मानी जाती हैं, जहां चुनावी 'चाय' का स्वाद हर बार बदलता है. टीएमसी और बीजेपी के बीच सीधी टक्कर में यह इलाका स्विंग जोन की भूमिका निभाता है. चाय बागान, पहाड़ी राजनीति, आदिवासी और राजवंशी वोटबैंक जैसे कई फैक्टर नतीजों को प्रभावित करते हैं. छोटे वोट शिफ्ट भी यहां बड़ा असर डाल सकते हैं, जिससे तय होगा कि राज्य की सत्ता किसके हाथ जाएगी.

टीएमसी के लिए उत्तर बंगाल अहम क्यों?: हमेशा की तरह उत्तर बंगाल के वोटर्स शिफ्ट होते रहते हैं. ये पैटर्न 12-15 साल में जरूर बदलता है. इस बार सीधे लड़ाई टीएमसी और बीजेपी के बीच है. ये बात ममता बनर्जी बखूबी समझती हैं. इसीलिए इस बार ममता बनर्जी ने टीएमसी के लिए उत्तर बंगाल से पूरा जोर लगा दिया है. मंगलवार को ममता बनर्जी ने अपने चुनावी दौरे की शुरुआत अलीपुरद्वार से की हैं. माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी में भी उनकी मौजूदगी दिखी. सिलीगुड़ी से सटे इस तराई क्षेत्र में कभी लेफ्ट का बोलबाला हुआ करता था. पर इसके बाद यहां बीजेपी ने भी अपनी पैठ जमाई. टीएमसी ने इस बार कई सीटों पर नए चेहरे उतारे हैं. इसका कारण है कि दिनाजपुर जोन में टीएमसी के कई सांसद रहीं मौसम नूर फिर से कांग्रेस में शामिल हो गई हैं. वो टीएमसी से राज्यसभा सांसद थीं. मौसम गनी खान के परिवार से आती हैं. इस परिवार का लंबे समय तक मालदा की राजनीति पर एक तरह से कब्जा रहा है. इसी कारण इसे कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, हालांकि, पिछले दो चुनावों में कांग्रेस यहां कोई कमाल नहीं कर पाई थी.

चुनावी दिशा बदलने वाले फैक्टरः यहां कई बड़े फैक्टर हैं जो चुनावी दिशा बदल सकते हैं. पहाड़ की पॉलिटिक्स की बात करें तो उत्तर बंगाल को करीब से जानने-समझने वाले राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि यहां अब वैसी एकजुटता नहीं है. गोरखालैंड की मांग को लेकर जो 15-20 साल पहले आंदोलन बड़े पैमाने पर चल रहे थे उनका वेग अब धीमा हो गया है. हिल्स की राजनीतिक पार्टियां दो-तीन गुटों में बंट गई हैं, इसलिए टीएमसी ने सीधे इस बार यहां अपने प्रत्याशी ना उतारकर गठबंधन किया है. टीएमसी ने अनितपलीि;थापा की

अगुआई में दार्जिलिंग की तीन सीटें भारतीय जनमुक्ति मोर्चा को दे दी है. बीजेपी भी यहां की आंचलिक पार्टियों के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ने जा रही है. क्योंकि बीजेपी को दार्जिलिंग लोकसभा सीट पर जसवंत सिंह के जमाने से जीत हासिल होती रही है. इसका कारण पहाड़ की आंचलिक पार्टियां बीजेपी का साथ देते आई हैं. डखठ और कम मार्जिन वाली सीटों पर

नेताओं पर करप्शन के आरोप थे. यही नहीं, टीएमसी ने फिलहाल दक्षिण दिनाजपुर, उत्तर दिनाजपुर और मालदा में अपनी पकड़ बनाए रखी है. इस बार मालदा में लड़ाई दिलचस्प होने वाली है. हाल में ही

फैसला भी अहम हो सकता है. इसे एक मुद्दे के तौर पर देखा जा सकता है. चूंकि उत्तर बंगाल में कई सीटों पर पिछले 15 साल से काफी क्लोज फाइट होती रही है. इसलिए वोटिंग पैटर्न में थोड़ा भी शिफ्ट बड़ा असर डाल सकती है

जलपाईगुड़ी में खेल करता रहा है स्विंग वोटरः इस जिले में आने वाले विधानसभा सीटों में सबसे बड़ा फैक्टर होते हैं स्विंग वोटर्स, यानी यहां के मतदाता किसी एक पैटर्न में वोट नहीं करते. इसका सबसे बड़ा कारण है यहां की मिक्स पॉपुलेशन. यहां शहरी वोटर्स के साथ-साथ ग्रामीण वोटर्स भी बड़ी तादाद में हैं. यहां शहर में ट्रैफिक जाम, साफ सफाई जैसे मुद्दे भी बड़े हो जाते हैं. यहां एक तरफ राजवंशी वोटबैंक का बोलबाला है तो दूसरी तरफ चाय बागानों में काम करने वाले मजदूर भी बड़ी संख्या में हैं. उनकी चिंता आज भी बागान के बाहर पक्का घर, बिजली, मेहनताना आदि है. जलपाईगुड़ी के अलावा कूचबिहार और दिनाजपुर जोन में राजवंशी और कमतापुरी एक अहम मुद्दा रहा है. कम से कम 12-15 सीटों पर इनका अच्छा खासा असर होता है. लंबे समय से इनकी बड़ी डिमांड अलग राज्य की रही है, जिसे कई बार कुछ पार्टियों ने तवज्जो भी दी, लेकिन आज भी इन्हें पूरा हल नहीं मिल पाया है. अलग पहचान के साथ-साथ विकास की मांग लंबे समय से रही है. यहां लंबे समय से ग्रेटर कूचबिहार राज्य की मांग उठती रही है. सिर्फ इसी इलाके में ही नहीं, राजवंशी समुदाय का फैलाव असम और पड़ोसी देश नेपाल तक भी है.

बीजेपी से राज्यसभा सांसद रहे अनंत महाराज हाल के दिनों में टीएमसी के करीब हो गए हैं तो टीएमसी में रहे विधायक अर्घा राय बर्धन और राजवंशी नेता बंसी बदन बर्मन बीजेपी के पाले में आ चुके हैं. चुनावी चाय किसके लिए कड़क होगी ये काफी हद तक तय करेगा कि वोटर्स इस बार किस पैटर्न में वोट करते हैं. टीएमसी अपना खोया रुतबा हासिल करती है या बीजेपी फिर से एक बार उत्तर बंगाल का दुर्ग बचाए रखती है.

अगर मतदाता सूची में 30 लाख नाम शामिल होते हैं तो इसका श्रेय तृणमूल कांग्रेस को मिलेगा : ममता बनर्जी

दुबराजपुर (प. बंगाल): तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने गुरुवार को दावा किया कि अगर विचाराधीन 60 लाख से अधिक लोगों के नामों में से लगभग 30 लाख नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं तो इसका श्रेय उनकी पार्टी को मिलेगा. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने बीरभूम जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस उन सभी लोगों के लिए कानूनी उपाय सुनिश्चित करेगी जिनके नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं.

उन्होंने कहा, अगर विचाराधीन 60 लाख से अधिक नामों में से 29 से 30 लाख नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं तो यह हमारी उपलब्धि है. हमारे अभियान और संघर्ष के कारण ही ये नाम सूची में आ पाए हैं, लेकिन मैं चाहती हूं कि सूची में 100 प्रतिशत नाम हों क्योंकि वे सभी वास्तविक मतदाता हैं. निर्वाचन आयोग ने सोमवार को 'विचाराधीन' मतदाताओं की पहली पूरक सूची जारी की, लेकिन उस सूची में हटाए गए नामों की संख्या या निपटाए गए मामलों की सटीक संख्या का आधिकारिक तौर पर खुलासा नहीं किया.

रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के वकील उन लोगों की मदद करेंगे जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, ताकि वे इस उद्देश्य से गठित न्यायाधिकरणों के समक्ष अपना पक्ष रख सकें. उन्होंने भाजपा पर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया. मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग से 60 लाख से अधिक लोगों के नामों में हुई तार्किक विसंगतियों का विवरण देते हुए पूरी सूची प्रकाशित करने का आग्रह किया. यह दावा करते हुए कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किन लोगों के नाम निर्णायक सूची से हटाए गए हैं, बनर्जी ने आयोग से कहा कि अगर उसमें हिम्मत है तो अंतिम सूची जारी करे.

तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने राम नवमी पर हुई हिंसा के लिए भाजपा और चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया. ममता ने जनसभा से कहा, मैंने राम नवमी पर कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया, आप मुझे दोष नहीं दे सकते। अगर राम नवमी के आसपास राज्य में अशांति होती है, तो यह भाजपा और आयोग की जिम्मेदारी है।

यह सभा पार्टी की कोर कमेटी के संयोजक अनुब्रता मंडल द्वारा संचालित की गई। बीरभूम सांसद शताब्दी रॉय और बोलपुर सांसद असित मल भी उपस्थित थे। बोलपुर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार चंद्रनाथ सिंह, रामपुरहाट से उम्मीदवार आशीष बनर्जी, लवपुर से उम्मीदवार अभिजीत सिंह, सैंथिया से उम्मीदवार नीलाबती साहा और कोर कमेटी के अन्य सदस्य भी सभा में मौजूद थे। हालांकि, बीरभूम जिला परिषद अध्यक्ष और हंसन विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार फैजुल हक उर्फ काजल शेख ममता बनर्जी की इस सभा में नजर नहीं आए। सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, देश को पैसे के लिए बेचने वाले फिर से बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। चुप रहो, मुझे पता है बीरभूम से भाजपा नेताओं को कितना पैसा मिलता है। पाखंडी साधु।

ममता ने फिर भाजपा से सीधी राह पर आने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, नोटबंदी, आधार कार्ड, एसआईआर के लिए लंबी लाइनें। उन्होंने कहा था कि वे बैंकों को 15 लाख रुपये देंगे, हर साल 2 करोड़ नौकरियां देंगे। अब गैस के गुब्बारों ने पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं, मुझे नहीं पता कि दो दिन बाद पेट्रोल मिलेगा या नहीं। फिर वही भट्टी, बैलगाड़ी। इसलिए भाजपा से सीधी राह पर आइए।

इस बीच, आज की बैठक में काजल शेख की अनुपस्थिति को लेकर विभिन्न हलकों में सवाल उठने लगे हैं। जिले के कुछ राजनीतिक हलकों के अनुसार, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि काजल और अनुव्रता के बीच संबंध अच्छे नहीं हैं। दरअसल, पिछले रविवार को ममता बनर्जी की बैठक के संबंध में बोलपुर स्थित तृणमूल कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक हुई थी। काजल शेख वहां भी उपस्थित नहीं थीं। हालांकि यह अन्य क्षेत्रों से अलग है। कहा जाता है कि चूंकि काजल शेख हंसन निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार हैं, इसलिए उन्होंने ज़ोर-शोर से चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। यही कारण है कि काजल शेख अपने निर्वाचन क्षेत्र से कहीं और नहीं जा रही हैं।

ममता ने टीएमसी-भाजपा के मुकाबले को महाभारत जैसा युद्ध बताया

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच मुकाबले को महाभारत जैसा युद्ध बताया. टीएमसी प्रमुख ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान विपक्ष के गढ़ों में मतदाताओं को निशाना बनाया. उन्होंने सभी पूरक मतदाता सूचियों को तुरंत प्रकाशित करने की मांग की और जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता देने का वादा किया. उन्होंने पश्चिम बर्धमान के पांडबेश्वर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह लड़ाई पांडवों और कौरवों के बीच के युद्ध जैसी है. भाजपा कौरवों की तरफ है और टीएमसी पांडवों की तरफ है. पार्टी उम्मीदवार नरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि तार्किक विसंगतियों के नाम पर मतदाता सूची में लोगों के नाम जोड़े या हटाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा, बाकी सूचियां को तुरंत प्रकाशित किया जाए. चुनाव प्रक्रिया पर चिंता जताते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया, भाजपा पार्टी कार्यालय से प्रशासनिक तबादलों के आदेश दिए जा रहे हैं। चुनाव आयोग पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों, पुलिस विभाग के प्रमुखों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस विभाग के प्रमुखों को बदल दिया है। मुझे उनके इस कदम से कोई आपत्ति नहीं है। क्योंकि लोग वोट देंगे ही। और हमें बंगाल की जनता पर पूरा भरोसा है।

सत्ता परिवर्तन ही न्याय दिला सकता है: आरजी कर मृतका के माता-पिता

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 'कुशासन' को केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही समाप्त कर सकती है और उनकी बेटी के लिए न्याय के साथ-साथ राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है. आरजी कर अस्पताल में जिस महिला चिकित्सक की हत्या कर दी गई थी, उसकी शोक संतप्त मां ने यह बात कही. अगस्त 2024 में राज्य सरकार के आरजी कर अस्पताल के एक बंद सेमिनार कक्ष में 26 वर्षीय महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या कर दी गयी थी. दिवंगत चिकित्सक की मां रत्ना देबनाथ को भाजपा ने उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है, जिसे तृणमूल का गढ़ माना जाता है. इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी आक्रोश और महीनों तक अस्पताल परिसर व चिकित्सा संस्थानों में विरोध प्रदर्शन हुए. महिला चिकित्सक के माता-पिता ने कहा कि अब उनका मानना है कि सच्चाई के पूरी तरह सामने आने के लिए राजनीतिक परिवर्तन आवश्यक है.

परिजनों ने एक साक्षात्कार में कहा कि भाजपा से जुड़कर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का उनका निर्णय न्याय के लिए उनकी निरंतर लड़ाई से प्रेरित है. पिता ने कहा, केवल भाजपा ही मेरी बेटी के लिए न्याय सुनिश्चित कर सकती है और राज्य की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान कर सकती है. उन्होंने कहा, हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि हम किसी को भी अपनी बच्ची की मौत पर राजनीति करने की अनुमति नहीं देंगे. लेकिन वामपंथियों ने विरोध प्रदर्शन के अलावा क्या किया? पिता ने कहा, जिस तरह से उन्होंने (वाम दलों ने) पहले राज्य पर शासन किया और अब

जिस तरह से वे अप्रत्यक्ष रूप से तृणमूल को सत्ता में बने रहने में मदद कर रहे हैं, हम यह जानना भी नहीं चाहते कि उनका उम्मीदवार कौन है जो हमारे खिलाफ चुनाव लड़ रहा है. उन्होंने कहा कि दंपति निर्वाचन क्षेत्र में साथ मिलकर प्रचार करेंगे. उन्होंने कहा, मैं और मेरी पत्नी एक टीम हैं. हम दोनों पूरे निर्वाचन क्षेत्र में साथ-साथ घूमेंगे और तृणमूल के खिलाफ प्रचार करेंगे.

दिवंगत चिकित्सक की मां रत्ना देबनाथ को भाजपा ने उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह भवानीपुर में भी प्रचार करेंगे, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं, तो उन्होंने कहा, अगर पार्टी चाहेगी, तो हम वहां भी प्रचार करेंगे ताकि उनकी हार सुनिश्चित हो सके. रत्ना देबनाथ ने कहा कि उन्हें पहले भी चुनाव लड़ने के प्रस्ताव मिले थे, लेकिन उस समय वह राजनीति में आने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं थीं. उन्होंने कहा, मुझे बहुत पहले तृणमूल और भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों से प्रस्ताव मिले थे लेकिन तब मैं मानसिक रूप से तैयार नहीं थी. हाल में मैंने चुनाव लड़ने का फैसला किया क्योंकि मैं तृणमूल कांग्रेस के कुशासन को खत्म करना चाहती हूं.

रत्ना ने कहा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं और उनकी सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए, मैंने व्यक्तिगत रूप से भाजपा उम्मीदवार बनने की इच्छा व्यक्त की और पार्टी नेतृत्व से इस बारे में चर्चा की. पनिहाटी से रत्ना की उम्मीदवारी आरजी कर अस्पताल की घटना के बाद हुए विरोध प्रदर्शन, भड़के आक्रोश और भावनाओं को राजनीतिक रूप देने का प्रयास है, जिसने चिकित्सकों, विद्यार्थियों और नागरिक समाज के सदस्यों को महीनों तक न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर उतरने के लिए प्रेरित किया था.

रत्ना ने कहा, अगर मैं जीतती हूं, तो पनिहाटी के लोग जीतेंगे. मैं उन लोगों के लिए आवाज उठाऊंगी जो विरोध करना भूल चुके हैं. उन्होंने कहा, अगर मैं जनता की सेवा कर सकती हूं, तो मेरी बेटी भी खुश होगी. मैं चाहती हूं कि पश्चिम बंगाल में कमल खिले और तृणमूल जड़ से उखड़ जाए.

न्यूज कॉर्नर

बिहार में 3 साल की बच्ची से दरिंदगी, मंदिर के पीछे ले जाकर किया दुष्कर्म

पटना : राजधानी पटना से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. चैती दुर्गा पूजा मेला देखने गई तीन साल की मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. मेले में परिजनों से बिछड़ने का फायदा उठाकर किसी अज्ञात व्यक्ति ने बच्ची के साथ दुष्कर्म जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया. मासूम बच्ची अपने परिवार के साथ गांव में आयोजित चैती दुर्गा पूजा का मेला देखने गई थी. मेले की भीड़भाड़ में बच्ची अपने परिजनों से बिछड़ गई. जिसके बाद परिजनों ने मासूम की खोजबीन शुरू की. आसपास छानीबीन के बाद भी वह मेले में कहीं नहीं मिली. परिजन मेले में बने मंदिर के पीछे बच्ची को ढूढंने पहुंचे तो खोजबीन करने पर उन्हें मासूम की रोने की आवाज सुनाई दी. मासूम के शरीर से खून बह रहा था. जिसके बाद आनन फानन में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर पटना रेफर कर दिया गया है. फिलहाल मासूम का पटना में इलाज चल रहा है, लेकिन वह इतनी सदमे में है कि घटना के बारे में कुछ भी बता पाने में असमर्थ है. घटना की सूचना मिलते ही भदौर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट चुकी है. थानाध्यक्ष ने बताया कि बच्ची दादी के साथ चैती दुर्गा पूजा पंडाल मेला घूमने गई थी. उसी दौरान अचानक लापता हो गई. जिसके बाद परिजन खोजबीन शुरू किए फ़िर भी नहीं मिली तो अंततः घटना की जानकारी पुलिस को दी गई. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आरोपी की पहचान करने और उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है. फिलहाल, इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है और ग्रामीणों में दरिंदों के खिलाफ भारी आक्रोश है. लोग प्रशासन से जल्द से जल्द आरोपी को कड़ी सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं.

छात्राओं का यौन शोषण करने का आरोपी प्रोफेसर अदालत से हुआ दोषमुक्त

हाथरस (उप्र): प्रतियोगी परीक्षा में पास कराने और नौकरी दिलाने का झांसा देकर छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोपी प्रोफेसर को यहां की एक अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अभियोजन पक्ष ने गुरुवार को बताया कि अपर जिला न्यायाधीश (प्रथम) महेंद्र कुमार की अदालत ने मंगलवार को सबूत के अभाव में प्रोफेसर को दोषमुक्त कर दिया. हाथरस के पीसी बागला डिग्री कॉलेज के भूगोल विभाग के प्रोफेसर रजनीश कुमार पर छात्राओं का यौन शोषण करने के आरोप लगाये गये थे. छह मार्च 2025 को एक छात्रा ने इस मामले में महिला आयोग को भी पत्र लिखा था. शिकायत सामने आने पर पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद प्रोफेसर के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया था. इस दौरान प्रोफेसर फरार हो गये तथा बाद में उन्हें प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने इस मामले में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया. प्रोफेसर मामले जमानत पर बाहर थे. अदालत में किसी भी गवाह तथा पीड़िता ने घटना को अंजाम दिए जाने की पुष्टि नहीं की. अदालत ने कहा कि प्रोफेसर रजनीश पर लगाए गए आरोप संदेह से परे साबित नहीं होते, ऐसे में पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में प्रोफेसर को दोष मुक्त कर दिया जाता है. इस आदेश के बाद प्रोफेसर रजनीश के वकील वीरेंद्र सिंह ने बताया था कि रजनीश कॉलेज की राजनीति का शिकार हुए हैं. यौनशोषण के आरोप से बरी हुए प्रोफेसर रजनीश कुमार से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका.

हाथियों ने गेहूं की फसल किया बर्बाद

नवादा: नवादा जिले के कौआकोल प्रखण्ड के जंगली और पहाड़ी क्षेत्रों से सटे गांवों में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला गुरुवार को नावाडीह गांव से सामने आया है,जहां दो दर्जन से अधिक हाथियों के एक विशाल झुंड ने जमकर उत्पात मचाया. हाथियों ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरते हुए हजारों रुपये मूल्य की गेहूं की लहलहाती फसल को पूरी तरह रौंद कर नष्ट कर दिया है. प्रभावित किसान सुरेश चंद्रा, कारू यादव, लूटन यादव, जयप्रकाश यादव, राजकुमार यादव, उर्मिला देवी और विशेशर यादव,आदि ने बताया कि अचानक हाथियों के झुंड ने खेतों में धावा बोल दिया. लगभग पांच बीघा से अधिक क्षेत्रफल में लगी गेहूं की फसल को हाथियों ने पैरों तले कुचल दिया. किसानों का कहना है कि उनकी साल भर की मेहनत और जमा पूंजी इस फसल में लगी थी,जो अब मिट्टी में मिल चुकी है. इस घटना से किसानों को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है. हाथियों के लगातार हो रहे मूवमेंट से नावाडीह और आसपास के गांवों के ग्रामीण डर और दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं. शाम ढलते ही लोग घरों में दुबक जाते हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की ओर से हाथियों को खदेड़ने या सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं,जिससे उनकी जान-माल का खतरा बना रहता है. घटना की सूचना मिलते ही पंचायत समिति सदस्य नोमिंता कुमारी ने प्रभावित किसानों के प्रति सहानुभूति प्रकट की. उन्होंने जिला प्रशासन और वन विभाग के वरीय अधिकारियों से मांग की है कि अविलंब स्थल निरीक्षण कर फसल क्षति का सही आकलन किया जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि पीड़ित किसान गरीब हैं, इसलिए उन्हें सरकार की ओर से उचित मुआवजा राशि जल्द से जल्द प्रदान की जाए .ताकि वे इस आर्थिक संकट से उबर सकें.

पूर्व मंत्री के पुत्र की मौत से आक्रोशित समर्थकों ने किया प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

नवादा: बिहार सरकार के पूर्व राज्य मंत्री राजबल्लभ प्रसाद यादव तथा नवादा के जनता दल यूनाइटेड विधायक विभा देवी के पुत्र अखिलेश कुमार की सड़क दुर्घटना में बीते गुरुवार को मौत हो गई थी. इस घटना के बाद नवादा जिले में कोहराम मच गया. इस घटना से आक्रोशित राजबल्लभ समर्थकों ने गुरुवार को धर्मशिला अस्पताल के सामने जोरदार प्रदर्शन कर अपराधिक मामले चलाने की मांग की . प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिला पार्षद के पति संजय यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री राजबल्लभ प्रसाद के पुत्र की मौत धर्मशिला अस्पताल के चिकित्सकों के लापरवाही के कारण हुई है. इसके लिए आपराधिक मामले में कार्रवाई होनी चाहिए .पूर्व मंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दी गई है. अगर कार्रवाई नहीं की गई तो निश्चित तौर पर प्रशासन के विरोध भी कार्यकर्ता हंगामा करेंगे. पूर्व राज्य मंत्री राजबल्लभ यादव ने बताया कि उनके पुत्र अखिलेश यादव घर के पास से ही थार गाड़ी चलाकर बाजार के लिए निकला था. लेकिन समीप में ही एक तार के पेड़ से टकरा गई .जिस कारण चोट आने के बाद उसे स्थानीय धर्मशीला अस्पताल में दाखिल कराया गया . उन्होंने बताया कि बाहरी तौर पर शरीर में कहीं भी जख्म के निशान नहीं थे. नवादा के धर्मशीला अस्पताल मैं उनके पुत्र को 7 घंटे तक रोक कर रखे जाने के कारण ही रक्तस्राव के कारण उसकी मौत हुई. उन्होंने कहा कि अगर धर्मशिला के चिकित्सक तत्परता बरतते तो उनके पुत्र की जान बच सकती थी. उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर उनके पुत्र की मौत नहीं बल्कि एक तरह की हत्या माना जाए. चिकित्सकों ने जानबूझकर लापरवाही बरती जिस कारण मेरे पुत्र की जान चली गई .जिस पर कार्रवाई के लिए हर कीमत पर काम करेंगे. सात घंटे बाद उसे पटना के मेदांता ले जाया गया .जहां उसका निधन हो गया .अगर समय रहते पटना ले जाया जाता तो शायद जान बचाई जा सकती थी.

रियाद में मिसाइल हमले में मारे गए व्यक्ति के परिवार ने आर्थिक मदद की मांग की

सीतापुर (उत्तर प्रदेश): सऊदी अरब के रियाद में संदिग्ध मिसाइल हमले में मारे गए उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय युवक के परिवार ने प्रशासन से मुआवजे और उसकी पत्नी को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की थी. रवि गोपाल नामक युवक का शव विदेश मंत्रालय की मदद और जिला प्रशासन के सहयोग से बुधवार को सऊदी अरब से सीतापुर स्थित उनके पैतृक गांव बघैन लाया गया था. बाद में शाम को उनका अंतिम संस्कार किया गया. गांव के बड़ी संख्या में लोग गोपाल को अंतिम विदाई देने पहुंचे. गोपाल पिछले साल से सऊदी अरब की राजधानी में एक प्लास्टिक फैक्टरी में वाहन चालक के रूप में काम कर रहे थे. गोपाल का अंतिम संस्कार उनके बड़े भाई मनमोहन दयाल ने परिवार के सदस्यों और स्थानीय अधिकारियों की मौजूदगी में किया. गोपाल के परिवार में उनकी पत्नी, माता-पिता और चार साल का एक बेटा है. परिवार के सदस्यों ने बताया कि इस घटना के बाद उनकी पत्नी रितु बदहवास है. दयाल ने कहा कि परिवार को आर्थिक सहायता की सख्त जरूरत है और उसने गोपाल की पत्नी को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की है ताकि वह आजीविका कमा सके. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं स्थानीय विधायक आशा मौर्य ने उनकी मांगों पर शीघ्र कदम उठाने का आश्वासन दिया है.

भगवान राम के कार्य में बाधा डालने वालों को उनका हश्र भुगतना पड़ेगा: नितिन नबीन

पटना: पश्चिम बंगाल में भगवान राम के भक्तों की कथित पिटाई पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि भगवान राम के कार्य में बाधा डालने वालों को हश्र भुगतना पड़ेगा. वह वार्षिक रामनवमी समारोह में भाग लेने के लिए पटना पहुंचे हैं. उन्होंने संवाददाताओं से कहा, राम जन्मभूमि को पुनः प्राप्त करने का संघर्ष 450 वर्षों तक चला. अंततः आपने देखा कि इसके मार्ग में बाधा डालने वालों का क्या हश्र हुआ. जो भी भगवान राम के कार्य में बाधा डालने का प्रयास करेगा, उसका भी वही अंजाम होगा. हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन वह पश्चिम बंगाल में राम भक्तों की कथित पिटाई पर प्रतिक्रिया दे रहे थे. नवीन ने कहा कि रामनवमी और नवरात्र पश्चिम बंगाल में भी पूरे उत्साह के साथ मनायी जाती हैं तथा वहां रामायण पाठ का आयोजन होता है.
भाजपा अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि शुक्रवार को पटना में रामनवमी समारोह में लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे और यह आयोजन ऐतिहासिक बनेगा. नवीन को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से पहले बिहार की राजधानी पटना में इस पर्व के आयोजन का प्रमुख सूत्रधार माना जाता रहा है. नवीन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि लोग लाखों की संख्या में यहां आएंगे और इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनेंगे. यह रामनवमी इतिहास रचे. उन्होंने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल सैयद अता हसनैन, अभिनेता अरुण गोविल, सांसद मनोज तिवारी समेत कई प्रमुख हस्तियां शुक्रवार शाम रामनवमी समारोह में शामिल होंगी.
भाजपा नेता ने कहा कि रामनवमी समिति 2010 से प्रतिवर्ष शोभायात्राओं और झांकियों के साथ समारोह आयोजित करती रही है. उन्होंने कहा, हमने 2010 में आठ शोभायात्राओं से शुरुआत की थी और इस वर्ष कुल 52 झांकियां प्रस्तुत करने की योजना है. यह लोगों की बढ़ती आस्था को दर्शाता है. उन्होंने बताया कि पूरे शहर में लाखों महावीर ध्वज लगाए गए हैं और उत्सव का माहौल बनाने के लिए सजावटी इलेक्ट्रॉनिक लाइटिंग की गई है. नवीन ने कहा कि विभिन्न राज्यों से कलाकार, बैंड और पारंपरिक वादक समारोह में भाग लेने के लिए पटना पहुंच रहे हैं एवं यह आयोजन देश में अपनी अलग पहचान स्थापित करेगा. उन्होंने कहा, जैसे आज अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि के रूप में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हो चुकी है, वैसे ही बिहार की मां सीता की भूमि सीतामढ़ी भी पटना की रामनवमी जैसे आयोजनों के माध्यम से अपनी पहचान मजबूत करेगी.

एलपीजी मतलब 'लापता गैस': अखिलेश यादव

लखनऊः समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एलपीजी को लापता गैस बताते हुए गुरुवार को कहा कि भाजपा ने लाइन के अलावा जनता को कुछ नहीं दिया. उत्तर प्रदेश में गैस एजेंसियों के सामने लगी लंबी कतारों को लेकर यादव ने भाजपा पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों को कतारों में लगाने के अलावा कुछ नहीं किया और अब लोग पेट्रोल के लिए भी कतारों में लगे हुए हैं. यादव गुरुवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एलपीजी संकट को लेकर कोई तैयारी नहीं की और अब 14 किलोग्राम वाले सिलेंडर में 10 किलोग्राम गैस मिल रही है. यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में में एलपीजी का मतलब लापता गैस है. गैस न मिलने से लोगों को खाना बनाने के लिए चूल्हे का सहारा लेना पड़ रहा है. उन्होंने कहा, एक कचौरी एक समोसा अब गैस पर न रहा भरोसा. सपा प्रमुख ने व्यंगात्मक लहजे में कहा, सुना है कोयले पर चाय और रोटी अच्छी बनती है. कई लोग स्मोक्ड फूड पसंद करते हैं. उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों ने ऊर्जा बचत के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, लेकिन हमारे देश में ऐसे प्रयास होते नहीं दिख रहे.

ईरान में पीड़ित परिवारों की मदद को तीन भाइयों ने दान की जमीन

भाजपा नेता ने की जांच की मांग

मेरठ (उप्र): मेरठ के जानीखुर्द क्षेत्र में रसूलपुर धौलड़ी गांव के तीन भाइयों द्वारा ईरान में हमलों के शिकार हुए बच्चों के परिवारों की मदद के लिए अपनी जमीन दान किये जाने का मामला सामने आया है. भारतीय जनता पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता अंकित चौधरी ने इस मामले पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है एवं इसकी जांच की मांग की है.
रसूलपुर धौलड़ी गांव के अमान मुस्तफा ने गुरुवार को बताया कि अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान में किये गये हमलों में करीब 300 बच्चों की मौत की खबर से वह और उनका परिवार आहत है. उन्होंने कहा कि इस घटना ने उन्हें, उनके बड़े भाई यासिर मुस्तफा और छोटे भाई सुबर मुस्तफा को गहराई से प्रभावित किया. मुस्तफा ने बताया कि जरूरतमंदों की मदद करने के उद्देश्य से तीनों भाइयों ने करीब 15 लाख रुपए मूल्य के 125 गज के अपने भूखंड को दान करने का निर्णय लिया. मुस्तफा के मुताबिक इसके लिए उन्होंने अंजुमन हुसैनिया संस्था से संपर्क किया और बुधवार को संस्था के पदाधिकारियों को भूखंड के कागजात सौंप दिए.
अंजुमन हुसैनिया के अध्यक्ष तनवीर हैदर ने इस पहल के लिए तीनों भाइयों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस भूखंड को बेचने से मिलने वाली धनराशि संस्था के माध्यम से ईरान में प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जाएगी. इस घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में लोगों ने तीनों भाइयों की सराहना की और इसे इंसानियत की मिसाल बताया.
हालांकि भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंकित चौधरी ने इस मामले पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा एवं इसकी जांच की मांग की है. उन्होंने प्रशासन से तीनों भाइयों की संपत्ति की जांच कराने और यह सुनिश्चित करने की मांग की कि धन का उपयोग नियमों के अनुरूप हो.

लाइन लगाने की जरूरत नहीं, घर पहुंचेगा गैस सिलेंडर : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राज्य की जनता को आश्वासन देते हुए कहा कि रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है, निर्धारित समय पर बुकिंग कराएं, सिलेंडर आपके घर पहुंच जाएगा.
उन्होंने कहा कि इसी तरह आवश्यकता होने पर ही पेट्रोल-डीजल लेने जाएं. योगी आदित्यनाथ गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग अफवाहें फैला कर राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं. लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए. मुख्यमंत्री ने कहा, पश्चिम एशिया युद्ध के पहले अगर किसी के घर रसोई गैस का सिलेंडर एक महीने चलता था, तो वह आज पांचवें या छठे दिन ही सिलेंडर लेने क्यों पहुंच रहा है. मुख्यमंत्री ने कहा, निर्धारित समय पर ही गैस सिलेंडर की बुकिंग कराएं, आपकी बारी आने पर रसोई गैस आपके घर तक पहुंच जाएगी. सरकार ने सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं. जैसे पहले गैस सिलेंडरों की घर पर डिलीवरी होती थी, वैसे ही अब भी होगी. इसके लिए एजेंसी के बाहर लाइन लगाने की कोई जरूरत नहीं है.
उन्होंने कहा, अगर हम उतावलेपन में आकर किसी अफवाह पर भरोसा करते हैं या दुष्प्रचार के चक्कर में पड़ते हैं तो हमारी राष्ट्रभक्ति पर लोग संदेह करेंगे. हमको यह सतर्कता रखनी होगी. हमें अपने राष्ट्रीय नेतृत्व पर विश्वास रखकर धन्यवाद देना चाहिए कि भारत में सब कुछ अच्छा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ईरान और अमेरिका युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है लेकिन, यह युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा और इसके लिए सभी को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा.

आशा कर्मी से रिश्वत की मांग करना बीसीएम के लिए पड़ गया भारी

10 हजार रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बिहार में निगरानी विभाग का एक्शन जारी

नालंदा : बिहार के विभिन्न जिलों में निगरानी विभाग का एक्शन देखने को मिला है. इस बार सीएम नीतीश के गृह जिले नालंदा में कार्रवाई की गई. नगरनौसा प्रखंड में आशा कर्मी के जन्म प्रमाण पत्र के सुधारने के नाम पर रिश्वतखोरी का मामला सामने आने के बाद निगरानी विभाग ने कार्रवाई की. निगरानी के अधिकारियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नगरनौसा के बीसीएम मंजीत कुमार को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. इस कार्रवाई के बाद पूरे स्वास्थ्य विभाग और प्रखंड कार्यालयों में हड़कंप मच गया है.
प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगरनौसा की निवासी बॉबी कुमारी से मंजीत कुमार ने 25 हजार रुपये की मांग की थी. रकम अधिक होने के कारण दोनों के बीच बातचीत हुई और अंततः 10 हजार रुपये पर सहमति बनी. इसके बाद पीड़िता ने मामले की शिकायत निगरानी विभाग से की. शिकायत के आधार पर निगरानी की टीम ने पूरी योजना के तहत जाल बिछाया. तय समय पर जैसे ही बॉबी कुमारी ने मंजीत कुमार को 10 हजार रुपये दिए, टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया. बताया जाता है कि गिरफ्तारी मंजीत के ठिकाने से ही की गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया.
निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक श्रीराम चौधरी ने बताया कि 23 फरवरी को को पीड़िता बॉबी कुमारी ने शिकायत में दर्ज कराई थी कि नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के बीसीएम मंजीत प्रसाद द्वारा जन्म तिथि सुधार करने के नाम पर 25 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है. वह रिश्वत नहीं देना चाहती थी, शिकायत मिलने के बाद पीड़िता की शिकायत जांच की तो बात सही साबित हुई. इसी आलोक में आज धावा दल का गठन कर कार्रवाई की गई. इसी दौरान 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है.
गिरफ्तारी के बाद आरोपी को निगरानी टीम अपने साथ लेकर चली गई, जहां उससे पूछताछ के साथ आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इस कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य महकमे में खलबली मच गई है, और कर्मचारियों के बीच डर का माहौल साफ देखा जा रहा है.
दरअसल, नगरनौसा प्रखंड में एक सप्ताह के अंदर यह निगरानी विभाग की दूसरी बड़ी कार्रवाई है. इससे पहले 20 मार्च को प्रखंड कार्यालय में तैनात बीपीआरओ को छठ घाट योजना की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर 12 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था.

आरा सिविल कोर्ट बम धमाका मामला

फांसी की सजा से मुक्त हुआ लम्बू शर्मा, 7 आरोपियों को बड़ी राहत

पटना : पटना हाईकोर्ट ने आरा सिविल कोर्ट परिसर में हुए बम धमाके में मृत्युदंड पाये लम्बू शर्मा व अन्य सजायफ्तायों को बड़ी राहत दी है. लम्बू शर्मा को फांसी की सजा से मुक्त कर दिया गया. हालांकि लम्बू शर्मा व अखिलेश उपाध्याय को जेल से भागने के मामले में सजा बहाल रहेगी. पटना हाई कोर्ट ने अन्य सात लोगों को आजीवन कारावास की सजा से मुक्त कर दिया है. चांद मियां, नईम मियां, रिंकू यादव, प्रमोद सिंह, श्याम विनय शर्मा और अंशु कुमार को आजीवन कारावास की सजा से बरी कर दिया गया. चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया है. दरअसल, खंडपीठ ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई पूरी कर 12 फरवरी, 2026 को आदेश सुरक्षित रख लिया था. जिसे आज सुनाया गया. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि सभी सजायाफ्ता को कोर्ट में ऑन लाइन उपस्थित रखा जाये. कोर्ट ने कहा कि सजा पाये लोग अदालती कार्यवाही में उपस्थित रहेंगे. कोर्ट ने ये भी निर्देश दिया था कि ये लोग विभिन्न जेलों में बंद हैं. इन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एक वकील दिया जाये. ये वकील उन्हें कोर्ट में हो रही कार्यवाही और सुनवाई के सम्बन्ध में बताएंगे.
23 जनवरी, 2015 को आरा सिविल कोर्ट परिसर में एक महिला आत्मघाती ने स्वयं को बम विस्फोट से उड़ा लिया. उस घटना में दो और लोगों की मौत हुई. इसका उद्देश्य अपराधी को भगाने का था. इस घटना में कई लोग घायल भी हुए. इस अफरातफरी का लाभ उठाकर अपराधी लम्बू शर्मा अन्य अपराधियों के साथ भाग गया. इस मामले में अपर जिला व सेशन जज त्रिभुवन यादव ने 21 अगस्त 2019 को विभिन्न भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों व विस्फोटक अधिनियम के तहत लम्बू शर्मा को मृत्युदंड दिया. साथ ही 22 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया. शेष सात को उम्रकैद की सजा दी गई. इसमें चांद मियां, नईम मियां, अखिलेश उपाध्याय, रिंकू यादव, प्रमोद सिंह, श्याम विनय शर्मा व अंशु कुमार को हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई. कोर्ट ने अखिलेश उपाध्याय को 42 हजार रुपए व अन्य सभी को 40 हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया. निचली अदालत के इन आदेशों को चुनौती देते हुए पटना हाईकोर्ट में इन सजाफ्तायों ने अपील दायर की थी. कोर्ट ने जहां लम्बू शर्मा को फांसी की सजा से मुक्त किया, वहीं लम्बू शर्मा व अखिलेश उपाध्याय को जेल से भागने के मामलें मे सजा बरकरार रखा.

एनीमिया गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती, महिलाओं-बच्चों पर अधिक प्रभाव: स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय

पटनाः बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने गुरुवार को कहा कि एनीमिया एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या है, जिसका प्रभाव विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों में अधिक देखा जाता है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस रोग के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए लगातार प्रयास कर रही है. पांडेय ने यहां ऊर्जा ऑडिटोरियम में 'फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज फॉर एनीमिया प्रबंधन' कार्यक्रम के तहत एफसीएम (फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज) थेरेपी योजना की शुरुआत की. इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों से चिन्हित 760 महिलाओं (प्रत्येक जिले से 20) को एफसीएम इंजेक्शन दिया गया. वर्तमान में राज्य के पास लगभग दो लाख डोज उपलब्ध हैं.
स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज थेरेपी' गंभीर एनीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए त्वरित, सुरक्षित और प्रभावी उपचार उपलब्ध कराएगी, जिससे हीमोग्लोबिन स्तर में तेजी से सुधार संभव होगा. मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से लोगों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं. उन्होंने बताया कि मुफ्त दवा नीति के तहत आवश्यक दवाओं की सूची में समय-समय पर नई औषधियों को शामिल किया जाता है.
पांडेय ने बताया कि इसी क्रम में दिसंबर 2025 में 'फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज' को इस सूची में शामिल कर इसकी आपूर्ति सुनिश्चित की गई है. उन्होंने कहा कि बिहार में लगभग 64 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं, जिसे दूर करना सरकार की प्राथमिकता है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक माह के भीतर इस सेवा को प्रखंड (ब्लॉक) स्तर के अस्पतालों तक उपलब्ध कराया जाए, ताकि लोगों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर ही इसका लाभ मिल सके. मंत्री ने कहा कि यह थेरेपी 'एनीमिया मुक्त बिहार' अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.
एनीमिया के कारण विशेषकर गर्भवती महिलाओं में कमजोरी आती है, जिससे नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और ऐसे में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार में यह पहल सहायक सिद्ध होगी. स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है और ग्रामीण स्तर तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने बताया कि एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है, जिससे शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

समृद्धि यात्रा: नालंदा को मुख्यमंत्री ने दिया 810 करोड़ की योजनाओं की सौगात

बिहारशरीफः मुख्यमंत्री नितीश कुमार अपनी महत्वाकांक्षी 'समृद्धि यात्रा' के तहत आज गुरुवार को अपने गृह जिला नालंदा के दौरे पर आगमन हुआ. मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे जिले में उत्साह का माहौल रहा, वहीं जिला प्रशासन ने सुरक्षा और स्वागत की सभी तैयारियों के साथ सजग दिखे. इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने नालंदा को 810 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं की बड़ी सौगात दिया.
मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए शहर की सूरत बदली नजर आ रही थी. प्रमुख सड़कों की मरम्मत, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण का कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया गया है. इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे.निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह करीब 10:30 बजे हेलीकॉप्टर से बिहारशरीफ पहुंचें. उनके लिए नालंदा कॉलेज और सोगरा हाई स्कूल मैदान में विशेष हेलीपैड बनाए गए थे. यहां से वे सड़क मार्ग से पुराना रांची रोड गये, जहां एलआईसी भवन से सोगरा कॉलेज मोड़ तक बने स्मार्ट सिटी फ्लाईओवर का उद्घाटन किया, जिससे शहरवासियों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद है.इसके बाद मुख्यमंत्री कोसुक गांव के समीप पंचाने नदी पर बन रहे रिवर फ्रंट के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया. इसके पश्चात वे दीपनगर स्टेडियम पहुंचें, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया.
स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री 316 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण 110 योजनाओं का उद्घाटन किया, साथ ही 494 करोड़ रुपये की 106 नई योजनाओं का शिलान्यास किया. इन योजनाओं में सरमेरा में प्रस्तावित कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, विभिन्न नगर निकायों की विकास योजनाएं, पंचायत सरकार भवन, स्मार्ट सिटी के अंतर्गत स्कूल, जीविका भवन और खेल मैदान शामिल हैं.इस अवसर पर मुख्यमंत्री एक विशाल जनसभा को संबोधित किया.
कार्यक्रम के बाद वे स्टेडियम परिसर में बने अस्थायी सभागार में जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लिया.मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखी. जिलाधिकारी कुंदन कुमार के निर्देश पर शहर के संवेदनशील इलाकों को अस्थायी रूप से रेड जोन घोषित किया गया था. वहीं दीपनगर स्टेडियम, रिवर फ्रंट और फ्लाईओवर क्षेत्र को नो फ्लाई जोन घोषित कर ड्रोन सहित सभी उड़ने वाली वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया गया था.
यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है. रांची रोड, अस्पताल मोड़ और कचहरी मोड़ जैसे क्षेत्रों में सामान्य वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित था. बाहरी वाहनों के लिए रहुई मोड़ और कारगिल बस स्टैंड समेत पांच स्थानों पर पार्किंग जोन बनाए गए थे.

न्यूज कॉर्नर

पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू कोयला बाजार में बढ़ रही है मांग, कीमतों पर भी दबाव

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा क्षेत्र में पैदा हुए दबाव के बीच भारतीय कोयला बाजार में मांग और कीमतों में तेजी देखी जा रही है. एमजंक्शन सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि हालांकि कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये बिजली क्षेत्र में कोई दिक्कत नहीं है.टाटा स्टील और सेल के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन के अनुसार, कोयला नीलामी के शुरुआती संकेत मांग और कीमतों में बढ़त दर्शा रहे हैं. हालांकि, यह बदलाव बहुत तीव्र न होकर एक नियंत्रित दायरे में है.एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक विनय वर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भारत के कोयला नीलामी बाजार में मांग-आपूर्ति के समीकरणों में सख्ती और कीमतों के मजबूत होने के लक्षण दिख रहे हैं, हालांकि यह रुझान अभी धीरे-धीरे बढ़ रहा है.फरवरी में कोयले की बोलियां तय कीमतों से लगभग 35 प्रतिशत अधिक रहीं. इससे पता चलता है कि खरीदार अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए बड़ी अतिरिक्त राशि देने को तैयार हैं, जो आमतौर पर बाजार में कोयले की तत्काल कमी और भारी मांग का संकेत होता है.यह दबाव कई कारणों से बढ़ रहा है, जिनमें गैस की आपूर्ति में बाधा आने से उद्योगों का कोयले की ओर झुकना और गर्मियों के लिए बिजली घरों द्वारा स्टॉक जमा करना शामिल है. साथ ही विदेशों से होने वाले आयात में दिक्कतों के कारण घरेलू कोयले पर निर्भरता बढ़ गई है.वर्मा ने कहा कि भारत इस समय विदेशी तनाव के कारण ऊर्जा क्षेत्र में दबाव झेल रहा है. इसका असर उन औद्योगिक इलाकों में दिख रहा है जहां ईंधन की कमी और सीएनजी व रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति में बाधा आ रही है.उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और एलपीजी के लिए विदेशों पर निर्भरता के कारण देश पर बाहरी झटकों का असर पड़ता है.हालांकि, भारत का बिजली क्षेत्र काफी हद तक सुरक्षित है. बीते वर्षों में सही नीतियों के कारण गैस पर निर्भरता कम हुई है और अब कोयला व नवीकरणीय ऊर्जा इसकी मुख्य ताकत हैं.वर्तमान माहौल में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोयला महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

पश्चिम एशिया संकट से एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि घटेगी, महंगाई बढ़ेगी : एडीबी

नयी दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण यदि ऊर्जा बाजार (ईंधन आपूर्ति) में रुकावटें एक साल से अधिक समय तक बनी रहती हैं, तो वर्ष 2026-27 के दौरान एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि दर में 1.3 प्रतिशत अंक तक की गिरावट आ सकती है.एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एक शोध में यह अंदेशा जताया गया है कि ऐसी स्थिति में महंगाई दर में 3.2 प्रतिशत अंक तक की बढ़ोतरी हो सकती है. एडीबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि यह संघर्ष ऊंची ईंधन कीमतों, सामान की आवाजाही और व्यापार में बाधाओं के माध्यम से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करता है.इससे पर्यटन और विदेशों में काम करने वाले नागरिकों द्वारा घर भेजे जाने वाले धन (रेमिटेंस) पर भी बुरा असर पड़ सकता है.रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक वृद्धि में सबसे गंभीर असर दक्षिण-पूर्व एशिया पर पड़ेगा, जबकि दक्षिण एशियाई देशों में महंगाई सबसे ज्यादा बढ़ने की आशंका है.एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने कहा कि ईंधन की आपूर्ति में लंबे समय तक रहने वाली बाधाएं विकासशील देशों के सामने 'धीमी प्रगति' और 'उच्च महंगाई' के बीच एक कठिन स्थिति पैदा कर सकती हैं.उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारों को बाजार के उतार-चढ़ाव को संभालने और सबसे गरीब तबके को महंगाई की मार से बचाने पर ध्यान देना चाहिए.रिपोर्ट में सलाह दी गई है कि सरकारें कीमतों को जबरन दबाने के बजाय उन्हें स्थिर करने की कोशिश करें.एडीबी का सुझाव है कि जब तेल और बिजली की कमी हो, तो हम हर संभव तरीके से बिजली बचानी चाहिए.एडीबी ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंकों को बाजार के उतार-चढ़ाव को संभालने के साथ-साथ महंगाई की अपेक्षाओं पर पैनी नजर रखनी चाहिए..

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में मजबूत वृद्धि, 2024-25 में प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार

नयी दिल्ली: देश में स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें लगभग नौ प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी है. वित्त वर्ष 2024-25 में कुल स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम की राशि 1.2 लाख करोड़ रुपये से अधिक रही है.वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह वृद्धि बढ़ती जागरूकता, स्वास्थ्य देखभाल वित्तपोषण तक बेहतर पहुंच और चिकित्सा खर्चों को लेकर वित्तीय सुरक्षा की बढ़ती मांग को दर्शाती है. बयान के अनुसार, दक्षता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 'कैशलेस' यानी नकद रहित स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटान के लिए विशिष्ट समयसीमा निर्धारित की है. 'कैशलेस' निपटान के तहत पूर्व-मंजूरी को एक घंटे के भीतर और अंतिम मंजूरी को तीन घंटे के भीतर स्वीकृत करना शामिल है.बयान में कहा गया है कि इन समयसीमा का उद्देश्य देरी को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को समय पर चिकित्सा देखभाल मिल सके.पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, उच्च कवरेज, उन्नत सुविधाओं आदि जैसे कारकों के कारण स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई है.बयान के अनुसार, इरडा के 2024 के नियमों में यह कहा किया गया है कि बीमा उत्पादों का मूल्य सभी प्रासंगिक जोखिम कारकों के आधार पर उचित होना चाहिए और वे व्यवहारिक और मूल्य-आधारित बने रहें. साथ ही भरोसेमंद आंकड़ों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया का उपयोग करके समय-समय पर उनकी समीक्षा की जाए.इसके अलावा, इरडा के बीमा भरोसा पोर्टल के अनुसार, 2024-25 के दौरान सामान्य और स्वास्थ्य बीमा से संबंधित 1,37,361 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 1,27,755 (93 प्रतिशत) का निपटान उसी वर्ष किया गया.इसमें कहा गया है कि दावों की अस्वीकृति या अस्वीकार किए जाने के मामले मुख्य रूप से विशिष्ट पॉलिसी शर्तों और सीमाओं के कारण होते हैं. बयान के अनुसार दावों की अस्वीकृति या अस्वीकार किए जाने के मुख्य कारणों में खर्च का बीमा राशि से अधिक होना, सह-भुगतान खंड, पॉलिसियों में उप-सीमाएं, टॉप-अप पॉलिसियों में कटौती योग्य राशि, कमरे के किराये पर सीमा, आनुपातिक शुल्क, गैर-चिकित्सा व्यय आदि शामिल हैं.

चालकों को प्रशिक्षण देने को खुलेंगे स्कूल, पांच साल में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद: गडकरी

नयी दिल्ली: सरकार उद्योग जगत के सहयोग से अगले पांच साल में 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए स्कूल खोलेगी. इस पहल से देश में एक करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद है.केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी में आयोजित सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता आमिर खान से बातचीत के दौरान कहा कि देश में 22 लाख चालकों की कमी है और सरकार ने 200 ड्राइविंग स्कूल खोले हैं.

मंत्री ने कहा, हमने उद्योग जगत की मदद से 120 आकांक्षी जिलों और 500 सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रखंडों में चालकों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र खोलने का निर्णय लिया है. इस पहल के माध्यम से हम एक करोड़ युवाओं को रोजगार प्रदान करेंगे.सड़क सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से यह सच है कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या के मामले में भारत विश्व में शीर्ष पर है.देश में आज प्रति वर्ष पांच लाख से अधिक दुर्घटनाएं और उससे संबंधित 1.8 लाख लोगों की मौत होती है.गडकरी ने कहा कि लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के हैं. इन दुर्घटनाओं के कारण भारत को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन प्रतिशत का नुकसान होता है.उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के पांच मुख्य कारणों का जिक्र किया.

गडकरी ने कहा, ''पहला कारण सड़क डिजाइन और इंजीनियरिंग हैं. हमने कुछ खराब जगहों की पहचान की है और उन्हें ठीक करने के लिए 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. दुर्घटनाओं का दूसरा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन है. हमने ऐसी 350 जगहों की पहचान की है और लगभग 280 जगहों में सुधार किया गया है.''उन्होंने बताया कि दुर्घटनाओं का एक अन्य कारण वाहन इंजीनियरिंग है.मंत्री ने कहा, ''हमारा वाहन उद्योग 23 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है. अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपये और चीन 49 लाख करोड़ रुपये के कारोबार के साथ क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर हैं. हमारा लक्ष्य अगले पांच साल में अपने वाहन उद्योग को विश्व में शीर्ष पर पहुंचाना है.''

उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं का तीसरा कारण कानून का पालन न होना है. चौथा कारण मानवीय व्यवहार है.गडकरी ने कहा, ''देश में कानून का भय और सम्मान नहीं है. बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने मात्र से लगभग 50,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है. सीट बेल्ट लगाने मात्र से लगभग 30,000 लोग अपनी जान बचा सकते हैं.''उन्होंने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में कमी आई है. बहुत गंभीरता से लेता हूं. एक इंसान होने के नाते मुझसे भी कभी-कभार गलतियां हो जाती हैं. लेकिन कुल मिलाकर मैं सड़क सुरक्षा को लेकर बहुत सख्त हूं. मुझे उम्मीद है कि पूरा देश सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेगा.''उन्होंने कहा कि सरकार कानून, नियम बना सकती है या सुविधाएं प्रदान कर सकती है, लेकिन अंततः यदि लोग इनका उपयोग नहीं करेंगे तो समस्या का समाधान नहीं होगा.

उन्होंने कहा, ''लोग पुलिस के डर से ही हेलमेट पहनते हैं. हमें यह समझना चाहिए कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी हो या नहीं हो, हेलमेट पहनना हमारी जान बचाएगा.''खान ने सुझाव दिया कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूल बसों में यात्रियों के लिए सीट बेल्ट अनिवार्य की जानी चाहिए..

रिजर्व बैंक का एमपीसी कैलेंडर जारी, पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल को

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक का कैलेंडर जारी कर दिया है. आरबीआई की पहली तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी समीक्षा बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी.

रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति अगले वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में कुल छह बैठकें करेगी. केंद्रीय बैंक की ओर से यह घोषणा आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45नख के तहत की गई है, जिसके अनुसार रिजर्व बैंक को नीतिगत बैठकों का कैलेंडर प्रकाशित करना अनिवार्य है. रिजर्व के मुताबिक यह बैठकें इसलिए होंगी, ताकि व्यापक आर्थिक स्थितियों की समीक्षा की जा सके और नीतिगत दरों और तरलता उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें. पहली बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी.आरबीआई की दूसरी मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी. इसके बाद 3, 4 और 5 अगस्त को तीसरी 5, 6 और 7 अक्टूबर को चौथी, 2, 3 और 4 दिसंबर को पांचवीं तथा 3, 4 और 5 फरवरी, 2027 को छठी तीन दिवसीय की बैठकें आयोजित की जाएंगी. आमतौर पर एमपीसी की समीक्षा बैठक के तीसरे दिन समिति प्रस्ताव पर मतदान करती है और मतदान पूरा होने के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर निर्णय की घोषणा करते हैं. एमपीसी महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रेपो रेट तय करने का काम करती

है. इसमें तीन आरबीआई अधिकारी (गवर्नर सहित) और तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं, जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करती है.एमपीसी की समीक्षा बैठकों पर शेयर बाजारों की नजर रहती है, क्योंकि इनमें नीतिगत रेपो रेट निर्धारित की जाती है और मुद्रास्फीति और विकास पर केंद्रीय बैंक का रुख स्पष्ट किया जाता है. रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 4 से 6 फरवरी को अपनी बैठक में सर्वसम्मति से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा था.

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में मामूली तेजी

नई दिल्ली, 26 मार्च (हि.स.). घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है. शुरुआती कारोबार के दौरान सोना 3,470 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. हालांकि चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक तेजी दर्ज की गई है. कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

रिजर्व बैंक का एमपीसी कैलेंडर जारी, पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल को

नई दिल्ली: देश का स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र वार्षिक आधार पर लगभग नौ फीसदी की दर से मजबूत वृद्धि दर्ज हासिल कर रहा है. वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर का कुल प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है.वित्त मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दावों के प्रसंस्करण के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की है. मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा और नियामक उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटारे में दक्षता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है.आईआरडीएआई ने कैशलेस इलाज के लिए समय सीमाएं तय की हैं. इसके तहत कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन-एक घंटे के अंदर, फाइनल ऑथराइजेशन-तीन घंटे के अंदर होना चाहिए. इन समय सीमाओं का मकसद देरी को कम करना और यह पक्का करना है कि मरीजों को समय पर मेडिकल देखभाल मिल सके. मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि के मुख्य कारण हैं, जिनमें पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, अधिक कवरेज और बेहतर सुविधाएं आदि हैं. वित्तीय वर्ष 2022-23 में 85.66 फीसदी, 2023-24 में 82.46 फीसदी और 2024-25 में 87.50 फीसदी भुगतान किए गए दावों का अनुपात रहा है. इसके अलावा भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण के 'बीमा भरोसा' पोर्टल के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सामान्य और स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी 1,37,361 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 1,27,755 (93 फीसदी) शिकायतों का निपटारा इसी वित्त वर्ष 2024-25 में ही कर दिया गया

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने 337 करोड़ रुपये के घाटे का बजट पेश किया

कोहिमा: नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 337.04 करोड़ रुपये का घाटे का बजट पेश किया. उन्होंने राज्य को मिलने वाले केंद्रीय करों के हिस्से में आई कमी पर चिंता जताई.नगालैंड के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री रियो ने बजट को समावेशी और वृद्धि उन्मुख बताया और महिला उद्यमिता, कौशल विकास, परिवहन तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में 17 नई योजनाओं की घोषणा की.उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल प्राप्तियां 22,507.10 करोड़ रुपये और कुल व्यय 22,127.33 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. राज्य की अपनी कर और गैर-कर आय 2,714.44 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 7,341.28 करोड़ रुपये आंकी गई है.मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र से अनुदान और ऋण के रूप में सहायता 9,471.0ड़8 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है. वहीं, आंतरिक ऋण 2,978.77 करोड़ रुपये और ऋण व अग्रिम की वसूली 1.53 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है.रियो ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में आय और व्यय के अनुमान के आधार पर 74.77 करोड़ रुपये का अधिशेष दिखता है, लेकिन 2025-26 से चले आ रहे 411.81 करोड़ रुपये के शुरुआती घाटे के कारण अंत में कुल घाटा 337.04 करोड़ रुपये रहेगा.

डीपीआईआईटी ने क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

नई दिल्ली: देश के स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गवर्नमेंट रिलेशंस हेड विभोर कुकरेती ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए. इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, इंटरैक्टिव मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित तकनीकों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले प्रोडक्ट स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है.मंत्रालय ने बताया कि इसका लक्ष्य स्टार्टअप्स को व्यवस्थित उद्योग जुड़ाव के माध्यम से ऐसे समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है, जो विस्तार योग्य हों और उद्योग के लिए प्रासंगिक हों. इस पहल के तहत स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इंडस्ट्री से जुड़ी जानकारी, ज्ञान के आदान-प्रदान के प्लेटफॉर्म और खासतौर पर तैयार किए गए जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे. ये साझेदारी स्टार्टअप्स को कुछ अहम पड़ाव हासिल करने में भी मदद करेगी, जैसे कि अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) तैयार करना, बाज़ार तक पहुंच बनाना और जहां भी संभव हो, उन्हें इंडस्ट्री के इकोसिस्टम में शामिल करना है.

इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह सहयोग भारत की डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि ऐसी साझेदारियां स्टार्टअप्स को उभरते हुए तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार करने, अपना विस्तार करने और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधान तैयार करने में सक्षम बनाती हैं. उन्होंने बताया कि इस सहयोग के तहत डीपीआईआईटी, क्राफ्टन इंडिया प्रा. लिमिटेड के साथ मिलकर 'भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज' के तहत इनोवेशन चुनौतियों के आयोजन की संभावनाओं को तलाशेगा. इसके साथ ही गेम डिजाइन, एनिमेशन, इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, ई-स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित हैकाथॉन, वर्कशॉप और मास्टरक्लास का भी आयोजन किया जाएगा.

संजीव ने कहा कि यह सहयोग उद्योग जगत के साथ मेल-जोल, ज्ञान के आदान-प्रदान और वैश्विक बेहतरीन कार्यप्रणालियों से रूबरू होने में भी मदद करेगा. चुने गए स्टार्टअप्स को पायलट सहयोग के अवसर मिल सकते हैं, और परिणामों के आधार पर आगे भी जुड़ने की संभावना रहेगी. उन्होंने बताया कि इसके अलावा यह पहल आउटरीच प्रयासों और 'स्टार्टअप इंडिया' कार्यक्रमों में भागीदारी के माध्यम से इकोसिस्टम-निर्माण में सहायता करेगी, ताकि स्टार्टअप क्षेत्र में जुड़ाव को बढ़ाया जा सके.

स्क्रैपेज-लिंक्ड ईवी प्रोत्साहन से लास्ट-माइल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मिल सकती है रफ्तार

नई दिल्ली: दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी ला सकती है. खासकर लास्ट-माइल मोबिलिटी सेगमेंट में इसका बड़ा प्रभाव देखने को मिल सकता है, ऐसा उद्योग विशेषज्ञों का मानना है.सरकार की प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना के तहत पुराने वाहनों को स्क्रैप कर इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलाव करने पर एक लाख रुपये तक का लाभ दिए जाने का प्रावधान है. इसके तहत दिल्ली में पंजीकृत पुराने वाहनों के मालिक यदि अपने वाहन को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदते हैं, तो वे वित्तीय प्रोत्साहन के पात्र होंगे. इस योजना में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 10,000, इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों के लिए 25,000 और इलेक्ट्रिक कारों के लिए 1 लाख तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी. साथ ही कुछ ईवी श्रेणियों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में भी छूट का प्रावधान है.

हालांकि, यह नीति कई वाहन श्रेणियों को कवर करती है, लेकिन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन (ई3डब्ल्यू) को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा, क्योंकि इनका उपयोग यात्री परिवहन और शहरी माल ढुलाई में व्यापक रूप से किया जाता है.जुपेरिया ऑटो के सीईओ आयुष लोहिया ने कहा कि स्क्रैपेज-लिंक्ड प्रोत्साहन नीतियां पुराने, अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को इलेक्ट्रिक विकल्पों से बदलने की प्रक्रिया को तेज कर सकती हैं, खासकर कमर्शियल मोबिलिटी सेगमेंट में.

भारत का इलेक्ट्रिक तीन पहिया बाजार देश के सबसे तेजी से बढ़ते ईवी सेगमेंट्स में से एक बन चुका है और कुल ईवी अपनाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है. यह सेगमेंट लास्ट-माइल कनेक्टिविटी, छोटे लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन और शहरी मोबिलिटी में अहम भूमिका निभाता है, जिससे यह भारत के सतत परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनता है.

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन भारत के शहरी परिवहन इकोसिस्टम में ईवी अपनाने को तेज करने का सबसे व्यावहारिक माध्यम हैं. प्रोत्साहन से जुड़ी स्क्रैपेज नीतियां ड्राइवरों और छोटे फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए शुरुआती लागत को कम करती हैं, जो अपनी रोज़मर्रा की आजीविका के लिए इन वाहनों पर निर्भर हैं. इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहनों का आर्थिक पक्ष पहले से ही मजबूत है, क्योंकि इनके संचालन की लागत पारंपरिक ईंधन आधारित वाहनों की तुलना में काफी कम होती है.उन्होंने कहा कि कमर्शियल ऑपरेटर्स के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में बदलाव केवल पर्यावरणीय लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक परिचालन लागत में बचत भी प्रदान करता है. जब इसे नीतिगत प्रोत्साहनों का समर्थन मिलता है, तो पुराने वाहनों से इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर बदलाव कहीं अधिक तेज़ी से हो सकता है.उद्योग विश्लेषकों का मानना है कि पुराने वाहनों को हटाने को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां शहरी प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ देश में पुराने ऑटो-रिक्शा और छोटे मालवाहक वाहनों के बड़े-बेड़े को आधुनिक बनाने में भी मदद कर सकती हैं. जैसे-जैसे शहर उत्सर्जन कम करने और वायु गुणवत्ता सुधारने के उपाय तलाश रहे हैं, स्क्रैपेज-लिंक्ड ईवी प्रोत्साहन भारत के लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम के विद्युतीकरण को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं.

भारत का लक्ष्य हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में 100 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करना: डीजीएच नागुलपल्ली

ह्यूस्टन: हाइड्रोकार्बन महानिदेशक (डीजीएच) श्रीकांत नागुलपल्ली ने कहा है कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करना और अन्वेषण क्षेत्र को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाना है.नागुलपल्ली ने एसएंडपी ग्लोबल 2026 द्वारा आयोजित सेरावीक में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए प्रमुख नीतिगत सुधारों, आंकड़ों तक पहुंच और खोज अवसरों के बारे में जानकारी दी.भारत ने 24 मार्च को एक जनसंपर्क कार्यक्रम में 100 अरब डॉलर के खोज और उत्पादन क्षेत्र में निवेश रूपरेखा को प्रस्तुत किया. उन्होंने कहा कि भारत इस मामले में वैश्विक पूंजी के लिए एक प्रमुख गंतव्य है. वहीं उद्योग जगत के नेताओं ने वैश्विक स्तर पर जारी संघर्ष से जुड़े जोखिमों और जटिल ऊर्जा बदलाव को लेकर चेतावनी दी.ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्यदूत डीसी मंजुनाथ ने कहा कि यह पहल ऊर्जा क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल को दर्शाती है.उन्होंने कहा, ''भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग में रणनीतिक तालमेल बढ़ रहा है. हम एक प्रतिस्पर्धी, निवेशक-अनुकूल परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जहां अमेरिकी प्रौद्योगिकी और भारतीय संसाधन न केवल मिलते हैं, बल्कि साथ-साथ फलते-फूलते भी हैं.'

ग्लोबल मार्केट में आसमान पर पहुंचा जेट फ्यूल, हवाई सफर पर असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से हवाई सफर बुरी तरह से प्रभावित होने की आशंका बन गई है. अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण पिछले एक महीने की अवधि में जेट फ्यूल यानी एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में वैश्विक स्तर पर 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी आ गई है. ऐसी स्थिति में विमानन कंपनियों के सामने हवाई यात्रा को महंगा करने की मजबूरी बन गई है.जेट फ्यूल की बढ़ी कीमत के कारण दबाव का सामना कर रही विमानन कंपनियों ने इस संबंध में केंद्र सरकार से एयरपोर्ट चार्ज में कटौती करने की मांग की है. इन कंपनियों का कहना है कि अगर एयरपोर्ट चार्ज में कटौती नहीं की गई, तो हवाई किराए में उन्हें लगभग दोगुनी बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है.

फरवरी से लेकर अभी तक की अवधि में जेट फ्यूल की कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है. 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल 95.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बिक रहा था, जो अब बढ़ कर 197 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया है. इस तरह जेट फ्यूल की कीमत में एक महीने की अवधि में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमत में आई तेजी का असर भारतीय बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है. दावा किया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार से सामंजस्य बैठाने और बड़े नुकसान से बचने के लिए भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) अप्रैल के महीने में एटीएफ की कीमत में एक बार फिर बड़ी बढ़ोतरी करने का ऐलान कर सकती हैं. ऐसा होने पर पहले ही बढ़े हुए ऑपरेटिंग कॉस्ट का सामना कर रही विमानन कंपनियों के ऑपरेटिंग कॉस्ट और अधिक बढ़ोतरी हो सकती है. ऑपरेटिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी होने का असर हवाई टिकट के मूल्य पर भी नजर आ सकता है.

ऑपरेटिंग कॉस्ट बढ़ने की आशंका से चिंतित विमानन कंपनियों ने केंद्र सरकार से हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज को कम करने की मांग की है. इसके साथ ही इन कंपनियों ने टैक्स के मोर्चे पर भी केंद्र सरकार से राहत देने का अनुरोध किया है, ताकि जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी होने की वजह से बढ़ी हुई लागत की कुछ हद तक भरपाई की जा सके. हालांकि मौजूदा व्यवस्था के तहत हवाई अड्डों पर लैंडिंग और पार्किंग चार्ज में कटौती होने की संभावना काफी कम मानी जा रही है. जानकारों का कहना है कि देश के ज्यादातर प्रमुख हवाई अड्डों को निजी कंपनियां संचालित कर रही हैं. ऐसी स्थिति में वे किसी भी तरह की छूट देने का विरोध कर सकती हैं.

जानकारों का कहना है कि किसी भी एयरलाइन के कुल ऑपरेटिंग कॉस्ट में जेट फ्यूल पर होने वाला खर्च लगभग 40 प्रतिशत होता है. जेट फ्यूल की कीमत बढ़ने पर स्वाभाविक रूप से कंपनियों के मुनाफे में भी कमी आ जाती है. कहा जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालित करने वाली विमानन कंपनियां को कई रूट पर लंबी उड़ान भी भरनी पड़ रही है.

खाड़ी क्षेत्र में कई देशों के एयर स्पेस बंद होने की वजह से विमानों को लंबा रूट अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जिससे जेट फ्यूल की खपत भी बढ़ गई है और उड़ानों के संचालन पर होने वाला खर्च भी बढ़ गया है. ऐसी स्थिति में अगर विमानन कंपनियों को एयरपोर्ट चार्ज और टैक्स में रहता नहीं मिला, तो उनके सामने हवाई किराए में बढ़ोतरी करने के अलावा और कोई चारा नहीं होगा.

गुवाहाटी में भी होगा बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला का मैच, स्वदेश में नौ वनडे खेल सकते हैं रोहित कोहली

नयी दिल्ली: पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच की मेजबानी करने के बाद अब गुवाहाटी का बारसपारा स्टेडियम 2027 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पांच में से एक मैच की मेजबानी करेगा. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को सीनियर पुरुष टीम के घरेलू सत्र का कैलेंडर जारी किया जिसमें पांच टेस्ट, नौ वनडे और आठ टी20 मैच शामिल हैं. वनडे मैचों पर निश्चित रूप से सबकी नजर रहेगी क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा की दिग्गज जोड़ी के उन सभी मैचों में खेलने की उम्मीद है. यह दोनों स्टार बल्लेबाज अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला जनवरी, फरवरी और मार्च 2027 में खेली जाएगी. इसकी शुरुआत 21 जनवरी को नागपुर में होगी. इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच चेन्नई में (29 जनवरी से दो फरवरी) और आठ दिन के अंतराल के बाद तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी तक गुवाहाटी में खेला जाएगा. रांची में चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी के बीच खेला जाएगा, जबकि अहमदाबाद में अंतिम टेस्ट 27 फरवरी से शुरू होगा. पांच स्थानों में से नागपुर (जहां आखिरी बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), चेन्नई (जहां आखिरी बार 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था), रांची (जहां आखिरी बार 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) और अहमदाबाद (जहां आखिरी बार 2023 में

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच हुआ था) को रोटेशन नीति के अनुसार मेजबानी मिली है. लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गुवाहाटी को फिर से मेजबानी कैसे मिली जबकि उसने नवंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट मैच आयोजित किया था. गौर करने वाली बात यह है कि मुंबई और कोलकाता इस महत्वपूर्ण श्रृंखला का हिस्सा नहीं हैं. यह पता नहीं चल पाया कि बंगाल क्रिकेट संघ या मुंबई क्रिकेट संघ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच की मेजबानी करने में असमर्थता व्यक्त की थी या नहीं. भारत के घरेलू सत्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला आकर्षण का मुख्य केंद्र होगी. इसके अलावा भारत वेस्टइंडीज, श्रीलंका और जिम्बाब्वे की मेजबानी भी करेगा. जिम्बाब्वे 2002 के बाद पहली बार भारत में द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगा. जब उसने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए आखरी बार भारत का दौरा किया था तब भारतीय टीम के कप्तान सौरव गांगुली थे. इस सत्र में 17 शहरों में 22 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे, जिनमें वेस्टइंडीज की टीम सबसे पहले भारत दौरे पर आएगी. उसका भारत दौरा इस साल 27 सितंबर से शुरू होगा. इस दौरे में तीन मैचों की वनडे और उसके बाद पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला शामिल होगी. वनडे मैच तिरुवनंतपुरम (27 सितंबर), गुवाहाटी (30 सितंबर) और न्यू चंडीगढ़ (03 अक्टूबर) में खेले जाएंगे. इसके बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच लखनऊ (06 अक्टूबर), रांची (09 अक्टूबर), इंदौर (11 अक्टूबर), हैदराबाद (14 अक्टूबर) और बेंगलुरु (17 अक्टूबर) में खेले जाएंगे. इसके बाद भारत दिसंबर में श्रीलंका की मेजबानी करेगा, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी. वनडे मैच दिल्ली (13 दिसंबर), बेंगलुरु (16 दिसंबर) और अहमदाबाद (19 दिसंबर) में जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच राजकोट (22 दिसंबर), कटक (24 दिसंबर) और पुणे (27 दिसंबर) में खेले जाएंगे. जिम्बाब्वे जनवरी 2027 में तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा. इस श्रृंखला के मैच कोलकाता (03 जनवरी), हैदराबाद (06 जनवरी) और मुंबई (09 जनवरी) में खेले जाएंगे.

आईपीएल का दूसरे चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक चलेगा: बीसीसीआई

नयी दिल्ली: भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को आईपीएल 2026 के लीग चरण का कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि टूर्नामेंट का दूसरा चरण 13 अप्रैल से 24 मई तक होगा. शुरुआती चरण 28 मार्च से 12 अप्रैल तक चलेगा और इसके कार्यक्रम पहले ही जारी कर दिये गये हैं. इसका आगाज शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की भिड़ंत से होगा. फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाएगा. बीसीसीआई सचिव देवाजित सैकिया ने कहा, लीग चरण के दूसरे हिस्से में 50 मैच खेले जायेंगे. इसका आयोजन 13 अप्रैल से 24 मई 2026 तक भारत के 12 स्थलों पर होगा. इस चरण में मुकाबले बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद, लखनऊ, जयपुर, धर्मशाला, रायपुर और न्यू चंडीगढ़ में होंगे. उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के इस अहम चरण में टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ेंगी जिससे मुकाबले और अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे. दूसरे चरण का पहला मैच 13 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला जाएगा. इस चरण में आठ 'डबल-हेडर' (एक दिन में दो मुकाबले) होंगे. पंजाब किंग्स की टीम अपने घरेलू मैच न्यू चंडीगढ़ और धर्मशाला में खेलेगी, जिसमें धर्मशाला में तीन मैच होंगे. राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने चार घरेलू मुकाबले जयपुर

में खेलेगी. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन मैच बेंगलुरु और दो मैच रायपुर में खेलेगी. प्लेऑफ के लिए मैचों के स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी.

आईपीएल 2026 का पूरा शेड्यूल

1	28-मार्च-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बेंगलुरु
2	29-मार्च-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
3	30-मार्च-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
4	31-मार्च-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
5	01-अप्रैल-26	बुधवार	शाम 7:30 बज	दिल्ली कैपिटल्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
6	2-अप्रैल-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
7	03-अप्रैल-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
8	04-अप्रैल-26	शनिवार	दोपहर 3:30 बजे	मुंबई इंडियंस	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
9	04-अप्रैल-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
10	05-अप्रैल-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
11	05-अप्रैल-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बेंगलुरु
12	06-अप्रैल-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
13	07-अप्रैल-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
14	08-अप्रैल-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
15	09-अप्रैल-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
16	10-अप्रैल-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	राजस्थान रॉयल्स	गुवाहाटी
17	11-अप्रैल-26	शनिवार	दोपहर 3:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
18	11-अप्रैल-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
19	12-अप्रैल-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
20	12-अप्रैल-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	मुंबई इंडियंस	मुंबई
21	13-अप्रैल-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
22	14-अप्रैल-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
23	15-अप्रैल-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बेंगलुरु
24	16-अप्रैल-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
25	17-अप्रैल-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
26	18-अप्रैल-26	शनिवार	दोपहर 3:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बेंगलुरु
27	18-अप्रैल-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
28	19-अप्रैल-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
29	19-अप्रैल-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
30	20-अप्रैल-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
31	21-अप्रैल-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
32	22-अप्रैल-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
33	23-अप्रैल-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
34	24-अप्रैल-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	बेंगलुरु
35	25-अप्रैल-26	शनिवार	दोपहर 3:30 बजे	पंजाब किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
36	25-अप्रैल-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
37	26-अप्रैल-26	रविवार	3:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
38	26-अप्रैल-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
39	27-अप्रैल-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
40	28-अप्रैल-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
41	29-अप्रैल-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	मुंबई
42	30-अप्रैल-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
43	01-मई-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
44	02-मई-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
45	03-मई-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
46	03-मई-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
47	04-मई-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
48	05-मई-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
49	06-मई-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
50	07-मई-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
51	08-मई-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
52	09-मई-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
53	10-मई-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
54	10-मई-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
55	11-मई-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
56	12-मई-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	गुजरात टाइटन्स	अहमदाबाद
57	13-मई-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	कोलकाता नाइट राइडर्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
58	14-मई-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
59	15-मई-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
60	16-मई-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
61	17-मई-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
62	17-मई-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
63	18-मई-26	सोमवार	शाम 7:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
64	19-मई-26	मंगलवार	शाम 7:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
65	20-मई-26	बुधवार	शाम 7:30 बजे	मुंबई इंडियंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
66	21-मई-26	गुरुवार	शाम 7:30 बजे	गुजरात टाइटन्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
67	22-मई-26	शुक्रवार	शाम 7:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
68	23-मई-26	शनिवार	शाम 7:30 बजे	पंजाब किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
69	24-मई-26	रविवार	दोपहर 3:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
70	24-मई-26	रविवार	शाम 7:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता

एशियाई खेलों में पदक जीतने के 'अधूरे काम' को पूरा करना चाहती हैं मीराबाई चानू

रायपुर: तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा कि एशियाई खेलों में पदक जीतना इस साल उनका सबसे बड़ा लक्ष्य है. पिछले एक दशक से अधिक समय से मीराबाई चानू भारतीय भारोत्तोलन का चेहरा रही हैं. उनके शानदार करियर में एशियाई खेलों का पदक ही एकमात्र ऐसी उपलब्धि है, जो अभी तक उनके खाते में नहीं जुड़ पाई है. उनके पास तोक्यो ओलंपिक का रजत, विश्व चैंपियनशिप के तीन पदक और राष्ट्रमंडल खेलों में भी तीन पदक हैं. चानू ने यहां खेलो इंडिया जनजातीय खेलों (केआईटीजी) के उद्घाटन समारोह के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, एशियाई खेल मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वहां मेरा काम पूरा नहीं हुआ है. एशियाई खेलों में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होता है, जिससे यह और चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बन जाता है. एशियाई खेलों में चानू का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है. उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में पदार्पण करते हुए नौवां स्थान हासिल किया था, जबकि

पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 संस्करण से बाहर रहना पड़ा. वह 2022 एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं, लेकिन कूल्हे की चोट के कारण अहम समय पर उनका अभियान प्रभावित हुआ और वह पदक से मामूली अंतर से चूक गईं. अब 31 वर्षीय चानू महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभवतः अपने अंतिम प्रयास की तैयारी कर रही हैं और उनका लक्ष्य अपने शानदार करियर में इस एकमात्र कमी को पूरा करना है. इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों के बीच वजन संतुलन बनाना उनके लिए बड़ी चुनौती होगा. वह राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किग्रा वर्ग में हिस्सा लेंगी, जबकि एशियाई खेलों के लिए फिर से 49 किग्रा वर्ग में वापसी करेंगी. उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रमंडल खेलों तक अपना वजन 48 किग्रा के भीतर रखूंगी, लेकिन इसके दो महीने बाद ही एशियाई खेल हैं जो 49 किग्रा वर्ग में हैं, इसलिए मुझे फिर से बदलाव करना होगा. चानू ने खेलो इंडिया जनजातीय खेलों की शुरुआत की सराहना करते हुए इसे दूरदराज के इलाकों के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच बताया. उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए यह गर्व का क्षण है कि सरकार केआईटीजी जैसी पहल को प्राथमिकता दे रही है. यह प्रतियोगिता दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देगी. उन्होंने कहा, मैंने देशभर में, खासकर पूर्वोत्तर और अन्य जनजातीय क्षेत्रों में ऐसे कई उदाहरण देखे हैं, जहां प्रतिभा तो है लेकिन ऐसे मंचों की कमी के कारण वह निखर नहीं पाती.

बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को मुख्य कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु : बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को 2026-27 के सत्र के अंत तक के लिए नया मुख्य कोच नियुक्त किया है. इस फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को यह घोषणा की. मुनोज़ ने इससे पहले एफसी बार्सिलोना के युवा सेटअप में बारका अंडर-19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है. इसके अलावा वह चीन की राष्ट्रीय टीम और वहां के दो क्लबों किंगदाओ हुआंगहाई और शेडोंग लुनेन्ग के साथ भी कोच के रूप में काम कर चुके हैं. बेंगलुरु एफसी का मुख्य कोच बनने से पहले वह कंबोडिया में प्रेह खान रीच स्वे रींग के साथ यह भूमिका निभा रहे थे. कंबोडिया के क्लब के साथ उन्होंने दो साल का सफल कार्यकाल बिताया, जिसमें क्लब ने दो बार लीग और एक बार लीग कप जीता और इसके साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल में भी पहुंचा.

अतिका 'डब्ल्यूएसके' कार्टिंग में शीर्ष भारतीय और सर्वश्रेष्ठ महिला चालक रहीं

फ्रांसियाकोर्टा (इटली): भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'डब्ल्यूएसके सुपर मास्टर्स' कार्टिंग रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवें चरण के फाइनल में 53 चालकों में से आठवां स्थान हासिल किया. इस परिणाम के साथ उन्होंने इस प्रमुख कार्टिंग श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ भारतीय चालक के साथ-साथ सबसे उच्च रैंक वाली महिला के रूप में अपना अभियान समाप्त किया. अतिका ने मिनी (आठ से 12 वर्ष) से जूनियर वर्ग (12 से 14 वर्ष) में स्वैच्छिक रूप से कदम रखा और 'ओके-एनजे' श्रेणी में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. पांच चरणों की सीरीज में उन्होंने एक पोडियम (शीर्ष तीन में स्थान), दो सबसे तेज लैप और आठ बार शीर्ष छह में जगह बनाई. उन्होंने यहां अंतिम मुकाबले में 13वें स्थान से शुरूआत की और आठवां स्थान हासिल किया. यह उनकी दृढ़ता और तेज प्रदर्शन का स्पष्ट प्रमाण है. जनवरी में ला कॉन्का चरण में पदार्पण करने वाली अतिका ने यूरोपीय चरण में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित किया. फ्रैंसियाकोर्टा चरण में उन्होंने पूरे सप्ताहांत में लगातार शीर्ष पांच में स्थान बनाकर अपनी प्रगति को दिखाया. अतिका ने कहा, मैं आभारी हूं कि मुझे इतनी प्रतिष्ठित सीरीज में भाग लेने का मौका मिला. पिछले आठ सप्ताह से लगातार उच्च स्तर पर कार्टिंग कर रही हूं और इस दौरान नए अनुभवों के अनुसार खुद को ढालना सीखा. यह मेरे लिए सीखने और सुधारने का शानदार अनुभव रहा.

केआईटीजी: तैराक मणिकांत ने स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की, छत्तीसगढ़ की अनुष्का ने दूसरा पदक जीता

रायपुर: कर्नाटक के तैराक मणिकांत एल ने 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की. महिला वर्ग में ओडिशा की अंजली मुंडा ने लगातार दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया. मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए भी खुशखबरी रही, जब स्थानीय खिलाड़ी अनुष्का भगत ने महिला 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले रेस में रजत जीतकर पदक तालिका में इजाफा किया. मणिकांत ने पहले दिन 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण जीतने के बाद 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले रेस में 2:25.93 सेकंड का समय बनाकर दबदबा बनाए रखा. त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा 2:34.04 सेकंड के साथ दूसरे और ओडिशा के कान्हु सोरेन 2:36.21 सेकंड के साथ तीसरे

स्थान पर रहे. महिला वर्ग में अंजली ने 2:53.82 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता. अनुष्का भगत (2:59.33) ने रजत और ओडिशा की अंजली मल्लिक (3:06.13) ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. कर्नाटक 12 पदक (आठ स्वर्ण और दो रजत और एक कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर है, जबकि ओडिशा 14 पदक के साथ दूसरे स्थान पर है. ओडिशा स्वर्ण पदक के मामले में कर्नाटक से पीछे है. राज्य के नाम पांच स्वर्ण, एक रजत और आठ कांस्य पदक है. भारोत्तोलन में असम की मणिखा सोनवाल और मिजोरम के इसाक मालसॉमट्लुंगा ने चोटों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया. मणिखा ने महिला 48 किग्रा वर्ग में स्नैच में 57 किग्रा और क्लीन एंव जर्क में 75 किग्रा उठाकर कुल 132 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक जीता. ओडिशा की दीपा रानी मल्लिक 120 किग्रा के साथ रजत और अंडमान एवं निकोबार की अलास्का अलीना 116 किग्रा के साथ कांस्य पर रहीं. मिजोरम के इसाक मालसॉमट्लुंगा ने स्नैच में 108 किग्रा और क्लीन एंव जर्क में 130 किग्रा भार उठाकर कुल 235 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक सुनिश्चित किया. बाबूलाल हेम्ब्रोम ने कुल 230 किग्रा भार उठाकर रजत पदक के साथ तालिका में झारखंड का खाता खोला. ओडिशा के सुभ्रत नाइक क्लीन एवं जर्क में 122 किग्रा उठा पाए और कुल 228 किग्रा के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे.

कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा भारतीय स्कीट निशानेबाजों को

टैंगियेर (मोरक्को): भारत के स्कीट निशानेबाजों को शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के शुरुआती दिन कई मंझे हुए खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा जिससे उनके लिए पदक हासिल करना आसान नहीं होगा. इस प्रतियोगिता में कई चोटी के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं. प्रतियोगिता के पहले दिन की शुरुआत पुरुष और महिला दोनों वर्ग में 75 निशानों के साथ होगी. बाकी 50 निशाने और फाइनल रविवार को होगा. भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में अधिकतम छह खिलाड़ियों को रखने का कोटा पूरा किया है. इसके साथ ही पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दो-दो ऐसे निशानेबाज भी शामिल हैं जो केवल रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे. महिला वर्ग में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें चिली की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन फ्रांसिस्का क्रोवेटो चादिद और अमेरिका की विश्व चैंपियन सामंथा सिमोंटन भी शामिल हैं. इटली की दो बार की ओलंपिक और विश्व चैंपियन डायना बाकोसी भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं. उनके अलावा अमेरिका की पूर्व विश्व चैंपियन दानिया जो विज्जी और कजाकिस्तान की विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता असीम ओरिनबे प्रतिस्पर्धा को कड़ा बना देती हैं. भारतीय

टीम में ओलंपियन माहेश्वरी चौहान और दोनों बहनें दर्शना राठौर और यशस्वी राठौर शामिल हैं. दोनों बहनों में सबसे छोटी यशस्वी ने 68वीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया था और पिछले साल शिमकेंट में एशियाई चैंपियनशिप में जूनियर वर्ग में रजत पदक भी जीता था. भारत की तरफ से अरीबा खान और मानसी रघुवंशी भी रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी. पुरुषों के वर्ग में 82 प्रतिभागी अपनी किस्मत आजमाएंगे, जिनमें डेनमार्क के 2025 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एमिल केल्डगार्ड पीटरसन का नाम सबसे ऊपर है. पिछले सत्र के विश्व कप फाइनल के विजेता अमेरिका के क्रिश्चियन इलियट, इटली के दो बार के ओलंपिक चैंपियन गैब्रिएल रोसेटी, तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता डेनमार्क के जेस्पर हैनसेन और कतर के पूर्व विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों के चैंपियन मसूद सालेह अल-अथबा प्रतियोगिता में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं. पहली बार कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी अंगद वीर सिंह बाजवा भी अपनी चुनौती पेश करेंगे. वह पिछले साल तक भारत की तरफ से खेल रहे थे. भारत की उम्मीदें अनुभवी मान सिंह और परम्पल सिंह गुरोन के साथ-साथ ज्योतिरादित्य सिंह सिसोदिया पर टिकी होंगी, जो सीनियर स्तर पर किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे हैं. पूर्व एशियाई चैंपियन मान सिंह तीन साल बाद टीम में वापसी कर रहे हैं, जबकि परम्पल ने आखिरी बार 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था. ज्योतिरादित्य ने पिछले साल शिमकेंट एशियाई चैंपियनशिप में अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जूनियर कांस्य पदक जीता था और वह भारत के लिए सीनियर स्तर पर पदार्पण करने के लिए पूरी तरह से उत्सुक होंगे. सुखबीर सिंह हरिका और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन हरमेहर सिंह लल्ही रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे.

बेंगलुरु 10के में भारतीय एलीट वर्ग की अगुवाई करेंगे गुलवीर सिंह

बेंगलुरु: मौजूदा एशियाई चैंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह रविवार को बेंगलुरु में होने वाली टीसीएस वर्ल्ड 10के (10 किमी) दौड़ में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे. इस प्रतियोगिता को वर्ल्ड एथलेटिक्स से गोल्ड लेवल का दर्जा हासिल है. गुलवीर इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. उन्होंने इसी महीने की शुरुआत में न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने 59:42 का समय लिया था, जो किसी भी भारतीय हाफ मैराथन धावक का सर्वश्रेष्ठ समय है. टीसीएस वर्ल्ड 10के की कुल पुरस्कार राशि 210,000 अमेरिकी डॉलर है. इसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को 26,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी. गुलबीर ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''इस प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है और मैं इस साल इसमें भाग लेने को लेकर उत्साहित हूं. बेंगलुरु की सड़कों पर खुद को फिर से परखने का यह एक शानदार अवसर होगा.''

न्यूज कॉर्नर

दो कारों की भिड़ंत में एक कार चालक की मौत

जींदः गांव गुलकनी के निकट बुधवार रात जींद-हांसी मार्ग पर दो कारों के बीच हुई भिड़ंत में एक कार चालक की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर फरार दूसरी गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.रिषी नगर हिसार निवासी दलीप सिंह अपनी कार में सवार हो कर जींद की तरफ आ रहा था. गांव गुलकनी के निकट सामने से आ रही ब्रेजा गाड़ी ने उसकी कार को टक्कर मार दी. जिसमें दलीप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना को अंजाम देकर दूसरा गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया. राहगीरों द्वारा गंभीर रूप से घायल दलीप को नागरिक अस्पताल लाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया. परिजन उसे हिसार के निजी अस्पताल ले गए. जहां पर उपचार के दौरान दलीप की मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया. सदर थाना पुलिस ने मृतक के बेटे संदीप की शिकायत पर फरार ब्रेजा गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सदर थाना के जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया की दो कारों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की हिसार के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई. फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है. मामले की जांच की जा रही है.

बांग्लादेश में पद्मा नदी बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हुई

ढाकाः बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में एक बस को फेरी पर चढ़ाने के दौरान हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है. बुधवार की देर शाम राजबाड़ी जिले की दौलतदिया फेरी टर्मिनल पर यात्रियों से भरी एक बस फेरी पर चढ़ाते समय पद्मा नदी में गिर गई थी. बचाव अभियान के बाद बस को देर रात नदी से बाहर निकाला गया. घटना के बाद जिला प्रशासन ने पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया है, जिसे तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है. साथ ही, मृतकों के परिजनों को प्रारंभिक मुआवजे के तौर पर 25,000 टका देने की घोषणा की गई है.बांग्लादेश की प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून और प्रथम आलो के अनुसार, बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के गोआलंदो उपजिला स्थित दौलतदिया फेरी टर्मिनल पर बुधवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया, जब यात्रियों से भरी एक बस पद्मा नदी में गिर गई. इस दुर्घटना में अब तक 26 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है. हादसा शाम करीब 5:15 बजे उस समय हुआ, जब 'सौहार्द परिवहन' की बस फेरी पर चढ़ाने की कोशिश की जा रही थी. इसी दौरान पोंटून-3 पर संतुलन बिगड़ने से बस नदी में जा गिरी. बताया जा रहा है कि बस में करीब 40-45 यात्री सवार थे.दुर्घटना के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया, जिसमें पुलिस, सेना, नौसेना पुलिस और फायर सर्विस की टीमें शामिल रहीं. बचाव पोत 'हमज़ा' की मदद से लगभग छह घंटे बाद रात 11:30 बजे बस को नदी से बाहर निकाला गया. अधिकारियों के अनुसार, बस से कुल 26 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. सभी शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया है. हादसे में केवल दो लोगों को जीवित बचाया जा सका.प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस कुश्तिया के कुमारखाली से ढाका जा रही थी और फेरी का इंतजार कर रही थी. इसी दौरान 'हसना हेना' नाम की एक छोटी यूटिलिटी फेरी ने पोंटून को टक्कर मार दी, जिससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह नदी में गिर गई.वहीं घटना के बाद, राजबाड़ी जिला प्रशासन ने देर रात ही पांच सदस्यीय उच्च-स्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया था.

पानीपत: केमिकल टैंक की सफाई के लिए उतरे दो भाइयों की मौत

पानीपत, 26 मार्च (हि.स.). गुरुवार को यहां एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में केमिकल टैंक की सफाई करने उतरे दो युवकों की जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मौत हो गई. दोनों चचेरे भाई थे. जो बिना सेफ्टी किट के टैंक की सफाई के लिए उतरे थे. कुछ देर में ही उन पर बेहोशी छाने लगी. वहां मौजूद अन्य साथियों ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक वे बेहोश हो चुके थे. दोनों को सीपीआर देकर होश में लाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे. इसके बाद दोनों को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.दोनों युवक यूपी के रहने वाले थे और आपस में चचेरे भाई थे. दोनों कामकाज के लिए रोजाना कैराना से पानीपत आते जाते थे. उधर, पुलिस ने परिवार की शिकायत के आधार पर फैक्ट्री मालिक और ठेकेदार के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार यह हादसा जलालपुर रोड स्थित मयूर टेक्सटाइल फैक्ट्री में गुरुवार की दोपहर को हुआ. मृतकों की पहचान कैराना निवासी शिवम और नितिन के रूप में हुई. दोनों की उम्र 18-19 साल थी. दोनों चचेरे भाई थे. पुलिस के अनुसार गुरुवार की दोपहर बाद दोनों मयूर टेक्सटाइल फैक्ट्री में काम के लिए आए थे. आरोप है कि यहां फैक्ट्री मालिकों और ठेकेदारों ने इन दोनों भाइयों को 20 फीट गहरे केमिकल टैंक में साफ सफाई करने के लिए उतार दिया. टैंक में फैक्ट्री से निकलने वाला अवशेष केमिकल था. फैक्ट्री में टैंक की सफाई योग्य कोई उपकरण नहीं थे. दोनों युवकों को बिना सेफ्टी किट के ही टैंक में सफाई करने के लिए उतार दिया.फैक्ट्री मालिक के दबाव में आकर दोनों युवक टैंक में उतरने को राजी हो गए. मगर, टैंक में उतरने के कुछ ही मिनटों में दोनों बेहोश हो गए. इस दौरान स्टाफ ने दोनों को सीपीआर देकर होश में लाने की कोशिश की. दोस्त उसकी पीठ को दबाते हुए लगातार कह रहा था-उठ जा मेरे भाई, होश में आ, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद आनन-फानन में उन्हें पानीपत के सामान्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

दो कारों की भिड़ंत में एक कार चालक की मौत

जींदः गांव गुलकनी के निकट बुधवार रात जींद-हांसी मार्ग पर दो कारों के बीच हुई भिड़ंत में एक कार चालक की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर फरार दूसरी गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. रिषी नगर हिसार निवासी दलीप सिंह अपनी कार में सवार हो कर जींद की तरफ आ रहा था. गांव गुलकनी के निकट सामने से आ रही ब्रेजा गाड़ी ने उसकी कार को टक्कर मार दी. जिसमें दलीप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना को अंजाम देकर दूसरा गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया. राहगीरों द्वारा गंभीर रूप से घायल दलीप को नागरिक अस्पताल लाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया. परिजन उसे हिसार के निजी अस्पताल ले गए. जहां पर उपचार के दौरान दलीप की मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया. सदर थाना पुलिस ने मृतक के बेटे संदीप की शिकायत पर फरार ब्रेजा गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. सदर थाना के जांच अधिकारी संदीप कुमार ने बताया की दो कारों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की हिसार के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई. फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है. मामले की जांच की जा रही है.

महिला की गला घोंटकर हत्या, फतेहाबाद पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबादः शहर में जनवरी माह में हुई एक महिला की गला घोंटकर हत्या के मामले में पुलिस ने इस वारदात में शामिल एक अन्य युवक को काबू कर लिया है. पकड़े गए आरोपी की पहचान महेंद्र सिंह निवासी आजाद नगर, फतेहाबाद के रूप में हुई है. गुरूवार को थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है.रिमांड के दौरान पुलिस हत्या की कड़ियों को जोड़ने और वारदात में इस्तेमाल किए गए साक्ष्यों को बरामद करने का प्रयास करेगी. इस मामले में पुलिस दो युवकों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. यह मामला 21 जनवरी का है, जब रतिया की रहने वाली एक महिला अपने घर से फतेहाबाद के लिए निकली थी, लेकिन वह वापस नहीं लौटी. परिजनों द्वारा काफी तलाश करने के बाद महिला का शव हिसार-सिरसा रोड बाईपास के पास सड़क किनारे बरामद हुआ था. महिला के गले पर चोट के निशान थे, जिससे प्राथमिक दृष्टि में ही गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई थी. पुलिस ने इस संबंध में 23 जनवरी को अज्ञात के खिलाफ हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया था. इस मामले में पुलिस अब तक कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस की तकनीकी टीम और जांच अधिकारी साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस जघन्य अपराध के पीछे मुख्य मंशा क्या थी और क्या इसमें कुछ और लोग भी शामिल हैं. एसएचओ ने कहा कि मामले की गहनता से जांच जारी है. रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ कर हत्या से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा किया जाएगा.

देश के पास 60 दिन का तेल और गैस का पर्याप्त भंडार है अफवाहों पर न करें भरोसा : सरकार

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के पास करीब 60 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार है. पेट्रोल, डीजल या घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है. सरकार ने ईंधन की कमी की खबरों को अफवाह बताकर लोगों से भरोसा न करने को कहा है.पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और नियंत्रण में है. सभी खुदरा ईंधन आउटलेट्स पर पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है. देश में कहीं भी पेट्रोल-डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है. मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे जान-बूझकर चलाए जा रहे एक शरारतपूर्ण और सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान से गुमराह न हों, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट फैलाना है.

मंत्रालय ने कहा कि देशभर में 1 लाख से ज्यादा रिटेल ईंधन आउटलेट खुले हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन दे रहे हैं. किसी भी आउटलेट से सप्लाई को सीमित करने के लिए नहीं कहा गया है. सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त

स्टॉक है. वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं. पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है. मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन के मामले में दुनिया में चौथे और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भारत, घरेलू ईंधन की उपलब्धता को संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित करता है. साथ ही 150 से ज्यादा देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है.

मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के 27वें दिन भी हमारे पास अभी करीब 60 दिन का वास्तविक ईंधन भंडार है, जिसमें कच्चे तेल का भंडार, उत्पाद भंडार और रणनीतिक भंडारण शामिल है. मंत्रालय ने कहा कि दो माह की कच्चे तेल की खरीद पहले ही सुनिश्चित होने की वजह से अगले कुछ माह तक भारत के लिए समस्या नहीं है, इसलिए देश में भंडार के समाप्त या अपर्याप्त होने के किसी भी दावे को पूरी तरह से खारिज कर देना चाहिए.

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव के बावजूद कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है. भारतीय रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से अधिक पर काम कर रही हैं और अगले 60 दिन के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है. घरेलू उत्पादन में वृद्धि और आयात आवश्यकताओं में कमी के कारण एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है. कई देशों से अतिरिक्त कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं, जिससे निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है.

पूर्ववर्ती सरकार ने जोधपुर में नहीं करवाए काम, अब जनता हमसे मांग रही: मुख्यमंत्री भजनलाल

जोधपुरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जोधपुर में कोई विकास कार्य नहीं करवाए. अब जनता हमसे मांग रही है. राज्य सरकार उनकी भावनाओं का पूरा ध्यान रखेगी. यह बात उन्होंने आज यहां जोधपुर प्रवास के दौरान राजाराम आंजणा आश्रम ट्रस्ट शिकारपुरा में आयोजित संत राजाराम महाराज के 144वें जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही. उन्होंने अपने संबोधन में पूर्ववतर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कई कई आरोप लगाए.

उन्होंने कहा कि घोटाले करने वालों का बख्शा नहीं जाएगा. वे सभी जेल जाएंगे. उन्होंने यहां संत राजाराम महाराज की समाधि के दर्शन किए साथ ही संत दयाराम महाराज का आशीर्वाद लिया. उन्होंने मेले का अवलोकन किया तथा संत राजाराम आश्रम के ऐतिहासिक मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की. इस दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत तथा गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. इसके अलावा कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जीवजंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई, पाली सांसद पीपी चौधरी, जालोर सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक अर्जुनलाल गर्ग, बाबू सिंह राठौड़, भैराराम सियोल, पब्बाराम विश्नोई, अरुण पटेल, छोटू सिंह, हमीर सिंह भायल, आदुराम मेघवाल व जीवाराम चौधरी भी उपस्थित रहे.मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेशवासियों को रामनवमी के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं. मुख्यमंत्री ने कहा कि रामनवमी का दिन हमारे जीवन में हर्षोल्लास, उत्साह और भाईचारे की भावना लेकर आता है. यह पर्व हमें मर्यादा, धर्म और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है. उन्होंने जोधपुर सहित पूरे प्रदेश के लोगों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि ऐसे पर्व समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करते हैं.

फतेहाबाद में हुआ तेल संकट, भारत पेट्रोलियम के पंप हुए खाली

फतेहाबादः ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध के बादलों का असर अब स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है. फतेहाबाद शहर में तेल की किल्लत शुरू हो गई है, जिससे आम जनता में अफरा-तफरी का माहौल है. गुरूवार को शहर के भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंपों पर तेल पूरी तरह समाप्त हो गया है, जिसके चलते अन्य कंपनियों के पंपों पर वाहनों की लंबी

कतारें लग गई हैं. भारत पेट्रोलियम के शहर में दो प्रमुख पंप हैं और दोनों ही वर्तमान में तेल की कमी से जूझ रहे हैं. पुराने बस स्टैण्ड के पास स्थित खुशी राम परमानंद पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल और डीजल का स्टॉक खत्म हो चुका है. वहीं भट्टू रोड स्थित बत्रा पेट्रो पर भी सप्लाई बंद होने के कारण पंप ड्राई हो गए हैं. जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि भारत पेट्रोलियम के पंप खाली हो गए हैं, लोग तुरंत अन्य कंपनियों के पंपों की ओर दौड़ पड़े. इससे शहर के बीचों-बीच स्थित अन्य पेट्रोल पंपों पर वाहनों का भारी हुजूम उमड़ पड़ा और लोगों को घंटों अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है.

पुराने बस स्टैण्ड के पास स्थित खुशी राम परमानंद पेट्रोल पंप के संचालक शंटी मोंगा ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि कंपनी से सप्लाई फिलहाल रुकी हुई है. उन्होंने जानकारी दी कि चार दिन पहले उनके पास 22 हजार लीटर पेट्रोल-डीजल की सप्लाई आई थी, जो अब पूरी तरह खपत हो चुकी है. सरकार के दिशा-निर्देशानुसार हमने केवल इमरजेंसी कोटा (एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के लिए) सुरक्षित रखा है. आम जनता के लिए फिलहाल सप्लाई बंद करनी पड़ी है.

इस किल्लत का सीधा संबंध ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को माना जा रहा है. वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की सप्लाई चेन प्रभावित होने के कारण तेल कंपनियां आपूर्ति सुनिश्चित करने में कठिनाई महसूस कर रही हैं. हालांकि, पंप संचालकों का कहना है कि कंपनी प्रबंधन ने जल्द ही सप्लाई बहाल करने का आश्वासन दिया है, लेकिन कब तक तेल पहुंचेगा, इस पर अभी अनिश्चितता बनी हुई है. खेती के सीजन और दैनिक आवाजाही के बीच अचानक आई इस कमी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है. लोग डर के मारे अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल करवा रहे हैं, जिससे अन्य पंपों पर भी स्टॉक तेजी से कम हो रहा है.

दुनिया में नाजुक स्थिति, सरकार की तैयारी कमजोर : गहलोत

जयपुरः राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों को सलाह देते हुए कहा कि वे अपने बेटों को सरकार से दूर रखें. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से मंत्रियों के परिजनों का सरकारी कामकाज में दखल बढ़ा है, जो भविष्य में सरकार की बदनामी का कारण बन सकता है. उन्होंने नेताओं से कहा कि बेटों को नजदीक रखोगे तो वे बिगड़ जाएंगे, उन्हें दूर रखकर अच्छे संस्कार देना जरूरी है.गहलोत गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे. इस मौके पर गहलोत ने राज्य सरकार, केंद्र सरकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक साथ तीखे बयान दिए. अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बोलते हुए गहलोत ने विदेश मंत्री के पाकिस्तान को लेकर दिए गए कथित 'दलाली' शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई. उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विदेश मंत्री को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. अगर यह जुबान फिसलने से हुआ है तो अलग बात है, अन्यथा उन्हें माफी मांगनी चाहिए.गहलोत ने कहा कि वर्तमान वैश्विक हालात

बेहद संवेदनशील हैं और दुनिया तीसरे विश्व युद्ध जैसी स्थिति की ओर बढ़ रही है. ऐसे समय में हर देश को शांति स्थापित करने के प्रयास करने चाहिए. गहलोत ने डोनाल्ड ट्रंप के बयानों को लेकर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा कि ट्रंप कभी नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त बताते हैं, तो कभी उनके खिलाफ टिप्पणी करते हैं. किसी भी देश के राष्ट्रपति द्वारा दूसरे देश के प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना असामान्य है. उन्होंने पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इतिहास में वह भारत के सामने कमजोर रहा है, इसके बावजूद वैश्विक मामलों में उसकी भूमिका बढ़ना चिंताजनक है. गहलोत ने कहा कि तेल-गैस संकट को लेकर राहुल गांधी पहले ही चेतावनी दे चुके थे, लेकिन सरकार ने समय रहते तैयारी नहीं की.राज्य सरकार पर हमला जारी रखते हुए गहलोत ने आरोप लगाया कि सरकार कोचिंग संस्थानों से मिलीभगत कर रही है, जिसके कारण जयपुर में ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ रही है.

उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में देरी और योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए. कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात बिगड़ चुके हैं और हत्या जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं. साथ ही आरोप लगाया कि सरकार आंकड़े कम दिखाने के लिए एफआईआर दर्ज करने में भी ढिलाई बरत रही है.गहलोत ने इंदिरा गांधी के समय का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति मजबूत थी, जबकि वर्तमान हालात चिंताजनक हैं.

मानवाधिकार आयोग ने छत्तीसगढ़ की जेलों में 285 कैदियों की मौत पर दो हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्लीः राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ की विभिन्न जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत की मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और महानिदेशक (कारागार) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है.मानवाधिकार आयोग ने एक बयान जारी कर कहा कि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत हुई हैं. इनमें सर्वाधिक 90 मौतें वर्ष 2022 में दर्ज की गईं, जबकि जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच 66 कैदियों की मौत हुई है.रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने विधानसभा में कैदियों की मौत के पीछे आत्महत्या और पुरानी बीमारियों को मुख्य कारण बताया है. हालांकि, खबरों में यह भी कहा गया है कि राज्य की अधिकांश जेलें क्षमता से अधिक भरी हुई हैं, जिससे संक्रमण फैलने और कैदियों में मानसिक तनाव बढ़ने का खतरा है.रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कई जेलों में डॉक्टरों और मनोचिकित्सकों की कमी है, जिससे कैदियों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है.

भारत-चीन युवा संवाद में आपसी सहयोग और समझ बढ़ाने पर जोर

नई दिल्लीः चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने गुरुवार को यहां चौथे भारत-चीन युवा संवाद को संबोधित करते हुए दोनों देशों के युवाओं से आपसी समझ, सहयोग और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि भारत और चीन के संबंधों का भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है, और आपसी संवाद ही विश्वास को मजबूत करेगा.राजदूत ने अपने संबोधन में कहा कि आज के युवा पहले की तुलना में अधिक वैश्विक, आत्मविश्वासी और तकनीकी रूप से जुड़े हुए हैं. उन्होंने सांस्कृतिक आदान-प्रदान की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे चीनी डिजिटल कंटेंट और भारतीय योग, भोजन व संस्कृति दोनों देशों के युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं.

इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत-चीन संबंधों में युवाओं की हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका रही है. उन्होंने प्राचीन काल में ह्वेनसांग की भारत यात्रा, रवींद्रनाथ टैगोर के चीन दौरे और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान डॉ. द्वारकानाथ कोटनीस के योगदान का उदाहरण दिया.राजदूत ने तीन प्रमुख बिंदुओं पर युवाओं का ध्यान आकर्षित किया. पहला, एक-दूसरे के प्रति निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना. उन्होंने कहा कि कुछ ताकतें दोनों देशों के बीच मतभेद बढ़ाने का प्रयास करती हैं, लेकिन युवाओं को स्वतंत्र रूप से सोचने की जरूरत है.

दूसरा, उन्होंने आपसी लाभ पर आधारित सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही. उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था और हरित प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के युवाओं के बीच सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित किया.तीसरा, उन्होंने वैश्विक स्तर पर खुले और समावेशी दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया.

चाबहार के पास ईरान ने एक और अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-18 को मार गिराया

तेहरानः पश्चिम एशिया में पिछले 27 दिनों से जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-18 को चाबहार क्षेत्र के ऊपर मार गिराया. ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने यह दावा किया.आईआरजीसी ने कहा कि उसने ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक और अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया है. आईआरजीसी के अनुसार 28 फरवरी से अब तक यह चौथा अमेरिकी लड़ाकू विमान है जिसे निशाना बनाया गया है.इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के स्वामित्व वाली ईरान के सरकारी मीडिया संगठन प्रेस टीवी और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने बुधवार को वायु रक्षा इकाइयों द्वारा किए गए इस सफल अभियान की जानकारी दी.एक बयान में आईआरजीसी ने कहा कि उसने देश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले एक विमान को रोका और मार गिराया. दुश्मन के इस विमान को दक्षिणी ईरान के ऊपर मंडराते समय निशाना बनाया गया और नष्ट कर दिया गया.

इसके साथ ही ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा कि उन्होंने जवाबी कार्रवाई में सटीक-निर्देशित मिसाइलों और उन्नत ड्रोनों का इस्तेमाल करते हुए 80 से अधिक चरणों में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इजराइली ठिकानों पर हमले किए हैं.

उधर, अमेरिका ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है. अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान का यह दावा झूठा है और किसी भी अमेरिकी लड़ाकू विमान को नुकसान नहीं पहुंचा है. यह जवाब खास तौर पर आईआरजीसी की उस घोषणा के संदर्भ में दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि चाबहार के ऊपर एक एफ-18 विमान को निशाना बनाया गया था.

सेंटकॉम ने इस संबंध में ईरान की सरकारी मीडिया द्वारा इस दावे को लेकर झूठा की मुहर लगी एक फ़ैक्ट-चेक ग्राफ़िक भी जारी किया है. यह घोषणा आईआरजीसी की ओर से ऑनलाइन प्रसारित होने के कुछ ही मिनटों बाद सामने आया.उल्लेखनीय है कि, चाबहार इलाका ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी के मुहाने पर स्थित है. यह ईरान का एकमात्र गहरे पानी का बंदरगाह है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य के पास है.

वहीं, यह घटना उन लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमानों में से एक से है, जो करीब तीन हफ़्तों से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के दौरान नुकसान पहुंचा है या वे नष्ट हो गए हैं.इसके पूर्व दो मार्च को फारस की खाड़ी के ऊपर अमेरिका के तीन एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे. वहीं, 12 मार्च को पश्चिमी इराक में एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर लड़ाकू विमान भी दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी छह क्रू सदस्यों की मौत हो गई थी. एक अन्य केसी-135 विमान को गंभीर नुकसान पहुंचा था, लेकिन वह सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाद में स्वीकार किया कि सऊदी अरब पर ईरानी हमलों के दौरान कम से कम एक केसी-135 विमान क्षतिग्रस्त हो गया था.इसके अलावा करीब एक दर्जन एमक्यू-9 रीपर ड्रोन भी नष्ट हुए हैं, जिनमें से कुछ को ईरानी सेना ने जमीन पर ही क्षतिग्रस्त कर दिया था.

सुडोकू-16

			8	6	4	7		
		3	9				5	
8					7	6	9	
	5				3		8	6
	7	8	6		5	2	1	
6	3		4				7	
	2	5	1					8
	4				8	9		
		6	5	4	9			

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -15 का उत्तर

6	5	9	1	4	8	3	2	7
8	3	1	7	5	2	4	9	6
7	4	2	6	9	3	1	8	5
9	2	3	4	7	6	8	5	1
1	7	5	8	3	9	2	6	4
4	6	8	5	2	1	9	7	3
3	1	6	9	8	5	7	4	2
2	8	4	3	6	7	5	1	9
5	9	7	2	1	4	6	3	8

युवा शक्ति माथापच्ची- 37

● बाएं से दाएं

1. संवरा, तैयार, कारा दंड, 3. प्रतिष्ठा के लिए, मान हेतु, 5. हर्ष, आनंद, नशा, शीर्षक, 6.देशवासी, अपने इलाके का रहने वाला, 7. आगमन, 9. नापने का, मानदंड, माप, परिमाण, 12. अंजन, 14. निश्चित होना, निर्द्वन्द्व हो सोना, 16. उद्धार, पार उतारने का कार्य, 17. सर्प, 21. केश गुच्छ, 22. कोहरा, 24. विविध, एक रिश्ता, 25. भरना, ग्रहण हो जाना, किसी वस्तु में भर जाना, 26. केसर, हल्दी,

● उपर से नीचे

1. आंगन, झेलने का भाव, 2. पहर, प्याला, 3. शोक, दुख, 4. मोटी-लंबी मैदे की तंदूरी रोटी, 5. रुठे को प्रसन्न करना, स्वीकार करना, 8. धोबी, 10. पोषण होना, ह्यष्ठ-पुष्ठ होना, 11. जिसका पता न चले, लुप्त, 12. हेतु, वजह, 13. कंपन, डर, 14. लटकना, चढाना, 15. सफेद रंग का सुंदर पक्षी, चंद्रमा, 18. जीर्ण होना, बदन सूखना, पिघलना, 19. शोभित होना, अलंकृत होना, प्रियतम, 20. मटर जितने आकार का खट्टा-मिठा फल, 22 लक्ष्मी, 23. नीर, पानी.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 36 का हल

बा	त	बि	गा	ड	ना			ता
ल	ट		था			मे	म	ना
	स्थ			अ	स	ह	न	
क	ता	र		नु		न	का	र
च्छ		ग	ति	शी	ल	ता		म्य
प	क	ड		लि		ना	द	ता
	ह	वा	ला	त			म	
मा	र	ना			फी		ख	रा
न			अं	ध	का	र	म	य

श्रीराम नवमी की पूर्व संध्या पर मर्लिन कैंब्रिज में रंगारंग कार्यक्रम

भक्तों ने जमाया रंग, नाच-गाना से लेकर नारेबाजी तक

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कोलकाता स्थित मर्लिन कैंब्रिज परिसर में श्रीराम नवमी की पूर्व संध्या पर भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला. सजे-धजे परिसर में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया. कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम की वंदना और मंगलाचरण से हुई, जिसके बाद भजन-कीर्तन की स्वर लहरियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया. श्रद्धालु झूम उठे और भक्ति गीतों पर नाच-गाकर अपनी आस्था का भावपूर्ण प्रदर्शन किया. बच्चों और युवाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य, रामायण प्रसंगों पर आधारित झांकियां और संगीत प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए. पूरे परिसर में जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा. अध्यक्ष प्रदीप चूड़ीवाल और सचिव सोमनाथ भट्टाचार्य ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और धार्मिक भावनाओं को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं. कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण के साथ सभी ने एक-दूसरे को श्रीराम नवमी की शुभकामनाएं दीं. यह आयोजन न केवल भक्ति का उत्सव बना, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता नजर आया.

श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर परिसर के वासिंदा मदन मारोटी के पिता 88 वर्षीय छगन लाल मारोटी का जन्मदिन भी धूमधाम से मनाया गया. केक और मिष्टान्न के साथ उनके जन्मदिन पर शुभकामना देने वालों की कतार लगी रही. युवा शक्ति परिवार की ओर से भी अनन्त शुभकामनाएं.

महावीर जयंती पर लोक-धर्मोत्सव 2026 भव्य रूप से सम्पन्न

युद्ध एवं अशांति के माहौल में महावीर अधिक प्रासंगिक: चिराग

युवा शक्ति न्यूज

नई दिल्ली: केन्द्रीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि भगवान महावीर की जन्मभूमि बिहार केवल जैन समाज की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की आस्था और शांति की भूमि है. इस भूमि से युद्ध एवं अशांति के इस माहौल में एक ऐसी क्रांति घटित होनी चाहिए, जो दुनिया में शांति, अहिंसा एवं प्रेम का माध्यम बने. श्री पासवान मुख्य अतिथि के रूप में तीर्थंकर भगवान महावीर के 2625वें जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर महावीरायतन फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित लोक-धर्मोत्सव 2026 समारोह को संबोधित करते हुए बोल रहे थे. यह समारोह आज मावलंकर ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में अत्यंत भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ. उन्होंने आगे कहा कि बिहार को अहिंसा और शांति की वैश्विक भूमि के रूप में स्थापित करने तथा भगवान महावीर की जन्मस्थली को एक भव्य अंतरराष्ट्रीय महातीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए जैन समाज को संगठित और व्यापक प्रयास करने चाहिए. उन्होंने इस दिशा में सामूहिक पहल का आह्वान किया. इस अवसर पर अनेक केंद्रीय मंत्री, सांसद, संत-महात्मा, विद्वान, समाजसेवी एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही. कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान महावीर के अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह एवं जियो और जीने दो के संदेश को वर्तमान विश्व परिस्थितियों में अत्यंत प्रासंगिक बताया और स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी द्वारा जैन धर्म को जन धर्म बनाने की दिशा में प्रयासों की सराहना की. राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा- आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा और असहिष्णुता के दौर से गुजर रही है, तब भगवान महावीर का अहिंसा और अनेकांत का संदेश मानवता के लिए सबसे बड़ा समाधान है. महावीर का दर्शन विश्व शांति की आधारशिला बन सकता है. लोकप्रिय सांसद, प्रसिद्ध कलाकार एवं गायक मनोज तिवारी ने अपने गीतों के माध्यम से भगवान महावीर को श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा- आज आवश्यकता बिहार से एक ऐसी अहिंसा और नैतिकता की क्रांति की है, जो केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को नई दिशा दे सके. भारत विकास परिषद के महामंत्री श्री सुरेश जैन ने अपने वक्तव्य में कहा- भगवान महावीर का अहिंसा, अनेकांत और शांति का संदेश केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है. इन सिद्धांतों को विश्वव्यापी बनाने की आवश्यकता है. महावीरायतन फाउंडेशन के संस्थापक स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी (गुरुजी) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर का जीवन आत्मविजय, संयम और करुणा का महान उदाहरण है. उन्होंने कहा कि महावीर ने दुनिया को स्वयं पर विजय प्राप्त करने का मार्ग सिखाया. आज मनुष्य ने विज्ञान से दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने मन को नहीं जीत पाया, इसलिए अशांति और संघर्ष बढ़ रहे हैं. महावीर का मार्ग भीतर की शांति, संतुलन और सहअस्तित्व का मार्ग है. उन्होंने यह भी कहा कि अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में करुणा और संवेदना लाना है. सुखी परिवार फाउंडेशन के संस्थापक गणि राजेंद्र विजय जी महाराज भी उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार ललित गर्ग द्वारा स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी पर लिखित पुस्तक निर्गुण चदरिया का भी विमोचन किया गया. इस अवसर पर ललित गर्ग ने कहा- स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी केवल एक संत नहीं, बल्कि एक विचार, एक चेतना और एक आध्यात्मिक यात्रा का नाम हैं. 'निर्गुण चदरिया' एक व्यक्ति की जीवनी नहीं, बल्कि आत्मचेतना, साधना और मानवीय मूल्यों की यात्रा का दस्तावेज है. कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों-साहित्य, पत्रकारिता, शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा एवं मानवीय सेवाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक व्यक्तित्वों को लोक सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया. सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से प्रख्यात समाजसेवी श्री धर्मेंद्र जैन, श्री चंद्र कुमार जाजोदिया, श्री मानिकलाल मूलचंद साह, श्री सुरेश पूनमिया, श्री मनोज जैन इशिका, श्री सोहन गिरी एवं उत्कृष्ट लेखन एवं समाज सेवा के लिए श्री ललित गर्ग शामिल थे. समग्र रूप से लोक-धर्मोत्सव 2026 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अहिंसा, शांति, परिवार, संस्कार और मानवीय मूल्यों का राष्ट्रीय उत्सव बनकर सम्पन्न हुआ. इस आयोजन ने भगवान महावीर के संदेश को नई पीढ़ी और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया. यह आयोजन वास्तव में एक विचार, एक संस्कार और एक शांति-यात्रा का उत्सव बन गया, जिसने यह संदेश दिया कि विश्व को हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों, अहिंसा और सहअस्तित्व से शांति मिल सकती है. कार्यक्रम का संयोजन आवाज के जादूगर अनुराग जैन ने किया. भारत की एकता और विविधता एवं महावीर के दर्शन को दर्शाते हुए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए.

दुनिया में युद्ध के हालात, लेकिन समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : शिवराज सिंह

भोपाल: केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा है कि आज दुनिया के बड़े हिस्से में युद्ध के काले बादल छाए हुए हैं, लेकिन संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर आगामी 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे. यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए वैश्विक तनाव को लेकर कहा कि दुनिया में युद्ध के हालात बन रहे हैं, लेकिन हमें लड़ाई नहीं, शांति का रास्ता अपनाना चाहिए. घृणा नहीं, प्रेम ही समाधान है. अपने दौरे की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री चौहान ने पाटन देव हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की. उन्होंने बजरंगबली के साथ भगवान श्रीराम और अष्टमी के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा कर आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर उन्होंने रामनवमी के संदेश का जिक्र करते हुए ने कहा कि यह पर्व हमें एकता और समानता की सीख देता है. उन्होंने कहा कि एक ही चेतना सबमें है, पूरे जगत में वही भाव है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल विकास की ओर बढ़ रहा है, बल्कि दुनिया को शांति और समन्वय का मार्ग भी दिखा रहा है.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन